खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-16

भारत की तकनीकी विशेषज्ञता का पूरी दुनिया ने माना लोहा

इसरो ने अंतरिक्ष में स्पेस डॉकिंग कर रचा इतिहास

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की तकनीकी का पूरी दुनिया लोहा मान रही है। इसरो अंतरिक्ष में एक से बढ़कर एक नए कारनामे कर रहा है, इन्हीं कारनामों में से एक है स्पेस डॉकिंग।

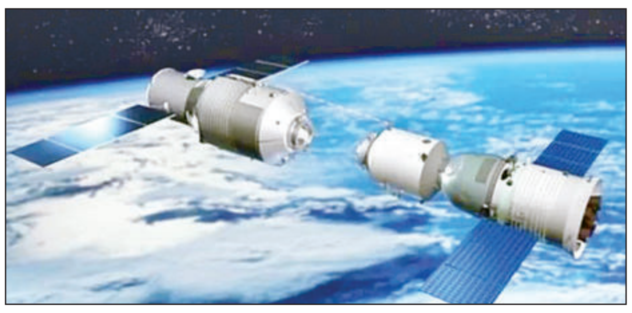

दो स्पेसक्राफ्ट की डॉकिंग कराने वाला भारत दुनिया का चौथा देश

भारत ने सफलतापूर्वक को अंतरिक्ष यानों को आपस में सक्सेसफुली डॉक कराने में सफलता हासिल की है। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आज यानी कि 16 जनवरी 2025 कि सुबह इसरो ने स्पेस में असंभव दिखने वाले इस मिशन को भी संभव कर दिखाया। दरअसल, डॉकिंग की इस प्रक्रिया को 7 जनवरी को किया जाना था, लेकिन कुछ कारणों से इसे टाल दिया गया था। इसके बाद 9 जनवरी को डॉकिंग की कोशिश शुरू की गई, लेकिन 3 मीटर की दूरी से स्पेसक्राफ्ट एक दूसरे से दूर निकल गए। इसके बाद अब 16 जनवरी को एक बार इसकी कोशिश की गई और डॉकिंग सफल रही।

अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट की डॉकिंग कराने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है। भारत से पहले चीन, अमेरिका और रूस ही ऐसा करने में सफल रहे थे। गौरतलब है कि अंतरिक्ष में भारत अपना स्पेस स्टेशन बनाना चाहता है। इसके लिए डॉकिंग एक महत्वपूर्ण चरण है।

क्योंकि, इस मिशन की कामयाबी पर चंद्रयान-4, गगनयान और आईएसएस जैसे मिशन निर्भर हैं। उल्लेखनीय है कि 30 दिसंबर 2024 को झडङत उ 60 रॉकेट के जरिए स्पेडेक्स - स्पेडेक्स-इ को लॉन्च किया गया था, जो कि 470 किमीटर की ऊंचाई पर अलग-अलग कक्षाओं में स्थापित किए गए।

लॉन्चिंग के दौरान दोनों ही स्पेसक्राफ्ट की रफ्तार 28,000 किलोमीटर प्रतिघंटा हो गई थी। बाद में दोनों ही अंतरिक्ष यानों को धरती के कंट्रोल सिस्टम से कंट्रोल करते हुए इसकी डॉकिंग कराई गई। स्पेस डॉकिंग के बाद अब आने वाले समय में दोनों स्पेसक्राफ्ट के बीच इलेक्ट्रिक सप्लाई करने की योजना पर वैज्ञानिक काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष में दो उपग्रहों की सफल डॉकिंग पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बृहस्पतिवार को स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पेडेक्स) के तहत उपग्रहों की डॉकिंग सफलतापूर्वक की। यह भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना सहित भविष्य के कई मिशनों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री ने कहा, उपग्रहों की अंतरिक्ष डॉकिंग के सफल प्रदर्शन के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों और पूरी अंतरिक्ष बिरादरी को बधाई। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। अंतरिक्ष एजेंसी ने यह भी घोषणा की कि डॉकिंग के बाद, एक वस्तु के रूप में दो उपग्रहों पर नियंत्रण स्थापित करने की प्रक्रिया भी सफल रही। ▶10पर

इसरो के लिए तीसरे उपग्रह लांच पैड को केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरूवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधन संगठन (इसरो) के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में 3985 करोड़ रुपए की लागत से तीसरे लॉन्च पैड की स्थापना को मंजूरी दे दी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद एक संवाददता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

तीसरी लॉन्च पैड परियोजना में इसरो के अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यानों के लिए श्रीहरिकोटा, आंध्र प्रदेश में प्रक्षेपण संबंधी बुनियादी ढांचे की स्थापना और श्रीहरिकोटा में दूसरे लॉन्च पैड के लिए स्टैंडबाइ लॉन्च पैड के रूप में सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की गयी है। इससे भविष्य के भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों के लिए प्रक्षेपण क्षमता में भी वृद्धि होगी। ▶10पर

धीरे-धीरे खुल रही हैं बांग्लादेश की पाकिस्तानपरस्त हरकतें

संविधान से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द हटाएगा बांग्लादेश

कट्टरपंथी संवैधानिक सुधार आयोग ने रखा प्रस्ताव

ढाका, 16 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने सत्ता संभालने के लिए साथ ही सबसे पहले देश के संविधान को बदलने की तरफ इशारा किया था। संवैधानिक सुधारों के नाम पर इसके लिए संवैधानिक सुधार आयोग भी गठित किया गया। अब इस आयोग सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपते हुए संविधान से धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और राष्ट्रवाद के सिद्धांतों को बदलने की सिफारिश की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश के संविधान में कुल 4 सिद्धांत निहित हैं, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, राष्ट्रवाद और लोकतंत्र। इसमें से कट्टरपंथी सरकार के समक्ष तीन सिद्धांतों को खत्म करने का प्रस्ताव रखा गया है। आखिरी सिद्धांत लोकतंत्र बचता है।

इसके साथ ही यूनुस सरकार की ओर से गठित आयोग ने द्विसदनीय संसद और प्रधानमंत्री के कार्यकाल पर दो कार्यकाल की सीमा रखने का प्रस्ताव सरकार को दिया है। इस आयोग का सुझाव है कि सरकार को प्रस्तावित संसद के निचले सदन में चुनाव और ऊपरी सदन को आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर बनाया जाना चाहिए। साथ ही राज्य की तीन शाखाओं और दो कार्यकारी पदों प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के मध्य संतुलन बनाए रखने के लिए संवैधानिक निकाय राष्ट्रीय संवैधानिक परिषद को बनाने की आवश्यकता है।

संवैधानिक आयोग के अध्यक्ष अली रियाज ने प्रस्तावित संविधान संशोधन को लेकर अपनी रिपोर्ट में सलाह दी है कि संशोधन करने के लिए जनमत संग्रह की प्रणाली को अंगीकार किए जाने की आवश्यकता है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश में वर्तमान में ऐसा प्रावधान है कि किसी भी संशोधन के लिए सरकार को संसद में एक तिहाई बहुमत से प्रस्ताव को पारित करवाने के बाद ही उसमें संशोधन किया जा सकता है।

अली रियाज का मानना है कि 16 वर्षो के शेख हसीना के निरंकुश शासन का सबसे बड़ा कारण ये था कि सारी शक्तियां प्रधानमंत्री के कार्यालय के पास थीं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा

अगले वर्ष लागू होगा आठवां वेतन आयोग

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। मंत्रिमंडल ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी प्रदान कर दी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय सरकारी कर्मचारियों के लिए लाभ सुनिश्चित करने के मद्देनजर लिया गया है। आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें 2016 में लागू की गई थीं, लेकिन इसका कार्यकाल 2026 में समाप्त हो रहा है। हालांकि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही प्राप्त होने की उम्मीद है, जिसके लिए 2025 तक पर्याप्त समय दिया गया है। आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें 2026 तक लागू होने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद से देशभर के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारियों को लाभ मिलेगा। केंद्रीय कर्मचारियों के संगठन लंबे समय से आठवें वेतन आयोग के गठन की मांग कर रहे थे। ये संगठन सरकार पर लगातार दबाव बना रहे थे। ताकि कर्मचारियों के वेतन संबंधी मुद्दों का समाधान हो सके। कई बार कर्मचारी यूनियनों ने केंद्र सरकार से इस विषय में स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा 28 फरवरी 2014 को गठित सातवें वेतन आयोग ने 19 नवंबर 2015 को ▶10पर

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर जानलेवा हमला

लीलावती अस्पताल में भर्ती, खतरे से बाहर

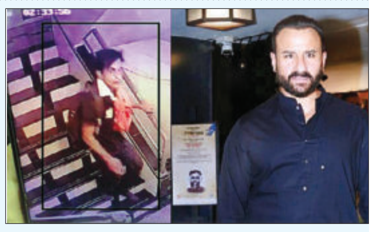

मुंबई, 16 जनवरी (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर बीती रात उनके घर में हमला हुआ. चोरी के इरादे से उनके घर में घुसे एक आदमी ने उनपर चाकू से 6 वार किए। अब आरोपी की पहली तस्वीर सामने आई है। सीढ़ी से उतरते हुए वह सीसीटीवी में कैद हो गया है। फिलहाल पुलिस की 10 टीमें इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सीसीटीवी में आया है कि हमलावर पीठ पर एक बैग टांगे हुए है। यह फुटेज रात 2:33 बजे का है. इसी फुटेज के आधार पर मुंबई पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है। उसका घर का लोकेशन भी पता कर लिया है। पुलिस उसके घर गई, लेकिन वह अपने घर पर नहीं मिला। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। पुलिस की 10 टीमों के अलावा क्राइम ब्रांच की 8 टीमें भी मामले की जांच कर रही है।

सैफ को इलाज के लिए लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के लीलावती अस्पताल में अभिनेता सैफ अली खान की सर्जरी करने वाले डॉक्टरों बताया है कि वह अब खतरे के पूरी तरह बाहर हैं। डॉ. नितिन दांगे ने मीडिया को बताया कि गुरुवार तड़के करीब ढाई बजे अभिनेता सैफ अली खान को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन पर एक अज्ञात शख्स ने चाकू से हमला किया था। उनकी सर्जरी की गई है।

डॉक्टर ने बताया कि अभिनेता के रीढ़ की हड्डी में चोट लगी है। चाकू निकालने के लिए सर्जरी की गई। राहत की बात यह रही कि यह सर्जरी सफल रही और चाकू निकाल लिया गया है। ▶10पर

आंध्र प्रदेश सरकार अपने फैसले पर कायम

दो से ज्यादा बच्चे वाले ही लड़ पाएंगे निकाय चुनाव

विजयवाड़ा, 16 जनवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कोई व्यक्ति तभी सरपंच, नगर निगम पार्षद या मेयर बन सकता है, जब उसके दो से अधिक बच्चे हों, यह संकेत देते हुए कि यह गिरती जनसंख्या को रोक देगा। नायडू ने कहा कि वह लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नीतियां लाएंगे। उन्होंने कहा कि एक समय में, कई बच्चों वाले व्यक्तियों को पंचायत (चुनाव) या स्थानीय निकायों में लड़ने की अनुमति नहीं थी। अब मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि कम बच्चों वाले व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकते। आप सरपंच, नगर निगम पार्षद, निगम अध्यक्ष या महापौर तभी बन पाएंगे जब आपके दो से अधिक बच्चे होंगे।

सीएम के अनुसार, उत्तर भारत लगभग 15 वर्षों में स्थिर प्रजनन दर का लाभ खो सकता है। उन्होंने कहा, आपके माता-पिता चार से पांच बच्चे पैदा करते थे और आपने इसे घटाकर एक कर दिया। यहां तक कि होशियार लोग भी अब कह रहे हैं कि दोगुनी आय वाले बच्चे हमें आनंद नहीं लेने देते। अगर उनके माता-पिता ने उनके जैसा सोचा होता, तो वे इस दुनिया में नहीं आते। नायडू ने कहा, सभी देशों ने यह गलती की है और हमें सही समय पर निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि अधिक बच्चे पैदा करने के महत्व पर जोर नहीं दिया गया और स्थिति हाथ से बाहर हो गई। दक्षिण कोरिया, जापान और महाद्वीपीय यूरोप जैसे देशों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उन जगहों पर लोगों को आबादी कम होने के खतरे का एहसास नहीं था, बल्कि उन्होंने केवल धन पैदा करने, आय बढ़ाने और उन देशों को आगे ले जाने पर ध्यान केंद्रित किया। इस महीने की शुरुआत में, नायडू ने गिरती जन्मदर पर प्रकाश डाला और ▶10पर

सड़क की खराब हालत पर बिफरे नितिन गडकरी

सड़क निर्माण में खामियों को संज्ञेय अपराध बनाया जाए

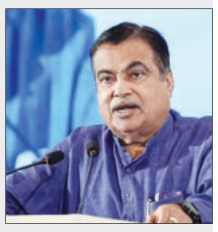

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि अगर सड़क निर्माण में कोई खामी होती है, तो इसे गैर-जमानतीय अपराध बनाया जाना चाहिए। साथ ही सड़क ठेकेदारों तथा इंजीनियरों को दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। उद्योग मंडल सीआईआई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया में सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत नंबर एक पर है। महज 2023 में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं।

उन्होंने कहा, सड़क निर्माण में खामी पाया जाना गैर जमानतीय अपराध होना चाहिए। इसके साथ ही ठकेदारों और इंजीनियरों को हादसों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। 2023 में पांच लाख हादसे हुए, जिनमें 1,72,000 लोगों की जान गई। इसमें से 66.4 फीसदी यानी 1,14,000 मरने वाले लोगों की उम्र महज 18 से 45 थी। वहीं, 10 हजार बच्चों की मौत हुई थीं।

उन्होंने आगे कहा कि मंत्रालय का उद्देश्य 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को आधा करना है। उन्होंने यह भी कहा कि 55,000 मौतें हेलमेट न पहनने के कारण और 30,000 मौतें सीट बेल्ट न पहनने के कारण हुईं। साथ ही, उन्होंने कहा कि मंत्रालय सड़कों पर ब्लैक स्पॉट (खतरनाक स्थान) को सुधारने के लिए 40,000 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। गडकरी ने उद्योग और अन्य संबंधित पक्षों से सरकार के साथ मिलकर ड्राइवर प्रशिक्षण और फिटनेस सेंटर स्थापित करने का आह्वान किया, ताकि देश में ड्राइवरों की कमी को दूर किया जा सके। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27^0
न्यूनतम : 16^0

2025 के 15 संरचनात्मक दिन

नए वर्ष का पहला पखवाड़ा मोदी की सकारात्मक दृष्टि का प्रमाण है

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई परिवर्तनकारी पहलों के साथ साल 2025 की शुरुआत की है। यह एक प्रगतिशील, आत्मनिर्भर और एकजुट भारत के लिए उनके दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। बुनियादी ढांचे और वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने से लेकर युवाओं को सशक्त बनाने और भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने तक, उनके नेतृत्व ने आने वाले एक उल्लेखनीय वर्ष के लिए माहौल तैयार किया है।

साल की पहली कैबिनेट बैठक के दौरान किसानों के कल्याण पर जोर देने के साथ 2025 की शुरुआत हुई। सरकार ने किसानों के लिए किफायती उर्वरक मूल्य सुनिश्चित करते हुए डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार को मंजूरी दी। यह निर्णय भारत की कृषि और किसानों को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने उसी दिन गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ और शतरंज ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी जैसे सांस्कृतिक

आइकन से मुलाकात की, जो कला, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर उनके ध्यान को रेखांकित करता है।

3 जनवरी को पीएम मोदी ने दिल्ली में इन-सीटू स्लम रिहैबिलिटेशन प्रोजेक्ट के तहत 1,675 नवनिर्मित फ्लैट लाभार्थियों को सौंपे। इससे हजारों परिवारों के लिए रहन-सहन की बेहतर स्थिति सुनिश्चित हुई। उन्होंने 600 करोड़ रुपए से ज्यादा की तीन परिवर्तनकारी शैक्षणिक परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इनमें सूरजमल विहार में पूर्वी परिसर, द्वारका में पश्चिमी परिसर और नजफगढ़ में वीर सावरकर कॉलेज शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना है।

4 जनवरी को ग्रामीण भारत महोत्सव के दौरान ग्रामीण विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता केंद्र में रही। इसमें जीआई-प्रमाणित ग्रामीण उत्पादों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया गया। यह पहल ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने और इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करने के लक्ष्य के अनुरूप है। इस बीच, पीएम मोदी ने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ▶10पर

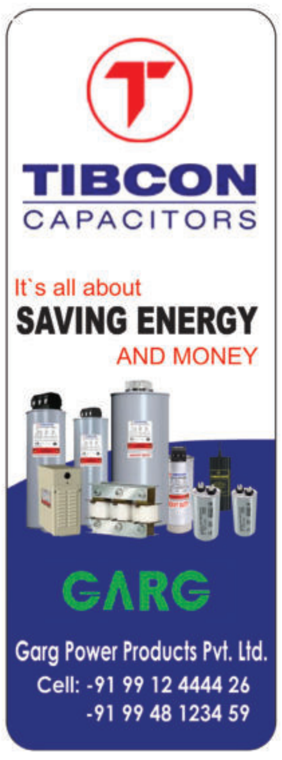

यओल की रात गुजरी सियोल डिटेंशन सेंटर में

सियोल, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल की रात पहली बार राष्ट्रपति भवन की जगह सियोल डिटेंशन सेंटर गुजरी। हिरासत में लिए गए येओल से कल दिनभर भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) पूछताछ की गई। उन्होंने जांच अधिकारियों के एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। येओल के खिलाफ नेशनल असेंबली महाभियोग प्रस्ताव पारित कर चुकी है। अब यह संवैधानिक अदालत में विचाराधीन है। येओल को मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा के बाद विरोध का तगड़ा सामना करना पड़ा है।वकीलों ने कहा, येओल अब जांच में सहयोग नहीं करेंगे

उनके वकीलों ने कहा कि राष्ट्रपति येओल मार्शल लॉ लागू करने के अपने फैसले पर विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों पर आगे की पूछताछ में सहयोग नहीं करेंगे। वकीलों के अनुसार येओल गुरुवार को सीआईओ में उपस्थित नहीं होंगे। यून की हालत अच्छी नहीं है।

सवालों पर चुप रहे

यून को बुधवार सुबह राष्ट्रपति आवास से हिरासत में लेकर सीआईओ मुख्यालय ले जाया गया। रात 9ः40 बजे तक चले दो पूछताछ सत्रों के दौरान राष्ट्रपति ने चुप रहने के अपने अधिकार का प्रयोग किया। सीआईओ गुरुवार दोपहर दो बजे उनसे पूछताछ करने की योजना बना रहा है। राष्ट्रपति इस समय ग्योंगगी प्रांत के ग्वाचेन में सियोल डिटेंशन सेंटर में हैं।

हिरासत की वैधता को चुनौती

द कोरिया हेराल्ड की खबर के अनुसार, 64 वर्षीय राष्ट्रपति के वकीलों ने उनकी हिरासत की वैधता को चुनौती दी है। बचाव पक्ष के वकील यून कप-क्यून ने कहा कि राष्ट्रपति यून का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। उन्होंने कल ही अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी थी। उधर, बुधवार को सीआईओ में राष्ट्रपति कथित तौर पर 10 घंटे 40 मिनट तक चुप रहे। जब उनसे उनके नाम, पते और व्यवसाय के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने पूछताछ के बारे में तैयार रिपोर्ट पर हस्ताक्षर भी नहीं किए।

आगे क्या

येओल की हिरासत अवधि शुक्रवार सुबह 10ः33 बजे खत्म होगी। उम्मीद की जा रही है सीआईओ अदालत से दो माह की हिरासत के लिए नया वारंट जारी करने का अनुरोध करेगा। दक्षिण कोरिया में अदालतें दो प्रकार के वारंट जारी करती हैं। आपराधिक प्रक्रिया अधिनियम के अनुच्छेद 200-2 संदिग्धों को 48 घंटे तक हिरासत में रखने का अधिकार देता है। दूसरा अधिनियम के अनुच्छेद 201 में संदिग्धों को दो महीने बाद तक हिरासत में रखने की अनुमति देता है।

न्यूज ब्रीफ

ओबामा ने सोशल मीडिया के माध्यम से बाइडेन की कार्यशैली की सराहना की

वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने 50 साल के राजनीतिक सफर को समाप्त करते हुए देश को संबोधित करते हुए एक भावपूर्ण विदाई भाषण दिया। उन्होंने अमेरिका के भावी लक्ष्यों और संकल्पों की ओर इशारा करते हुए अपना आभासी टास्क मुक्त करने की प्रतिज्ञा की। उनके विदाई भाषण के बाद पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से जो बाइडेन की कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने महामारी से ग्रसित समय में उनके नेतृत्व के तहत उठाए गए कठिन कार्यों की प्रशंसा की। जो बाइडेन ने अपने धार्मिक दायित्वों को सिद्ध करने के लिए गाजा में शांति समझौता कराया है। उनकी सरकार ने हमास और इजरायल के बीच युद्धविराम और बंधक समझौते को कराया है। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के तहत भविष्य की चुनौतियों की विशेष चर्चा की और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को महामारी द्वारा उत्पन्न संकट से बाहर निकालने में उनकी प्रयासों की सराहना की। जो बाइडेन ने अपने कार्यकाल में किए गए कठिन कार्यों और उपलब्धियों के संक्षेप रूप से उन्हें नमन किया और उन्हें देश के लिए आभारी होने के लिए कहा।

टॉप 10 भगोड़ों में शामिल भारतीय मूल के युवक को तलाश रही एफबीआई

मैरीलैंड। पत्नी की बेरहमी से हत्या करने के आरोप में भारतीय मूल का भदरेश कुमार चेतनभाई पटेल फरार चल रहा है। अमेरिका पुलिस ने उसे भगोड़ों की सूची में शामिल किया है। एफबीआई उसकी तलाश में जुटी हुई है। बता दें कि पटेल की उम्र 34 वर्ष है। 2015 में अपनी पत्नी की बर्बर हत्या के आरोप में अमेरिका के मैरीलैंड राज्य में वांटेड है। एफबीआई ने एक ट्वीट में लिखा, वांटेड हथियारबंद और अत्यधिक खतरनाक! हमारी एफबीआई की दस सबसे वांटेड भगोड़ों में से एक भदरेश कुमार चेतनभाई पटेल को ढूंढने में मदद करें। अगर आपके पास पटेल के बारे में कोई जानकारी हो तो कृप्या एफबीआई से संपर्क करें। वह अपनी पत्नी की हिंसक तरीके से हत्या के आरोप में वांटेड है। एफबीआई को एक भारतीय युवक की तलाश है, जिसके ऊपर अपनी पत्नी की बर्बरतापूर्ण हत्या करने का आरोप लगा है। वह लगातार फरार चल रहा है। एफबीआई को भगोड़े भदरेशकुमार चेतनभाई पटेल की तलाश है। उसे अब एफबीआई की मोस्ट वांटेड 10 भगोड़ों की सूची में शामिल कर लिया गया है। भदरेशकुमार पटेल गुजराती मूल का युवक है। आरोप है कि उसने 12 अप्रैल 2015 को अपनी पत्नी पलक को मैरीलैंड के हैनोवर स्थित डंकिन डोनट्स की दुकान में रात की शिफ्ट के दौरान मारा। यह घटना बहुत ही क्रूर थी। ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों के रिश्ते ठीक नहीं थे। रिपोर्टों के अनुसार, पटेल ने अपनी पत्नी पर किचन के चाकू से कई बार हमला किया। यह भयानक हत्या ग्राहकों के सामने ही हुई थी। दुकान के सीसीटीवी कैमरे ने इसे कैद कर लिया।रिपोर्टों के अनुसार, पलक भारत लौटने की योजना बना रही थी। दोनों के वीजा समाप्त होने में कुछ समय रह गया था। पलक अमेरिका में रहने के खिलाफ थी। वहीं, भदरेशकुमार अमेरिका में ही रहना चाहता था। इस विवाद के कारण दोनों के बीच कई बार बहस हुई थी।भदरेशकुमार अपनी पत्नी की हत्या के बाद से फरार है। अप्रैल 2015 में बाल्टीमोर में एक अमेरिकी जिला कोर्ट ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

अमेरिका ने संघर्ष विराम पर मुहर लगाई नेतन्याहू बोले- अभी समझौता पूरा नहीं हुआ

तेलअवीव। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार देर रात कहा है कि हमास के साथ संघर्ष विराम समझौता अभी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा है कि इसे अंतिम रूप देने पर काम किया जा रहा है। नेतन्याहू के इस बयान से कुछ घंटे पहले ही अमेरिका और कतर ने समझौते की घोषणा की थी। समझौते की घोषणा के बाद फिलिस्तीन के हजारों लोग सड़कों पर उतरे थे और खुशियां भी मनाई। गौरतलब है कि यह समझौता गाजा में 15 महीने से चल रही जंग को रोकने और बड़ी संख्या में बंधकों के रिहा होने का रास्ता साफ करेगा। बता दें कि बीते 15 महीने से जारी इस जंग में अब तक 46000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं गाजा की 90 फीसदी आबादी विस्थापित हो चुकी है। इजराइल ने 7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर बड़े हमले के बाद गाजा पर आक्रमण शुरू किया था। इस हमले में 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि नेतन्याहू ने स्पष्ट रूप से नहीं बताया है कि वह कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल सानी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा कुछ घंटे पहले घोषित समझौते को स्वीकार करते हैं या नहीं। नेतन्याहू ने एक बयान में कहा कि वह समझौते का अंतिम ब्योरा पूरा होने के बाद ही औपचारिक प्रतिक्रिया जारी करेंगे।

बाइडेन ने कहा-अलविदा, मेरी बात याद रखना, विदाई भाषण में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कुलीनतंत्र के विस्तार के लिए चेताया

वाशिंगटन, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को अपने विदाई भाषण में देशवासियों को कुलीनतंत्र के विस्तार से सावधान रहने का आह्वान किया। उन्होंने अलविदा करते हुए इस मौके पर अपने पांच दशक के राजनीतिक जीवन की उपलब्धियों को भी गिनाया।

राष्ट्रपति बाइडेन ने ओवल कार्यालय से देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में अति धनवानों का एक कुलीनतंत्र उभर रहा है। यह कब अनियंत्रित हो जाएं कुछ पता नहीं। यह सत्ता के भूखे लोग हैं।वह इसके लिए खतरनाक स्थिति तक जा सकते हैं। उन्होंने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप से लोकतांत्रिक आदर्शों और संस्थानों के संरक्षण की उम्मीद जताई।

उन्होंने कहा कि अमेरिका को सबसे अधिक खतरा धन, शक्ति और प्रभाव के त्रिकोणीय कुलीनतंत्र से है। यह सचमुच पूरे लोकतंत्र, बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खतरा है। बाइडेन ने कुलीनतंत्र की चर्चा में ट्रंप का नाम नहीं लिया। मगर उनकी टिप्पणी सीधे उनके भावी प्रशासन और एलन मस्क जैसे अरबपति पर थी।

बाइडेन ने कहा कि अमेरिकियों को सत्ता के दुरुपयोग को बढ़ावा देने वाली गलत सूचना और दुष्प्रचार के ढेर के नीचे दफनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा उन्होंने अपने कार्यकाल में लोकतंत्र को सर्वोपरि रखा। जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में काम किया। उन्होंने कहा, इन सबके केंद्र में 50 साल रहने के बाद मैं जानता हूं कि अमेरिका के विचार में विश्वास करने का मतलब उन संस्थानों का सम्मान करना है जो एक स्वतंत्र समाज को संचालित करते हैं। बाइडेन ने सर्वोच्च न्यायालय के लिए कार्यकाल सीमा और नैतिकता में सुधार और कांग्रेस के सदस्यों को स्टॉक ट्रेडिंग से प्रतिबंधित करने का आह्वान किया। बुधवार रात अपने संबोधन से कुछ घंटे पहले बाइडेन ने यह घोषणा करके जश्न मनाया कि यह उनकी विदेश नीति की एक बड़ी उपलब्धि होगी कि इजराइल और हमास ने गाजा में संघर्ष विराम के उनके प्रस्तावित समझौते को स्वीकार कर लिया है।

इस मौके पर बाइडेन ने स्वीकार किया कि उनकी कई नीतियां अमेरिकियों के साथ तालमेल बिठाने में विफल रही हैं। मगर हमने मिलकर जो कुछ किया है उसका पूरा प्रभाव महसूस करने में समय लगेगा। बीज बोए गए हैं और वे बड़े होंगे और वे आने वाले दशकों तक खिलते रहेंगे।

बांग्लादेश हाईकोर्ट ने उल्फा नेता परेश बरुआ की उम्रकैद की सजा को घटाकर 14 साल किया

ढाका। बांग्लादेश हाईकोर्ट ने उल्फा नेता परेश बरुआ को लेकर बुधवार को अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने उनके आजीवन कारावास की सजा को घटाकर 14 साल कर दिया है। इससे पहले कोर्ट ने उनकी मौत की सजा को रद्द कर दिया था और उसे आजीवन कारावास में बदल दिया था। अटॉर्नी जनरल के ब्यूरो के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश हाईकोर्ट ने दो दशक पहले असम में अलगाववादी समूह के ठिकानों पर हथियारों से भरे ट्रकों की तस्करी करने के प्रयास के सिलसिले में उल्फा नेता परेश बरुआ की उम्रकैद की अवधि को 14 साल कर दिया है। साथ ही चार बांग्लादेशियों की आजीवन कारावास की सजा को माफ कर दिया है। हाईकोर्ट ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के पूर्व गृह राज्य मंत्री लुत्फुज्जमां बाबर और पांच अन्य को बरी कर दिया, जिन्हें इसी मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। पीठ ने अन्य तीन आरोपियों की अपील को भी समाप्त घोषित कर दिया, क्योंकि उनकी मृत्यु हो गई थी। बतादें कि अप्रैल 2004 में ट्रक भर हथियार जब्त किए गए थे, जिन्हें चटगांव के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत में उल्फा के ठिकानों पर ले जाया जा रहा था। जब्त किए गए हथियारों में 27,000 से अधिक ग्रेनेड, 150 रॉकेट लांचर, 11 लाख से अधिक गोला-बारूद, 1,100 सब मशीन गन और 11.41 मिलियन गोलियां शामिल थीं। इसी मामले में कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

आतंकी घुसपैठ को लेकर पाकिस्तान ने भारत के आरोपों को किया खारिज

इस्लामाबाद, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

जनरल द्विवेदी ने आरोप लगाया था पड़ोसी देश कश्मीर में भेज रहा आतंकी

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पिछले दिनों दावा किया कि भारत प्रशासित कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान से आतंकवादियों की घुसपैठ हो रही है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने भारतीय सेनाध्यक्ष के इस बयान की कड़ी निंदा की है। उनके और से बयान में कहा गया है कि 13 और 14 जनवरी को भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना प्रमुख द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों और दावों को पाकिस्तान ख़ारिज करता है। बता दें जनरल द्विवेदी ने आरोप लगाया था कि उनका पड़ोसी देश अब भी कश्मीर में आतंकवादियों को भेज रहा है।उन्होंने दावा किया था कि साल 2024 में मारे गए 73 आतंकियों में से 60 फ़ीसदी पाकिस्तानी थे, जबकि मौजूदा समय में सक्रिय 80 फीसदी या इससे ज्यादा आतंकी पाकिस्तानी हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस बारे में एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान भारतीय रक्षा मंत्री और चीफ़ ऑफ़ आर्मी के निराधार आरोपों को ख़ारिज करता है।

बयान में यह भी कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विवादित क्षेत्र है, जिसकी अंतिम स्थिति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के मुताबिक तय की जानी है। इस संदर्भ में, भारत के पास जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के क्षेत्रों पर काल्पनिक दावे करने का कोई कानूनी या नैतिक आधार नहीं है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय नेतृत्व की इस तरह की बयानबाज़ी से दुनिया का ध्यान जम्मू-कश्मीर में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन और भारत की अवैध कार्रवाइयों से नहीं हट सकता। ये उपाय कश्मीरी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए वैध और निष्पक्ष संघर्ष को दबाते हैं। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान इस बात पर भी ज़ोर देता है कि इस तरह के भड़काऊ बयान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बयान में कहा गया है कि दूसरों के खिलाफ निराधार आरोप लगाने के बजाय, भारत को कारगेट किलिंग्स, तोड़फोड़ के कृत्यों और विदेशी धरती पर राज्य प्रायोजित आतंकवादी साजिशों में अपनी भागीदारी का जवाब देना चाहिए। भारत और पाकिस्तान ने अतीत में तीन बड़े युद्ध लड़े हैं और ऐसे भी कई मौके आए जब दोनों युद्ध के कगार से वापस आए हैं।

इजरायली हवाई हमले

गाजा में फिलिस्तीनी लोग इजरायली हवाई हमले के बाद घरों के मलबे को देखते हुए।

खुलेआम एके-47 से फायरिंग करने वाले वकील के वायरल वीडियो का सच आया सामने

कराची, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वकील की ड्रेस पहने एक शख्स खुलेआम एके-47 से फायरिंग करता दिख रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो पाकिस्तान के लाहौर बार एसोसिएशन के चुनाव का है और फायरिंग करने वाला शख्स सेक्रेटरी पद के लिए चुनाव लड़ रहा है, लेकिन सजग टीम की जांच में इस वीडियो जानी तो खुला राज।

सोशल मीडिया एक्स पर जितेंद्र प्रसाद सिंह शख्स ने यह वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, कि यह जनाब लाहौर बार एसोसिएशन में सेक्रेटरी का चुनाव लड़ रहे हैं। इस वीडियो को 13 लोगों ने रीपोस्ट किया और सैकड़ों बार देखा गया है। जब सजग टीम ने वीडियो के स्क्रीनशॉट को सर्च किया तो पता चला कि यह वीडियो जनवरी 2023 का है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना जनवरी 2023 की है, जब पंजाब प्रांत में लाहौर बार काउंसिल के चुनावों के बाद जीत का जश्न मनाने के लिए कुछ वकीलों ने हर्ष फायरिंग कर रहे थे।

मामले में मुख्य आरोपी वकील उमर गौरी के रुप में हुई थी। फायरिंग के बाद लाहौर के इस्लामपुरा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और उनका प्रैक्टिसिंग लाइसेंस सस्पेंड कर दिया था। इस घटना के वीडियो सामने आने के बाद पंजाब बार काउंसिल ने अगले बार चुनाव स्थगित कर दिए। कई संगठनों और व्यक्तियों ने घटना की कड़ी निंदा की थी।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में किया जा रहा दावा झूटा और भ्रामक है। यह वीडियो लाहौर बार एसोसिएशन के सेक्रेटरी चुनाव का नहीं, बल्कि जनवरी 2023 में लाहौर बार काउंसिल चुनाव के बाद की घटना का है। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा चुकी है। सोशल मीडिया पर किसी भी सामग्री को शेयर करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें। भ्रामक पोस्ट समाज में अफवाह फैलाने और अशांति का कारण बन सकती हैं।

जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन ने लॉन्च किया नया रॉकेट न्यू ग्लेन

वाशिंगटन, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेजन के मालिक जेफ बेजोस की अंतरिक्ष कंपनी ब्लू ओरिजिन ने गुरुवार सुबह फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से अपने नए रॉकेट न्यू ग्लेन को लॉन्च किया। न्यू ग्लेन ने सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर उपग्रह स्थापित किया। इस सफलता पर ब्लू ओरिजिन के कर्मचारियों ने तालियां बजाईं।

ब्लू ओरिजिन की इस उपलब्धि के समय संयुक्त राज्य अमेरिका में अधिकांश लोग सो रहे थे। न्यू ग्लेन की सफल उड़ान निजी अंतरिक्ष कंपनियों और सरकारी एजेंसियों के लिए एक नया विकल्प बनाती है। यह संभावित रूप से एलन मस्क के स्पेसएक्स को चुनौती देगी। हालांकि रॉकेट का बूस्टर अटलांटिक महासागर में कंपनी के तैरते लॉन्चिंग पैड पर नहीं उतर सका। ब्लू ओरिजिन ने इस पर कहा कि हमारा पहला उद्देश्य परीक्षण उपग्रह को कक्षा में पहुंचाना था।

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने बड़ी धनराशि और वर्षों की मेहनत के बाद न्यू ग्लेन रॉकेट को तैयार किया है। इस रॉकेट का नाम पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले प्रथम अमेरिकी न्यू ग्लेन के नाम पर रखा गया है। दूसरे चरण में इसे बाहर की कक्षा में रहने के लिए सुरक्षित स्थिति में रखा गया। ब्लू ओरिजिन के लॉन्च कमेंटेटर एरियन कॉर्नेल ने कहा कि शानदार दिन। पहले इसका प्रक्षेपण सोमवार को किया जाना था। कुछ तकनीकी समस्या के के कारण आखिरी समय में इसे टालना पड़ गया था। इस रॉकेट का निर्माण अंतरिक्ष यान और अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा और चंद्रमा तक ले जाने के लिए किया गया है। जेफ बेजोस ने 25 साल पहले ब्लू ओरिजिन कंपनी की स्थापना की थी। यह कंपनी 2021 से अंतरिक्ष के किनारे तक यात्रियों को भेज रही है।

जेफ बेजोस का नया रॉकेट न्यू ग्लेन ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड रॉकेट की तुलना में पांच गुना लंबा है। ब्लू ओरिजिन ने न्यू ग्लेन के लॉन्च साइट में एक बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। यह लॉन्चिंग पैड कंपनी के नियंत्रण केंद्रों और रॉकेट फैक्टरी से 9 मील (14 किलोमीटर) दूर नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के गेट के बाहर है। लॉन्चिंग कार्यक्रम में बेजोस ने कहा कि वह ब्लू ओरिजिन को एलन मस्क के स्पेसएक्स के साथ प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं देखते हैं। ब्लू ओरिजिन ने इस वर्ष छह से आठ न्यू ग्लेन उड़ानें शुरू करने की योजना बनाई है। कंपनी ने कहा कि अगली उड़ान इसी वसंत में शुरू होगी। बेजोस ने कहा कि यह अंतरिक्ष युग के नए चरण की शुरुआत है।

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

बेहद दिलचस्प है नील नितिन मुकेश के नामकरण की कहानी

लता मंगेशकर ने क्यों दिया था ये नाम

बॉलीवुड अभिनेता नील नितिन मुकेश आज 43 साल के हो गए हैं। फिल्मों में अपनी नकारात्मक भूमिकाओं के लिए मशहूर अभिनेता आज अपना 43वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। नील ने श्रीराम राघवन की 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'जॉनी गद्दार' से अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि फिल्म ने अच्छी कमाई नहीं की, लेकिन नील नितिन मुकेश के अभिनय को खूब सराहा गया। आज नील नितिन मुकेश के जन्मदिन पर आपको उनके बारे में दिलचस्प बातें बताते हैं।

चाइल्ड एक्टर के तौर पर किया था डेब्यू

नील नितिन मुकेश बॉलीवुड इंडस्ट्री के एक नामी खानदान से आते हैं। वो दिग्गज सिंगर मुकेश के पोते और सिंगर नितिन मुकेश के बेटे हैं। नील खुद अपने नाम के आगे पिता और दादा का नाम लगाते हैं। उन्होंने बतौर चाइल्ड एक्टर अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना की फिल्म से अपना करियर शुरू किया था। इस फिल्म में ऋषि कपूर, अनिल कपूर, अनुपम खेर, हेमा मालिनी और मीनाक्षी शेषाद्रि जैसे कलाकार भी नजर आए थे।

किसके नाम पर रखा गया नील नितिन मुकेश का नाम?

क्या आप जानते हैं कि नील नितिन मुकेश को उनका नाम चांद पर उतरने वाले पहले व्यक्ति नील आर्मस्ट्रांग के नाम पर मिला है? दिलचस्प बात यह है कि उनका नाम स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने रखा था, जो अक्सर नील के गायक दादा मुकेश के साथ काम करती थीं। अभिनेता ने 2017 में रुक्मिणी सहाय के साथ शादी की और बेटी नूरवी का स्वागत किया। अपने व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बीच, अभिनेता अपने प्रियजनों के साथ क्वालिटी टाइम बिताना कभी नहीं भूलते।

असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम किया

सिर्फ चाइल्ड आर्टिस्ट ही नहीं, नील नितिन मुकेश ने अपने करियर में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम किया। नील नितिन ने अपने करियर में 11 फ्लॉप और 3 सफल फिल्में दी हैं। अब वह गिनी-चुनी फिल्मों में ही नजर आते हैं,लेकिन इसके बाद भी वह लग्जरी लाइफ जीते हैं। लग्जरी के मामले में वह बॉलीवुड के किसी सफल स्टार से पीछे नहीं हैं। उनकी अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो अब वह 'हिसाब बराबर' में नजर आएंगे, जो 2025 में रिलीज होगी। हालांकि, इसे लेकर अब तक कोई नई अपडेट सामने नहीं आई है।

इन फिल्मों में निभाई विलेन की भूमिका

नील नितिन मुकेश ने 2007 में बतौर लीड एक्टर अपना डेब्यू किया। वह 'जॉनी गद्दार' में बतौर लीड एक्टर नजर आए, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसे कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला। इसके बाद वह 'प्लेयर्स', 'वजीर', 'गोलमाल अगेन' और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी फिल्मों में अपनी खलनायक की भूमिकाओं से दर्शकों के दिल जीते। नील अगली बार प्रभास स्टारर 'साहो' में भी नजर आए और एक बार फिर खलनायक के रोल से दर्शकों को हैरान किया।

अनुष्का शेट्टी की घाटी से विक्रम प्रभु का पहला लुक जारी

साउथ अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की आने वाली फिल्म घाटी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फैंस लगातार फिल्म से जुड़ी नई जानकारियां पाने के लिए उत्सुक हैं। पहले ही फिल्म से अनुष्का शेट्टी की झलकियां सामने आ चुकी हैं, जिसमें अभिनेत्री का दमदार अवतार नजर आया था। वहीं, अब फिल्म में मुख्य

नायक का किरदार निभाने वाले अभिनेता विक्रम प्रभु का भी लुक निर्माताओं ने जारी कर दिया है।फिल्म में विक्रम प्रभु, अनुष्का शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आज विक्रम का जन्मदिन भी है और इसे खास बनाने के लिए घाटी के निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता का पहला लुक जारी कर दिया है। विक्रम फिल्म में देसी राजू के रूप में नजर आएंगे। पोस्टर में विक्रम कैमरे की ओर देखते हुए धांसू लुक में नजर आ रहे हैं।कृष अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के कलाकारों को शामिल करने के लिए जाने जाते हैं और विक्रम का घाटी में शामिल होना काफी चौंकाने वाला है। प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह फिल्म में किस तरह का किरदार निभाएंगे। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के टीजर ने पहले ही कई लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है।निर्माता वामसी कृष्ण रेड्डी, प्रमोद उप्पलापति, वाई राजीव रेड्डी और जे साई बाबू ने यूवी क्रिएशन्स और फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट्स के लेबल के तहत घाटी का निर्माण किया। निर्माताओं ने मार्च 2024 में घाटी के लिए एक घोषणा की थी और लिखा, बदला, मोचन और प्रतिशोध की एक मनोरंजक कहानी, जहां एक पीड़ित अपराधी बन जाती है और लीजेंड का दर्जा प्राप्त करती है।

सनी देओल की 39 साल पुरानी अर्जुन फिल्म

जिसमें बिना किसी वीएफएक्स और एडिटिंग के 1000 लोगों को किया गया 2000

आज का एक्शन सिनेमा वीएफएक्स पर डिपेंड है। 21वीं सदी में धड़ल्ले से रिलीज हो रहीं एक्शन फिल्मों में वीएफएक्स की भरमार है। लेकिन 90 के दशक में सनी देओल अपनी मारधाड़ वाली फिल्मों से मशहूर थे। इसमें में घातक, घायल और दामनी जैसे ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं, जिसमें खूब एक्शन देखा गया था। इसी दौरान सनी देओल की एक और एक्शन ड्रामा फिल्म रिलीज हुई थी, जिसमें ना तो कोई वीएफएक्स और ना ही कोई टेक्निक का इस्तेमाल हुआ था, फिर भी 1000 लोगों को 2000 हजार में बदल दिया था।

आज के दौर की एक्शन फिल्मों में वीएफएक्स के जरिए एक से हजार लोगों को लाइन में खड़ा किया जा सकता है। वहीं, साल 1985 में रिलीज हुई फिल्म 'अर्जुन' के लिए डायरेक्टर को खूब माथापच्ची करनी पड़ी थी। इस फिल्म का बजट महज 1.5 करोड़ रुपये था और डायरेक्टर को एक बारिश का सीन शूट करना था। इस सीन में डायरेक्टर को छाता पकड़े लोगों की भीड़ दिखानी थी, लेकिन जब कोई वीएफएक्स जैसी कोई टेक्निक नहीं थी। वहीं, डायरेक्टर को इस सीन को शूट करने में दो दिनों का समय लगा। वो इसलिए क्योंकि सनी देओल शूट के दौरान बार-बार इन छातों के बीच फंस जाते थे।

फिर किस टेक्निक का किया इस्तेमाल?

इस सीन में लोगों के चेहरे भी नहीं दिखाने थे। ऐसे में डायरेक्टर ने 1000 लोगों के हाथ में दो-दो छाते पकड़ा दिए, जिससे ये 2000 नजर आने लगे। इसके बाद इस सीन को बड़ी मशक्कत के बार पूरा कर लिया गया। इस सीन में सत्यजीत पुरी को गुंडों पर हमला करना होता है और उन्हें अपनी जान बचाकर भागना है। शॉट्स में बारिश दिखानी थी, लेकिन कैमरे पर पानी की वजह से सीन हो नहीं रहा था, इसी कारण शूटिंग रोकनी पड़ी। वहीं, दो-दो छाता लिए खड़े लोगों की आंखों में छातों का कोना लग रहा था। गौरतलब है कि अर्जुन की कहानी जावेद अख्तर ने अखबार की एक खबर से प्रेरित होकर लिखी थी।

34 साल बड़े एक्टर संग फूहड़ डांस स्टेप्स, ट्रोल हुई उर्वशी

उर्वशी रौतेला इन दिनों अपने गाने 'दबीड़ी-दबीड़ी' के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं। 'डाकू महाराज' का ये गाना और उर्वशी कई वजहों से चर्चा में है। पहली वजह तो अभिनेत्री की नंदमुरी बालकृष्ण संग पेयरिंग, दोनों की उम्र में 34 साल का अंतर है और दूसरा गाने के स्टेप्स। दबीड़ी-दबीड़ी के डांस स्टेप्स देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि ये देखने में काफी फूहड़ और अश्लील लग रहे हैं। गाने को लेकर लगातार हो रही ट्रोलिंग पर अब उर्वशी रौतेला ने भी प्रतिक्रिया दी है। उर्वशी रौतेला ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये उनके लिए काफी अलग अनुभव था। इसी के साथ एक्ट्रेस ने इसे कला के प्रति अपना समर्पण बताया है।

ट्रोलिंग पर क्या बोलीं उर्वशी रौतेला?

उर्वशी रौतेला ने 'दबीड़ी-दबीड़ी' पर हुई ट्रोलिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा- 'सफलता के साथ-साथ आलोचना मिलना तय है। मैं समझती हूं कि ये चर्चाएं और लोगों की राय इस जर्नी का हिस्सा हैं। नंदमुरी गारू के साथ डांस के संबंध में, मैं किसी भी परफॉर्मेंस के साथ आने वाले दृष्टिकोण की डायवर्सिटी का सम्मान करती हूं। उनके जैसे दिग्गज के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी और यह अनुभव सहयोग, आपसी सम्मान और कला के प्रति जुनून का था।'

उर्वशी ने आगे कहा- 'नंदमुरी सर के साथ डांस मेरे लिए सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं थी। ये आर्ट, हार्ड वर्क का सेलिब्रेशन था और क्राफ्ट के लिए रिस्पेक्ट थी। उनके साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा था। गाने का हर स्टेप, हर गेस्चर कुछ नया और खूबसूरत बनाने के उद्देश्य से शामिल किया गया था।'उर्वशी रौतेला ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह 'डाकू महाराज' की सक्सेस पार्टी में नंदमुरी बालकृष्ण के साथ दबीड़ी-दबीड़ी पर डांस करती नजर आई थीं। इस वीडियो में नंदमुरी को डांस करते देख कई जगह पर उर्वशी अन्कम्फर्टेबल लग रही थीं। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इस पर कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा- 'उर्वशी साफ तौर पर अन्कम्फर्टेबल लग रही हैं, ये उनके पूरे चेहरे पर साफ लिखा है।' एक अन्य ने लिखा- 'ये बिलकुल भी फनी नहीं था। इस तरह से एक्ट मत करिए सर, उर्वशी आपकी बेटी जैसी है।'

आमिर-सैफ और सलमान की हीरोइन रह चुकी खूबसूरत एक्ट्रेस

प्रतिभा सिन्हा का कैसे तबाह हुआ करियर ?

माला सिन्हा अपने समय में कई हिट फिल्मों में नजर आईं। 11 नवंबर, 1936 में जन्मी माला नेपाली-भारतीय हैं। उन्होंने हिन्दी के अलावा बंगला और नेपाली फिल्मों में भी काम किया। वह अपनी टैलेंट और ब्यूटी के दम पर उस दौर में कई बड़े स्टार की हीरोइन बनीं। वह 1950 से लेकर 1970 तक फिल्मों में एक्टिव रहीं। उन्होंने सौ से अधिक फिल्मों में काम किया, इनमें से कुछ है- प्यासा (1957), धूल का फूल (1959), अनपढ़, दिल तेरा दीवाना (1962), गुमराह, बहुरानी, गहरा दाग़ (1963), हिमालय की गोद में (1965)। वह अधिकतर धर्मेन्द्र, राज कुमार, राजेन्द्र कुमार, बिस्वजीत, किशोर कुमार, मनोज कुमार और राजेश खन्ना के साथ अपोजिट नजर आईं।

उनकी एक बेटी है प्रतिभा सिन्हा (झीरींळलहर डळपहर) है। प्रतिभा भी बेहद खूबसूरत दिखती हैं। उन्होंने भी अपनी मां की तरह ही बॉलीवुड में करियर बनाना चाहा और कुछ फिल्मों में दिखीं भी। हालांकि माला सिन्हा की बेटी प्रतिभा पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ को बैलेंस नहीं कर पाई और कुछ ही फिल्मों के बाद वह पर्दे से गायब हो गईं। प्रतिभा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही संगीतकार नदीम सैफी के प्यार में पड़ गई। माला सिन्हा इस रिश्ते के खिलाफ थी और इसका बड़ा कारण यह था की नदीम पहले से शादीशुदा थे। उस दौरान नदीम और प्रतिभा के रिश्ते को सुर्खियों में रहे। माला सिन्हा अपनी बेटी प्रतिभा पर बंदिशें लगाती तो वह नदीम से छुप- छुप कर मिलती। बाद में प्रतिभा ने नदीम पर किडनैपिंग का आरोप लगा दिया। वहीं नदीम ने एक इंटरव्यू में कहा कि मां और बेटी मिलकर उनके साथ गेम खेल रही हैं। यह सबके बाद प्रतिभा ने इंडस्ट्री और मीडिया से दूरी बना ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रतिभा अपनी मां माला सिन्हा के साथ मुंबई के बांद्रा स्थित घर में रहती है।

प्रतिभा ने 1992 में आई फिल्म 'महबूब मेरे महबूब'से डेब्यू किया था। इसके बाद प्रतिभा 'दिल है बेताब', 'मिलिट्री राजा', 'तू चोर मैं सिपाही', 'कल की आवाज', 'पोकिरी राजा'में दिखीं। वहीं 1996 में आई आमिर खान की सुपरहिट फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' में वह एक स्पेशल डांस में दिखी, जिसे काफी पसंद किया गया था। आखिरी बार वह 2000 में आई फिल्म 'ले चल अपने संग' में वह नजर आईं।

करीना-करिश्मा से जरा भी कम नहीं हैं उनकी कजिन शायरा कपूर

हिंदी सिनेमा में कपूर फैमिली के स्टार शशि कपूर ने अपने फिल्मी करियर में एक से एक हिट फिल्म दी है। शशि कपूर फैमिली में सबसे हैंडसममैन कहे जाते थे। साल 1958 में शशि कपूर ने विदेशी जेनिफर केंडल से शादी रचाई थी। इस शादी से उन्हें तीन बच्चे कुणाल, करण और संजना कपूर हुए थे। वहीं, शशि के बेटे कुणाल कपूर के बच्चे ही बॉलीवुड में एक्टिव हैं, जिसमें जहान और शायरा कपूर का नाम शामिल है। शशि कपूर के यही दोनों पोते-पोती ही बॉलीवुड में काम कर रहे हैं। हाल ही में शशि कपूर के पोते जहान कपूर की एक नेटफ्लिक्स सीरीज ब्लैक वारंट आई है, जिसकी स्क्रीनिंग पर पूरा कपूर खानदान नजर आया था। वहीं, बात करेंगे, शशि कपूर की पोती शायरा कपूर की जो करीना और करिश्मा की तरह खूबसूरत हैं।

बता दें, शशि कपूर के बड़े बेटे करण कपूर लंदन में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहते हैं और इनका फिल्म इंडस्ट्री से कोई लेना देना नहीं है। वहीं, शशि कपूर की बेटी संजना कपूर का बेटा हमीर थापर एक राइटर हैं, लेकिन जहान और शायरा अपने दादा शशि कपूर की विरासत को फिल्म इंडस्ट्री में आगे बढ़ाना चाहते हैं। शायरा फिलहाल अपनी निजी लाइफ को पर्दे में रखती हैं और इंस्टाग्राम पर उनके बस 10।9 हजार फॉलोअर्स हैं। शायरा बस अपने काम की डिटेल सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। वहीं, जब जहान ने फैमिली के साथ एक तस्वीर पोस्ट की तो उसमें शायरा भी थी, जहां उनकी खूबसूरती पर लोगों का ध्यान गया। वहीं, शायरा की मां शीना सिप्पी भी उनकी खूबसूरत फोटो शेयर करती रहती हैं।

शायरा कपूर ने कहां-कहां किया काम

शायरा कपूर ने यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स लंदन से आर्ट एंड डिजाइन में फाउंडेन डिप्लोमा लिया है। बता दें, शायरा की मां शोले के डायरेक्टर रमेश सिप्पी की बहन हैं। ऐसे में साल 2012 में शायरा ने रमेश सिप्पी के फिल्म प्रोडक्शन में बतौर आर्ट डायरेक्टर काम शुरू किया। इसके बाद शायरा ने पृथ्वी थिएटर, फैंटम फिल्म्स, यंग विस, रेबल हॉस्पिटैलिटी, एलिप्सिस एंटरटेनमेंट और एक्सेल एंटरटेनमेंट के लिए काम किया। वह, शूटिंग सेट डेकोरेटर भी हैं। बतौर आर्ट डायरेक्टर शायरा का काम उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिखता है। वहीं, कहना गलत नहीं होगा कि वह अपने दिवंगत स्टार दादा शशि कपूर की विरासत को अलग दिशा में ले जाएंगी।

गंगा नदी में स्नान करने से जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष की प्राप्ति मिलती है

स्नान से पहले ध्यान रखें यह नियम

ऐसा कहा जाता है कि गंगा में डुबकी लगाने मात्र से इंसान के सारे पाप धुल जाते हैं। साथ ही वह मृत्यु के बाद जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष की प्राप्ति करता है। कई विशेष अवसरों पर जैसे पूर्णिमा, गंगा दशहरा और अमावस्या आदि पर गंगा स्नान का महत्व औप भी बढ़ जाता है।

फिलहाल महांकुभ चल रहा है, जहां रोजाना लाखों श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने के लिए पंहुच रहे हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि गंगा नदी में स्नान के दौरान आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

स्नान से पहले करें ये काम

गंगा नदी में प्रवेश करने से पहले गंगा मैया का दर्शन करें और उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम करें। गंगा माता पूजनीय मानी जाती है। ऐसे में नदी में सबसे पहले अपना पैर नहीं डालने चाहिए। नदी में प्रवेश करने से पहले गंगाजल को हाथ में लेकर इसे अपने माथे से लगाएं और इसके बाद स्नान शुरू करें।

करें इस मंत्र का जाप

गंगा स्नान के दौरान आपको कम-से-कम 3, 5 या 7 बार डुबकी लगानी चाहिए। ऐसा करना काफी शुभ मना जाता है। इसी के साथ आप स्नान के समय इस मंत्र का जप भी कर सकते हैं, जिससे आपको गंगा मैया की असीक कृपा प्राप्त हो सकती है ।

गंगा पापं शशी तापं दैन्यं कल्पतरुस्तथा। पापं तापं च दैन्यं च हन्ति सज्जनसङ्गमः।।

भूल से भी न करें ये गलती

गंगा स्नान के दौरान भूल से भी साबुन, शैम्पू आदि का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और न ही गंगा में किसी तरह की गंदगी डालनी चाहिए। ऐसा करने से गंगा माता आपसे नाराज हो सकती हैं। इसी के साथ गंगा स्नान के बाद शरीर को कपड़े से न पोंछे, बल्कि इसे धूप में सूखने दें।

वहीं महिलाओं को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि मासिक धर्म के दौरान गंगा स्नान न करें। इन सभी बातों का ध्यान न रखा जाए, तो इससे आपको गंगा स्नान का पूर्ण फल नहीं मिलता।

नहीं जा पा रहे महाकुंभ, तो घर पर ही इस तरह प्राप्त करें गंगा स्नान का लाभ

गंगा नदी में स्नान करने का महत्व तो माना ही गया है, लेकिन महाकुंभ के दौरान इसकी मान्यता और भी बढ़ जाती है। 144 साल में लगने के कारण महाकुंभ अपने आप में एक विशेष महत्व रखता है। माना जाता है कि महाकुंभ के दौरान गंगा में स्नान करने से साधक के सभी पाप दूर होते हैं और मृत्यु के बाद वह जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो मोक्ष को प्राप्त करता है।

जरूर करें ये काम

आप घर पर ही गंगा स्नान का पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए ब्रह्म मुहूर्त, जो सूर्योदय से लगभग 1 घंटा 36 मिनट पहले का समय होता है, में स्नान करना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले पानी में गंगाजल मिलाएं और मन में गंगा मैया का स्मरण करते हुए स्नान करें। स्नान के दौरान हर हर गंगे का जप करते रहें।

इसी के साथ आप अपने घर के आसपास किसी पवित्र नदी में भी स्नान कर सकते हैं। स्नान के दौरान आप इस मंत्र का जप कर सकते हैं, जिसका अर्थ है 'हे नर्मदा, सिंधु और कावेरी; कृपया आप इस जल में उपस्थित हो और इस जल को पवित्र बनाएं।' मंत्र इस प्रकार है।

मिलेगी असीम कृपा

उपरोक्त विधि से स्नान करने के बाद पवित्र ग्रंथों जैसे भगवद गीता, रामायण, शिव पुराण आदि का पाठ करें या सुनें। इसी के साथ आप शाही स्नान की तिथियों पर आप घर पर ही पूरे दिन का व्रत रख सकते हैं। इससे भी साधक को जीवन में अच्छे परिणाम मिलते हैं।

करें इन चीजों का दान

महाकुंभ में दान करने से भी साधक को शुभ फलों की प्राप्ति होती है। ऐसे में आप घर पर ही गरीबों और जरूरतमंद लोगों को स्नान के बाद भोजन, कपड़े धन और अन्य जरूरी चीजें दान कर सकते हैं।

ध्यान रखें ये बातें

इस बात का खासतौर से ध्यान रखें कि अमृत स्नान का पुण्य प्राप्त करने के लिए नहाते समय साबुन, डिटर्जेंट और शैम्पू का इस्तेमाल न करें। इसी के साथ पवित्र स्नान करने के बाद प्याज, लहसुन और तामसिक भोजन से दूरी बनाएं। इसके अलावा, शारीर के साथ-साथ अपने विचारों को भी शुद्ध रखें।

महाकुंभ जाने वाले भूलकर भी न करें ये पांच काम, मिल सकते हैं बुरे परिणाम

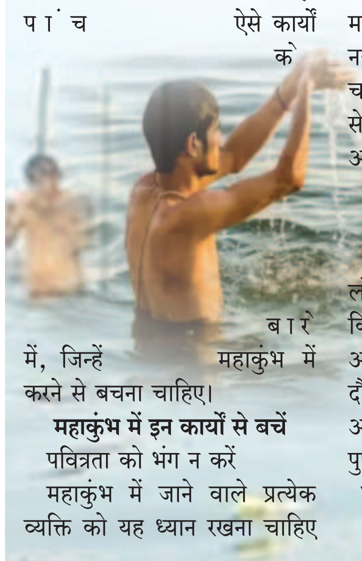

इस पवित्र मेले में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। महाकुंभ आध्यात्म, स्नान, दान, और पुण्य का महोत्सव है, जो विशेष नियमों का पालन करने पर ही सफल माना जाता है। यदि कोई इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो वह पुण्य के बजाय पाप का भागी बन सकता है। पांच ऐसे कार्यों के बारे में, जिन्हें महाकुंभ में करने से बचना चाहिए।

महाकुंभ में इन कार्यों से बचें

पवित्रता को भंग न करें

महाकुंभ में जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यह ध्यान रखना चाहिए कि वह ऐसा कोई कार्य न करे, जिससे मेले की पवित्रता पर असर पड़े। इस आयोजन का उद्देश्य सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर ईश्वर की निकटता का अनुभव करना है।

आत्मसंयम और शुद्ध मन बनाए रखें

महाकुंभ में शामिल होने वाले लोगों को आत्मसंयम और मानसिक पवित्रता का पालन करना चाहिए। मन में द्वेष, घृणा, लोभ, या अन्य नकारात्मक भावनाएं नहीं होनी चाहिए। झूठ, चोरी, और अपशब्दों से बचें, क्योंकि ऐसा करने से आध्यात्मिक लाभ नहीं मिलता।

किसी को आर्थिक नुकसान ना पहुंचाएं

महाकुंभ में शामिल होने वाले लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी वजह से किसी को आर्थिक नुकसान न हो। मेले के दौरान व्यवस्थाओं का सम्मान करें और अपनी क्षमता के अनुसार दान-पुण्य करें।

तामसिक भोजन और वस्तुओं से परहेज करें

महाकुंभ क्षेत्र में सात्विक भोजन को प्राथमिकता दी जाती है। तामसिक वस्तुओं जैसे मांस, मदिरा, लहसुन, और प्याज का सेवन वर्जित है। यह पवित्र आयोजन सात्विक आचरण का पालन करने पर ही सफल माना जाता है।

गंगा स्नान में सावधानी बरतें

गंगा को मोक्षदायिनी और सबसे पवित्र नदी माना जाता है। स्नान के दौरान साबुन, शैंपू, या डिटर्जेंट का उपयोग न करें, क्योंकि इससे नदी की शुद्धता प्रभावित होती है। गंगा में कचरा न डालें और खुले स्थानों पर शौच या पेशाब करने से बचें।

महाकुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर है। इसके नियमों का पालन करके व्यक्ति न केवल पुण्य अर्जित कर सकता है, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह भी कर सकता है।

महाकुंभ से लौटते समय इन चीजों को जरूर लेकर आएं घर, मिलेंगे शुभ फल

प्रयागराज में महाकुंभ का शुभारंभ 13 जनवरी से हो चुका है, और यह 26 फरवरी 2025 तक चलेगा। महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है, जहां लाखों श्रद्धालु, साधु-संत, और पर्यटक त्रिवेणी संगम पर स्नान करने और पुण्य अर्जित करने के लिए आते हैं। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम को हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र स्थान माना गया है। इस आयोजन में डुबकी लगाने से न केवल पापों का नाश होता है, बल्कि जीवन में सकारात्मकता और शांति का संचार भी होता है। महाकुंभ से लौटते समय लोग केवल अध्यात्मिक अनुभव ही नहीं, बल्कि सुख-समृद्धि और आशीर्वाद भी साथ लेकर आते हैं। इस दौरान कुछ विशेष चीजें संगम से लाना शुभ माना जाता है, जो घर में सुख-शांति और समृद्धि का प्रतीक बनती हैं। अगर आप भी संगम जा रहे हैं, तो इन चीजों को जरूर साथ लाएं। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ वस्तुओं के बारे में जिन्हें महाकुंभ से अवश्य लाना चाहिए।

संगम की पवित्र मिट्टी

त्रिवेणी संगम की मिट्टी को अत्यंत पवित्र और शुभ माना जाता है। मान्यता है कि संगम से लाई गई मिट्टी में सकारात्मक ऊर्जा होती है, जो घर के वातावरण को शांतिपूर्ण बनाती है। इसे घर के मुख्य द्वार पर या पूजा स्थल पर रखने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

गंगाजल का महत्व

गंगाजल को हिंदू धर्म में शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना गया है। महाकुंभ के दौरान संगम का जल और भी अधिक पवित्र हो जाता है। इसे घर लाकर पूजा स्थल पर रखने से पारिवारिक कलह समाप्त होती है और घर में शांति और समृद्धि का वास होता है। इसके अलावा, गंगाजल का उपयोग धार्मिक अनुष्ठानों और पूजन में किया जाता है, जिससे आध्यात्मिक उन्नति होती है।

तुलसी के पत्ते

तुलसी का पौधा हर हिंदू परिवार के घर में पाया जाता है। महाकुंभ में तुलसी के पत्तों का महत्व और बढ़ जाता है। यहां से तुलसी के पत्ते लाकर घर में रखने से घर की दरिद्रता दूर होती है और आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। तुलसी को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है, और इसे घर में रखने से सकारात्मकता बनी रहती है।

शिवलिंग और पारस पत्थर

महाकुंभ से शिवलिंग या पारस पत्थर लाना अत्यंत शुभ माना गया है। इसे घर के पूजा स्थल पर स्थापित करने से परिवार में सुख-शांति और सौभाग्य का वास होता है। यह धार्मिक प्रतीक न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि जीवन में आने वाली परेशानियों को भी दूर करता है।

महाकुंभ का आध्यात्मिक महत्व

महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह आत्मा को शुद्ध करने और जीवन में नई ऊर्जा भरने का अवसर भी है। यहां आने वाले श्रद्धालु न केवल स्नान करते हैं, बल्कि संतों के प्रवचनों और धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लेते हैं। महाकुंभ से लाई गई चीजें जीवन में सुख, शांति, और समृद्धि का आशीर्वाद लाती हैं।

संगम की पवित्र मिट्टी

त्रिवेणी संगम की मिट्टी को अत्यंत पवित्र और शुभ माना जाता है। मान्यता है कि संगम से लाई गई मिट्टी में सकारात्मक ऊर्जा होती है, जो घर के वातावरण को शांतिपूर्ण बनाती है। इसे घर के मुख्य द्वार पर या पूजा स्थल पर रखने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

गंगाजल का महत्व

गंगाजल को हिंदू धर्म में शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना गया है। महाकुंभ के दौरान संगम का जल और भी अधिक पवित्र हो जाता है। इसे घर लाकर पूजा स्थल पर रखने से पारिवारिक कलह समाप्त होती है और घर में शांति और समृद्धि का वास होता है। इसके अलावा, गंगाजल का उपयोग धार्मिक अनुष्ठानों और पूजन में किया जाता है, जिससे आध्यात्मिक उन्नति होती है।

तुलसी के पत्ते

तुलसी का पौधा हर हिंदू परिवार के घर में पाया जाता है। महाकुंभ में तुलसी के पत्तों का महत्व और बढ़ जाता है। यहां से तुलसी के पत्ते लाकर घर में रखने से घर की दरिद्रता दूर होती है और आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। तुलसी को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है, और इसे घर में रखने से सकारात्मकता बनी रहती है।

शिवलिंग और पारस पत्थर

महाकुंभ से शिवलिंग या पारस पत्थर लाना अत्यंत शुभ माना गया है। इसे घर के पूजा स्थल पर स्थापित करने से परिवार में सुख-शांति और सौभाग्य का वास होता है। यह धार्मिक प्रतीक न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि जीवन में आने वाली परेशानियों को भी दूर करता है।

महाकुंभ का आध्यात्मिक महत्व

महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह आत्मा को शुद्ध करने और जीवन में नई ऊर्जा भरने का अवसर भी है। यहां आने वाले श्रद्धालु न केवल स्नान करते हैं, बल्कि संतों के प्रवचनों और धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लेते हैं। महाकुंभ से लाई गई चीजें जीवन में सुख, शांति, और समृद्धि का आशीर्वाद लाती हैं।

योग-सृष्टि का सार है

योग सृष्टि का सार है। यह एक परा-विषय है, जिसके दायरे में अन्य सभी विषय और विज्ञान आते हैं। योग अभूतपूर्व विज्ञान है जिसको गुरु के माध्यम से ही अर्जित किया जा सकता है।

योग मात्र आसन या प्राणायाम नहीं अपितु असीम ज्ञान है, जिसे व्यवसाय नहीं बनाया जा सकता। आज कल योग के नाम पर लोगों ने दुकानें खोल ली हैं जहाँ हर समस्या का समाधान बेचा जाता है । कितने ही लोग ऐसे झूठे दावों में फँस कर अपनी जेबें ख़ाली करते हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं की योग अत्यंत प्रभावशाली विज्ञान है और इससे कुछ भी संभव है, किंतु योग के लिए गुरु अनिवार्य हैं । हमारे शास्त्रों में गुरु के लक्षण दिए गए हैं – गुरु वह ऊर्जा है जिसमें योग की आभा साक्षात दिखती है, वे जो बोलते हैं वह हो जाता है, वे सोच मात्र से प्रकटीकरण कर सकते हैं, उनके मंत्र उच्चारण से वातावरण परिवर्तित हो जाता है, उनकी दृष्टि उपचारात्मक होती है, स्पर्श ऊर्जावान होता है। गुरु चमत्कारिक इलाज का वादा नहीं करते बल्कि आपको सूक्ष्म दुनिया का अनुभव कराते हैं और यह सब कुछ बिना किसी शुल्क के । एक योगी अष्टांग योग के पांच यमों में स्थिर होता है, जिनमें से पहला है सत्य। जो कोई भी आपकी समस्याओं को ठीक करने के बड़े-बड़े दावे करता है, वह सच्चाई के पहले चरण में ही फिसल जाता है। तो, मेरा सुझाव है- एक गुरु की तलाश करें, ऐसे गुरु जो आपको वास्तविकता के अनुभव दें ।

– अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

आज संकष्टी चतुर्थी

पूजा के समय मंत्रों का जप करने से कारोबार को मिलेगा नया आयाम

वैदिक पंचांग के अनुसार, 17 जनवरी को संकष्टी चतुर्थी है। यह पर्व हर साल माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर भगवान गणेश और सकट माता की की पूजा की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल पाने के लिए व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से जीवन में व्याप्त हर एक बाधा दूर हो जाती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

ज्योतिषियों की मानें तो माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर सौभाग्य और शिववास योग का संयोग बन रहा है। इन योग में भगवान गणेश की पूजा करने से सौभाग्य में अपार वृद्धि होगी। अगर आप भी भगवान गणेश की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो सकट चौथ के शुभ अवसर पर भक्ति भाव से भगवान गणेश की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय इन मंत्रों का जप करें और पूजा का समापन 'जय गणेश जय गणेश' आरती से करें।

सपने में पार्टनर को देखने से मिलते हैं ये संकेत

सनातन धर्म में स्वप्न शास्त्र को अधिक महत्वपूर्ण माना गया है। इस शास्त्र की मदद से सभी सपनों के अर्थ के बारे में जानकरी प्राप्त होती है। हर व्यक्ति सपने अवश्य देखता है, जो उसके जीवन से जुड़े हुए होते हैं। क्या आपने कभी सपने में पार्टनर को देखा है? स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में पार्टनर को देखने से कई तरह के शुभ और अशुभ संकेत मिलते हैं, लेकिन इस निर्भर करता है कि सपने में पार्टनर को किस अवस्था में देखा है। ऐसे में चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि पार्टनर को सपने में देखने क्या अर्थ है।

पार्टनर का मिल सकता है प्यार

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में पार्टनर को मुस्कुराता देखना बेहद अच्छा माना जाता है। इस सपने का अर्थ है कि आपको जीवन में पार्टनर का प्यार मिलने वाला है और जल्द ही आपका रिश्ता पक्का हो सकता है।

हो सकता है ब्रेकअप

अगर आपको पार्टनर सपने में धोखा देता है, तो स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस सपने से आपका ब्रेकअप होने के संकेत मिलते हैं। ऐसे में आपको पार्टनर से सतर्क रहने की जरूरत है और किसी पर अधिक विश्वास करने से बचना चाहिए।

लव लाइफ में आ सकती है समस्या

सपने में पार्टनर के संग वाद-विवाद करना शुभ नहीं माना जाता है। इस सपने का अर्थ यह है कि लव लाइफ में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

पार्टनर के नाराज होने के संकेत

सपने में पार्टनर को रोते हुए देखने अच्छा नहीं माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस सपने से पार्टनर के नाराज होने के संकेत मिलते हैं। ऐसे में आपको पार्टनर के संग सतर्क रहने की आवश्यकता है।

जल्द ही मुलाकात का बनेगा प्लान

सपने में पार्टनर को मिठाई खाते हुए देखना शुभ माना जाता है। इस सपने से लव लाइफ शानदार होने के संकेत मिलते हैं और पार्टनर से जल्द ही मुलाकात का प्लान बन सकता है। साथ ही रिश्ते मजबूत होने के संकेत मिलते हैं।

रिश्ता हो सकता है मजबूत

इसके अलावा सपने में पार्टनर को लाल रंग के कपड़े में देखना शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस तरह के सपने देखने से पार्टनर के साथ रिश्ता मजबूत हो सकता है और पार्टनर आपका जीवनसाथी बन सकता है।

संपादकीय

दिल्ली चुनाव में आतंकी

अफजल गुरु एक खूंखार आतंकवादी था। वह 13 दिसंबर, 2001 को भारतीय संसद पर आतंकी हमले का मास्टर माइंड था। सर्वोच्च अदालत ने बाकायदा सुनवाई के बाद उसे 'अपराधी' करार दिया और मौत की सजा सुनाई। उस दौर में एक जमात ऐसी थी, जो अफजल गुरु को माफ करने की पक्षधर थी। सार्वजनिक तौर पर ज्ञापन तैयार कर राष्ट्रपति से अनुरोध किए गए। अंततः कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए-2 सरकार के दौरान अफजल गुरु को फांसी पर लटका दिया गया। उसी के साथ वह अध्याय समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती उस आतंकवाद को 'मासूम' मानते रहे और फांसी को 'गलत फैसला' ठहराते रहे। अफजल गुरु के जिस्मानी अवशेष उसके परिजनों को सौंपने तक की पैरोकारी करते रहे। आश्चर्य और विडंबना है कि दिल्ली चुनाव में अफजल गुरु एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभरा है। क्या आतंकवाद और उसके समर्थन पर भी जनादेश मांगा या दिया जा सकता है? ध्यान रहे कि बीते वर्ष से दिल्ली के स्कूलों को ई-मेल के जरिए ऐसी धमकियां मिलती रही हैं, जिनमें बम विस्फोट का खौफ फैलाया जाता रहा है। दिल्ली में 400 स्कूलों को ऐसी धमकियां दी जा चुकी हैं। दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद कुछ रहस्योद्घाटन किए, जिनमें अफजल का नाम सामने आया। पुलिसिया जांच का निष्कर्ष यह है कि वे धमकियां एक नाबालिग, 12वीं कक्षा के छात्र ने दी थीं। उसने ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया, जो साइबर की महत्वपूर्ण जानकारी रखने वाला शख्स ही कर सकता था। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपित नाबालिग की पारिवारिक पृष्ठभूमि को भी खंगाला, तो यह तथ्य सामने आया कि उसके पिता एक एनजीओ से जुड़े हुए हैं। एनजीओ के एक राजनीतिक दल से पुराने और प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। इस एनजीओ ने अफजल गुरु को फांसी देने का विरोध किया था। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के माता-पिता ने भी एक ज्ञापन पर बाकायदा दस्तखत कर फांसी की सजा का विरोध किया था। खुद आतिशी और उनके माता-पिता भी किसी एनजीओ से जुड़े रहे हैं। नाबालिग वाले एनजीओ और आतिशी परिवार के एनजीओ के बीच क्या कोई 'साझा सूत्र' है? पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का बुनियादी काम एनजीओ का ही है। उनके एनजीओ का प्रबंधन आजकल किसके हाथों में है, हमें नहीं पता, लेकिन एनजीओ के जरिए और सूचना के अधिकार के लिए केजरीवाल ने जो काम किए थे, उनके लिए उन्हें 'मैगसेसे अवार्ड' से नवाजा गया था। उसे 'एशिया का नोबेल पुरस्कार' माना जाता है। सवाल है कि किसी ने ज्ञापन के जरिए अफजल गुरु या याकूब मेमन की सजा का विरोध किया हो, तो क्या वे भी आतंकी करार दिए जा सकते हैं? क्या वह उनकी 'अभिव्यक्ति की आजादी' नहीं है? यदि एनजीओ और राजनीतिक दल के बीच कोई 'आतंकी सूत्र' है, तो दिल्ली पुलिस ने उसे बेनकाब क्यों नहीं किया? राजनीतिक दल के नाम का खुलासा क्यों नहीं किया? अब भाजपा 'आप' के आतंकी सूत्रों पर सवाल उठा रही है। क्या आरोपित छात्र वाला एनजीओ और राजनीतिक दल 'आप' ही है? यह चुनाव की संवेदनशीलता का दौर है। एक-एक आरोप चुनाव की दिशा और दशा बिगाड़ सकता है। यह निष्पक्ष चुनाव भी नहीं माना जा सकता। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि पुलिस जांच में यह भी पाया गया कि एनजीओ पहले भी राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहा है।

सार्वजनिक तौर पर ज्ञापन तैयार कर राष्ट्रपति से अनुरोध किए गए। अंतत: कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए-2 सरकार के दौरान अफजल गुरु को फांसी पर लटका दिया गया। उसी के साथ वह अध्याय समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती उस आतंकवाद को 'मासूम' मानते रहे और फांसी को 'गलत फैसला' ठहराते रहे। अफजल गुरु के जिस्मानी अवशेष उसके परिजनों को सौंपने तक की पैरोकारी करते रहे। आश्चर्य और विडंबना है कि दिल्ली चुनाव में अफजल गुरु एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभरा है। क्या आतंकवाद और उसके समर्थन पर भी जनादेश मांगा या दिया जा सकता है? ध्यान रहे कि बीते वर्ष से दिल्ली के स्कूलों को ई-मेल के जरिए ऐसी धमकियां मिलती रही हैं, जिनमें बम विस्फोट का खौफ फैलाया जाता रहा है। दिल्ली में 400 स्कूलों को ऐसी धमकियां दी जा चुकी हैं। दिल्ली पुलिस ने जांच के बाद कुछ रहस्योद्घाटन किए, जिनमें अफजल का नाम सामने आया। पुलिसिया जांच का निष्कर्ष यह है कि वे धमकियां एक नाबालिग, 12वीं कक्षा के छात्र ने दी थीं।

श्रमिकों में डिजिटल साक्षरता या ई-श्रम पंजीकरण और लाभ ट्रैकिंग के लिए आवश्यक उपकरणों तक पहुँच की कमी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में

आखिर प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा का कारण क्या है?

दशकों से कानूनी ढाँचे और सिफारिशों के बावजूद, सामाजिक सुरक्षा तक उनकी पहुँच अपर्याप्त रही है। अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम, 1979 में प्रावधान और असंगठित क्षेत्र में राष्ट्रीय उद्यम आयोग (2007) और असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम (2008) द्वारा श्रमिक पंजीकरण के लिए सिफारिशों के बावजूद, ई-श्रम पोर्टल तक प्रवासी श्रमिक आधिकारिक डेटाबेस में काफ़ी हद तक अदृश्य रहे। जबकि ई-श्रम पोर्टल पर 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, उनमें से अधिकांश को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में एकीकृत नहीं किया गया है।

भारत के असंगठित कार्यबल का एक महत्त्वपूर्ण लेकिन कमज़ोर वर्ग, प्रवासी श्रमिक, अक्सर सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से बाहर रह जाते हैं। दशकों से कानूनी ढाँचे और सिफारिशों के बावजूद, सामाजिक सुरक्षा तक उनकी पहुँच अपर्याप्त रही है। अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम, 1979 में प्रावधान और असंगठित क्षेत्र में राष्ट्रीय उद्यम आयोग (2007) और असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम (2008) द्वारा श्रमिक पंजीकरण के लिए सिफारिशों के बावजूद, ई-श्रम पोर्टल तक प्रवासी श्रमिक आधिकारिक डेटाबेस में काफ़ी हद तक अदृश्य रहे। जबकि ई-श्रम पोर्टल पर 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, उनमें से अधिकांश को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में एकीकृत नहीं किया गया है। मौसमी और परिपत्र प्रवासियों को वंचितता, कलंक, तस्करी और सार्वजनिक सेवाओं तक खराब पहुँच सहित अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी उच्च गतिशीलता सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने को जटिल बनाती है। कई श्रमिकों में डिजिटल साक्षरता या ई-श्रम पंजीकरण और लाभ ट्रैकिंग के लिए आवश्यक उपकरणों तक पहुँच की कमी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। राज्यों में अक्सर कल्याणकारी योजनाओं का असंगत कार्यान्वयन होता है, जिससे समन्वय सम्बंधी समस्याएँ पैदा होती हैं जो लाभों की पोर्टेबिलिटी को कमज़ोर करती हैं। मौजूदा कल्याणकारी योजनाएँ जैसे कि मनरेगा, पीएम श्रम योगी मानधन और वन नेशन वन राशन कार्ड अक्सर अलग-अलग तरीके से काम करती हैं, जिससे प्रवासी श्रमिकों के लिए निर्बाध पहुँच में बाधाएँ पैदा होती हैं। 2021 में लॉन्च किए गए ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों का दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना है। इसमें 300 मिलियन से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, जिनमें प्रवासियों का एक महत्त्वपूर्ण अनुपात शामिल है। यह कल्याणकारी योजनाओं के लिए श्रमिकों की बेहतर पहचान और लक्ष्यीकरण की सुविधा प्रदान करता है।

हालाँकि, यह मुख्य रूप से एक "पंजीकरण अभियान" है जिसका सामाजिक सुरक्षा में समावेश पर सीमित ध्यान है। 2024 में लॉन्च किया गया विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को ई-श्रम पोर्टल के साथ एकीकृत करके पंजीकरण और सामाजिक सुरक्षा तक पहुँच के बीच की खाई को पाटने का प्रयास करता है। इसके लाभों में एकीकृत दृष्टिकोण, लाभों की पोर्टेबिलिटी और पारदर्शी तथा श्रमिक-अनुकूल प्रक्रिया शामिल है। हालाँकि, चिंताओं में मौजूदा योजनाओं का सीमित कवरेज, श्रमिकों में जागरूकता की कमी और अंतर-राज्य समन्वय का कमज़ोर होना शामिल है। ई-श्रम पोर्टल और ओएसएस प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली सामाजिक सुरक्षा चुनौतियों को सम्बोधित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण क़दम है। हालाँकि, उनकी सफलता कार्यान्वयन बाधाओं पर काबू पाने, निर्बाध अंतर-राज्य समन्वय सुनिश्चित करने और श्रमिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने पर निर्भर करती है। आंकड़ों के अनुसार, जो लोग आजीविका की तलाश में स्थानीय और क्षेत्रीय सीमाओं के पार जाते हैं, उन्हें अपने मेजबान समाज में स्थायी रूप से बाहरी समझे जाने का अपमान सहना पड़ता है। श्रमिकों को अक्सर टेलीविजन स्क्रीन पर दुखद घटनाओं के पात्र के रूप में दिखाया जाता है, जिससे उनके योगदान और उन्हें प्राप्त मान्यता के बीच का अंतर उजागर होता है। राष्ट्र के बुनियादी ढांचे के पीछे की ताकत होने के बावजूद, राष्ट्रीय महानता के विमर्श में उनकी भूमिका को शायद ही कभी स्वीकार किया जाता है। पॉलिसी शून्य होने के कारण अक्सर असुरक्षित छोड़ दिया जाता है यद्यपि प्रवासी कार्यबल राष्ट्रीय गौरव के प्रत्यक्ष चिह्नों में महत्वपूर्ण योगदान देता है, फिर भी उनके अधिकारों को नियंत्रित करने वाली नीतियों का घोर अभाव है। अंतरराज्यीय प्रवासी कर्मकार अधिनियम, 1979, इस विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करने वाला एकमात्र कानून है। हालाँकि, आवास, स्वास्थ्य देखभाल, न्यूनतम मजदूरी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं की रोकथाम के लिए इसके प्रावधान अक्सर अधूरे रह जाते हैं। प्रवासी श्रमिकों के साथ उनकी मानवता पर विचार किए बिना एक नौकरी मशीन की तरह व्यवहार किया जाता है। सरकारी प्रणालियाँ अक्सर प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों और परिवर्तनों की परवाह नहीं करतीं। प्रवासी श्रमिकों को न केवल कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती बल्कि उन्हें शहर के प्रतिकूल वातावरण में भी संघर्ष करना पड़ता है। शहर सड़कों और इमारतों जैसे निर्माण के लिए प्रवासी श्रमिकों पर निर्भर रहते हैं, लेकिन इन शहरों में इन प्रवासी श्रमिकों की बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त सहायता नहीं होती है। यहां स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय सहायता, रहने के लिए अच्छे स्थान, सुरक्षा उपाय या बच्चों की देखभाल की सुविधाएं नहीं हैं। इससे प्रवासी श्रमिकों को सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है। शहरी क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की दुर्दशा विशेष रूप से चिंताजनक है। शिशुओं को बड़े बच्चों की देखभाल में छोड़ दिया जाता है, जिनके पास स्वयं सार्थक शैक्षिक गतिविधियों तक पहुंच नहीं होती। इससे असुविधा का एक चक्र निर्मित होता है, जहां शिक्षा के अवसरों की कमी उनके माता-पिता द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों से मुक्त होने की उनकी क्षमता में बाधा डालती है। प्रवासी श्रमिकों के लिए, एक टूटा हुआ अंग अक्सर कामकाजी जीवन के अंत का संकेत देता है। कार्यस्थल पर लगी चोटों के लिए शायद ही कभी पर्याप्त सहायता या चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हो पाती हैं।

दृष्टिकोण

पहली प्राथमिकता है आर्थिक चुनौतियों का हल

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गत दिनों एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने मंत्रिमंडल के साथियों सहित बिजली सब्सिडी छोडने का ऐलान करते हुए प्रदेश के साधन संपन्न लोगों से भी बिजली सब्सिडी छोडने की अपील की है। अपील के प्रत्युत्तर में हिमाचल प्रदेश में बीते 12 दिनों के दौरान 387 उपभोक्ताओं ने बिजली सब्सिडी छोड़ दी है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के आग्रह पर 279 कर्मचारियों, 42 पेंशनरों और 66 आम लोगों ने सस्ती बिजली का विकल्प छोड़ दिया है। सीएम सुखविंदर सिंह का दावा है कि अगर प्रदेश के सभी संपन्न लोग सब्सिडी छोड़ेंगे तो बिजली बोर्ड को सालाना 200 करोड़ की बचत होगी और घाटे में चल रहे बिजली बोर्ड को राहत मिलेगी। ऐसा माना जा रहा है कि यह कदम राज्य की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और बिजली क्षेत्र में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा, वहीं इससे राज्य के वित्तीय बोझ को कम करने में भी मदद मिलेगी। हाल फिलहाल हिमाचल प्रदेश की सरकार के लिए कर्ज का मर्ज जी का जंजाल बना हुआ है। राज्य की सीमित आय और ऊपर से केंद्र द्वारा थोपी गईं बंदिशें सरकार को कल्याणकारी फैसले लेने से पीछे हटने को मजबूर कर रही हैं। जब आप सत्ता से बाहर होते हैं तो राज्य के आर्थिक हालात से वाकिफ नहीं होते हैं और अपने विरोधी दल को मात देने के चक्कर में कुछ ऐसे भी वायदे कर बैठते हैं जिनको बाद में अमलीजामा पहनाने में पसीने छूट जाते हैं। इतने बड़े विशाल दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में तो यह और भी मुश्किल हो जाता है जब राज्य की आर्थिकी पिछले कुछ दशकों में उठाए गए ऋणों के बोझ तले कराह रही हो। आज की तारीख में सरकार के बजट का बड़ा हिस्सा कर्ज की देनदारियां चुकाने और कर्मचारियों के वेतन व पैंशन पर खर्च हो रहा है। लिहाजा विकास कार्यों के लिए सरकार के पास मामूली बजट बच रहा है। पिछले तीन दशकों से चली आ रही प्रत्येक सरकार ने चाहे वह कांग्रेस की रही हो अथवा भाजपा की, सरकार ने चार्वाक ऋषि के भौतिकवादी दर्शन को दर्शाने वाले इस श्लोक को चरितार्थ करते हुए कि, 'यावत्जीवेत्सुखं जीवेत्, ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत' अर्थात जब तक जीवन है, तब तक सुखपूर्वक जीना चाहिए, चाहे इसके लिए ऋण लेकर भी घी क्यों न पीना पड़े, की उक्ति पर चलते हुए जमकर ऋण लिए और अब हिमाचल प्रदेश पर कर्ज का बोझ बढक़र लगभग 94 हजार करोड़ तक पहुंच गया है। इसके मूल और ब्याज पर ही अब प्रदेश का लगभग 20 फीसदी से ज्यादा बजट व्यय हो रहा है। राज्य सरकार की सालाना कमाई अधिकतम सोलह हजार करोड़ रुपए है और खर्च 27 हजार करोड़ रुपए सालाना है। इतना ही नहीं राज्य सरकार को अभी कर्मचारियों को देय 81 महीनों के महंगाई भत्ते का पेंडिंग एरियर को चुकता करना है जबकि वेतन आयोग का एर्रियर्स अलग से देने की चुनौती बनी हुई है। आज भारत सरकार सहित भारत के लगभग सभी राज्य कर्ज लेकर अपनी गाडियां हांक रहे हैं। आज भले ही हिमाचल प्रदेश में कर्ज को लेकर पक्ष और विपक्ष में आरोप प्रत्यारोप की जंग छिड़ी हुई है, लेकिन दोषी कमोबेश दोनों ही हैं। वर्तमान सुक्खू सरकार ने 15 दिसंबर 2022 से लेकर 31 जुलाई 2024 तक कुल 21366 करोड़ रुपए का लोन यानी कर्ज लिया है, जबकि इसी सरकार ने इस अवधि में 5864 करोड़ रुपए का कर्ज वापस भी किया है। इस तरह कुल शुद्ध कर्ज का आंकड़ा 15502 करोड़ रुपए बनता है। सरकार ने जीपीएफ के अगेंस्ट पहली जनवरी 2023 से 31 जुलाई 2024 तक 2810 करोड़ रुपए का लोन लिया है। आर्थिक तंगी से जूझ रही हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार को अपना खजाना भरने के लिए कठोर वित्तीय फैसले लेने होंगे। इसके लिए सरकार ने कुछ कड़े फैसले लिए भी हैं, जैसे उसने 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना में बदलाव कर साधन संपन्न लोगों को इसके दायरे से बाहर कर दिया है। इसके अलावा होटल कारोबारियों को कमर्शियल मीटर पर दी गई सब्सिडी को भी खत्म कर दिया गया है। गांवों में अब गरीबों, एकल महिलाओं, विधवाओं और दिव्यांगों को छोडक़र अन्य लोगों को मुफ्त पेयजल सुविधा नहीं मिलेगी। प्रति घरेलू पेयजल कनेक्शन पर 100 रुपए मासिक और व्यावसायिक पेयजल क्नेक्शन पर 100 रुपए मासिक के साथ मीटर रीडिंग के आधार पर पानी के बिल आएंगे। इससे सरकार को जल शक्ति विभाग को बिजली बोर्ड की करीब 800 करोड़ रुपए की अदायगी करने में मदद मिलेगी। नई आबकारी नीति लागू होने से शराब के ठेकों की हर साल नीलामी से सरकार को 600 करोड़ की आय होगी। शिक्षा विभाग में शून्य पंजीकरण वाले 99 स्कूलों और दो से पांच संख्या विद्यार्थियों वाले 460 स्कूलों को बंद कर राजस्व बचाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। कर्मचारियों के स्टडी लीव पर जाने पर वेतन का 40 फीसदी देने के फैसले से भी करोड़ों का खर्चा बचेगा। सरकार ने हिमकेयर योजना से निजी अस्पतालों को बाहर कर दिया है। इससे सरकार को निजी अस्पतालों को भारी भरकम राशि नहीं देनी पड़ेगी। 2014 में तत्कालीन मंत्री विद्या स्टोक्स की अध्यक्षता में बनी रिसोर्स मोबेलाइजेशन एंड इकोनामी कमेटी की सिफारिशों पर कोई अमल नहीं हुआ है। सरकार को नए भवनों के निर्माण को स्थगित करते हुए शहरी क्षेत्रों के 2-3 सरकारी स्कूलों का आपस में विलय कर देना चाहिए। सरकार को लोकलुभावन घोषणाओं एवं फिजूलखर्ची से बचते हुए कड़े फैसले लेने होंगे, तभी हिमाचल की आर्थिक स्थिति पटरी पर आ पाएगी।

कुछ अलग

बिगड़े गणित का मिजाज

वह हमें समझा रहे थे कि इन दिनों पड़ रही भयंकर सर्दी पिछले वर्षों की सर्दी से अलग नहीं है। क्या हुआ जो तापमान कुछ ज्यादा नीचे चला गया? कुछ अधिक लोग सर्दी से ठिठुर कर फुटपाथों से लेकर अपनी टूटी हुई झुग्गी-झोंपडियों में मर गए? अब सर्दी पड़ेगी तो बिना छतों के मकानों में लोग कांप कर मरेंगे ही। बिल्कुल उसी तरह सडक़ों पर इस सर्दी का उपहार धुंध और कोहरा बढ़ेगा, तो परिवहन निलंबित होगा ही, गाडियां एक-दूसरे से टकराएंगी ही। आहत लोगों की चीखो-पुकार सुनने की तो इस देश के लोगों को आदत हो गई है। आप क्यों नहीं उन डाक्टरों के बारे में सोचते कि जिनके अस्पतालों में आजकल तिल धरने की जगह नहीं। वे खुश हैं। लोग हांफ कर कहते हैं, 'भई सूखी सर्दी पड़ रही है। तबीयत बिगड़ती है तो बिगड़ती ही चली जाती है। पुरानी दवाएं कारगर नहीं होती। लेकिन इसी से अनुसंधानकर्ताओं को नई दवाओं की खोज करने की प्रेरणा बन रही है। भारत चिकित्सा विज्ञान में कुछ कदम आगे बढ़ रहा है। जो दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते, उन्हें कपालभाति करने के संदेश मिलने लगे हैं। 'योग अपनाओ, पुनर्जीवन पाओ', पड़ोसी बूढ़ों ने हमें बताया है। इसी मौसम में बच्चन की मधुशाला से मधुबाला तक की याद आती है। उमर खय्याम की रुबाइयां हमें लुभाने लगती हैं। सुना है, अगले वर्ष के बजट में मदिरा सस्ती और बिजली महंगी होने वाली है। हम घुप्प अंधेरे में मदिरालय को अपना द्वार खटखटाता देखने की आजकल कल्पना करते हैं। हमारे नशा माफिया डॉन जीते रहें। इन्हें आजकल सर्दी से संत्रस्त माहौल में नशों के समुद्र की बड़ी मछलियां कहकर पुकारा जाता है। इन पर कोई हाथ नहीं डाल सकता। नशा तस्करों की भी बन आई है। सरकारी कारिंदे इन्हें आतंकवाद का एक नया रूप बताते हैं, लेकिन इनसे पूछो तो वे कहेंगे, 'अरे हम तो मौसम के अनुसार बदलते हैं। सर्दी में आपकी ठिठुरन घटाते हैं, और गर्मियों में नौकरी न मिलने या कोई भी सपना पूरा न होने का अवसाद घटाते हैं। हम आतंकी कहां, आपकी ही तो मेहर है कि ढीली-ढाली एक्साइज पॉलिसी और भ्रष्ट प्रशासन हमें अपना काम करते रहने की सुविधा देता रहता है।' अब आपने इस अवैध और राष्ट्रद्रोही कारोबार में लिप्त नशा तस्करों को कानून के शिकंजे में लेने के नाम पर नालियों में गिरे पड़े नशेड़ी पकड़ लिए, लेकिन माफिया सरगना तो राजनीति की शरण में चले गए। आपको पता ही है कि आरोपित तब तक अपराधी नहीं जब तक उसे दंड न मिल जाए। दंड तो फिलहाल तारीख पर तारीख के मकडज़ाल में फंसा है, इसलिए आरोपितों को राजनीति के मसीहा और आम जनता के लिए सपनों का मायाजाल रचने की कोई मनाही नहीं। आइए, इनकी जय-जय कहें। हमारे सपने कभी टूटते नहीं। एक खंडित सपने की नींव पर दूसरा सपना खड़ा कर दिया जाता। 'अच्छे दिन आएंगे' की बात कभी सुनते थे, वे नहीं आए, तो अब पांच वर्ष में देश की सकल घरेलू आय को दुगना, और देश की तरक्की की दौड़ में सबसे आगे हो जाने या चीन और अमरीका को पछाड़ देने का सपना देख रहे हैं। इसी तरह जब आलोचना बढ़ी कि आपने नशा माफिया का गढ़ तोडऩे की जगह नशेड़ी अंदर कर दिए, तो उनके लिए नशामुक्ति केन्द्र खोलने का अभियान चल निकला। भई नशेड़ी तो नशेड़ी हैं। इन केन्द्रों में गए तो नशा छुड़ाने वाली गोलियों को ही मुक्ति प्रसंग मानकर उनके लिए मारपीट करने या उनका कालाबाजार करने लगे। अब सुना है, यहां नशा छुड़ाने वाली गोलियों का बाजार भी मंदा और सस्ता हो गया है, इसलिए आइए, इस घुप्प अंधेरे में भटकते हुए आम आदमी के लिए सपनों का कोई नया बाजार सजाएं।

देश दुनिया से

सबसे पहले तन की सेवा

हम सब जानते हैं कि हम प्रचार के युग में जी रहे हैं, मार्केटिंग के युग में जी रहे हैं। दरअसल, हम झूठे प्रचार के युग में जी रहे हैं। हम शोरगुल भरे मनोरंजन के ऐसे युग में जी रहे हैं जहां सुविधा को खुशी मान लिया गया है। इससे हमारा जीवन दूषित हो गया है और हमारा स्वास्थ्य इस हद तक खतरे में है कि पैदा होने वाले हर नए बच्चे में से 90 प्रतिशत बच्चे पैदाइशी बीमार होते हैं। आज हम युवाओं के देश के रूप में जाने जाते हैं, तो आने वाले दस वर्षों के बाद हम बीमार युवाओं के देश के रूप में पहचाने जाएंगे। आज भी 90 प्रतिशत वयस्क, प्रौढ़ और बुजुर्ग किसी न किसी रोग से ग्रस्त हैं और या तो लगातार दवाई ले रहे हैं या उन्हें पता ही नहीं है कि उनके शरीर में कोई रोग चुपचाप बढ़ता जा रहा है। पैकेज्ड फूड में सुविधा तो है ही, इसके एक खास हिस्से को 'हैल्दी फूड', यानी सेहतमंद भोजन के रूप में पेश किया जा रहा है और शहरी आबादी का बड़ा हिस्सा इसकी लपेट में है। यह भोजन, भोजन नहीं है, जहर है, इसे स्वास्थ्यकर कहना तो अपराध ही है। आधुनिक जीवन का शैदाई उच्च वर्ग और शहरी युवा, आउटिंग के नाम पर, या स्वाद और बदलाव के नाम पर अक्सर होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाते हैं। होटल व्यवसाय में कमरों के किराये से उतनी आमदनी नहीं होती जितनी कि होटल में ठहरने वालों को भोजन खिलाकर होती है। होटल या रेस्टोरेंट में जो खाना आपको सर्व होता है, उसमें साफ-सफाई का तो ध्यान रखा जाता है, लेकिन वह स्वास्थ्यकर है या नहीं, इससे होटल वालों को कोई मतलब नहीं है। सलाद को भूनकर, पकाकर या फ्राई करके सर्व करने का रिवाज पिछले कुछ सालों में ही शुरू हुआ है, यह बिल्कुल भी स्वास्थ्यकर नहीं है। इसी तरह 'हनी चिली कौलिफ्लावर' या 'हनी पटैटो' जैसे स्नैक जिनमें शहद है और उन्हें किसी भी रूप में पकाया गया है, वो स्वादिष्ट तो हैं, पर स्वास्थ्यकर नहीं हैं। भोजन में एक साथ रोटी और चावल दोनों खाना स्वास्थ्यकर नहीं है। खुद ही सोचिए कि कौनसा होटल-रेस्टोरेंट वाला आपको ये बताएगा? बुरी बात यह है कि खुद शैफ भी इस सच से वाकिफ नहीं हैं। इससे भी ज्यादा दुख की बात और क्या होगी कि होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स के अध्यापक तक यह समझने की कोशिश नहीं करते कि भोजन में किस-किस खाद्य पदार्थ को एक साथ खाना हानिकारक हो सकता है। अज्ञान की पराकाष्ठा इस हद तक है कि हम खाना खाते नहीं हैं, निगलते हैं। नियम यह है कि हर कौर को इतना चबाया जाए कि वह पानी-सरीखा हो जाए। अक्सर हम इस भुलावे में रहते हैं कि हमने चबा लिया, लेकिन कभी आप बारीकी से देखेंगे तो पाएंगे कि लगभग दस सैकेंड तक चबाने के बाद हम चपाती का कौर निगल लेते हैं, जबकि एक कौर को पूरा चबाने के लिए 35 से 45 सैकेंड का समय आवश्यक होता है। चावल को तो हम अक्सर 5-6 सैकेंड में ही निगल लेते हैं। भोजन पूरा न चबाया जाए तो वह पचता नहीं है और उसका बहुत सा हिस्सा हमारे शरीर में ही रह जाता है जो सड़ता रहता है और कई बीमारियों का कारण बनता है। अक्सर हमें मालूम ही नहीं होता कि अपनी लापरवाही के कारण हम अपने शरीर को कूड़ाघर बना रहे हैं। ऐसे माता-पिता के बच्चे जन्म से ही किसी न किसी बीमारी के बीज लेकर पैदा होते हैं। सेहत को लेकर हम एक और भुलावे में हैं कि अगर हम स्वास्थ्यकर भोजन खाएं और नियमित व्यायाम करें तो हमारी सेहत ठीक रहेगी। अच्छी सेहत के लिए स्वास्थ्यकर भोजन और नियमित व्यायाम तो आवश्यक है ही, लेकिन साथ ही अच्छी नींद, अच्छे रिश्ते और अच्छी सोच भी आवश्यक है। नींद पूरी न हो पाए तो धीरे-धीरे हम ऊर्जा खोते चले जाते हैं। हमारे आपसी रिश्तों में कड़वाहट हो या जीवन में अच्छे दोस्त न हों तो हम खुश नहीं रह सकते। रिश्तों की कमजोरी हमारी खिसियाहट का कारण बनती है जो अंततः सेहत के लिए नुकसानदायक है। सबसे बढक़र हमारी सोच हमें प्रभावित करती है। हमारा हर विचार एक नई किस्म की वाइब्रेशन पैदा करता है जो हमारे दिल और दिमाग को प्रभावित करता है। हमें मालूम भी नहीं होता कि हमारे दिलो-दिमाग में भरी हुई शिकायतें, नफरत, गुस्सा, गिला, पछतावा जैसी भावनाएं हमारे अवचेतन मन में गहरे पैठ गई हैं तो वो किसी न किसी शारीरिक रोग के रूप में उभर कर आएंगी। हमारी अधिकांश शारीरिक बीमारियों का कारण हमारी मानसिक व्याधियां हैं, लेकिन अपनी अज्ञानता के कारण हम इन भावनाओं के नुकसान को नहीं समझते और लापरवाही का जीवन जीते हैं जो आखिरकार किसी गंभीर बीमारी का कारण बन जाता है। थोड़ा सा भी बुखार हो तो हम दवाई खा लेते हैं। साधारण बुखार कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह एक संदेश है कि शरीर में गंदगी जमा है, सड़ रही है, उसे बाहर निकालने की जरूरत है, लेकिन हम दवाई लेकर संदेश को दबा देते हैं, बुखार दब जाता है, लेकिन गंदगी अंदर ही रहने के कारण बीमारी चुपचाप बढ़ती रहती है। शूगर, बीपी जैसी बीमारियों में हम अपने लाइफस्टाइल को सुधारने के बजाय रोज एक गोली खाना ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि हर दवाई का कोई न कोई साइड इफैक्ट होता है और यह दवाई ही एक नई बीमारी का कारण बन रही है, जो अगले 10-15 साल के बाद और भी खतरनाक रूप में उभरेगी। आपको शायद जानकर आश्चर्य होगा कि लगभग सभी धर्मों में संन्यासियों तक को अपने शरीर का ध्यान रखने की हिदायत दी जाती है। दूर क्यों जाएं, खुद हमारे देश में ही योग की परंपरा है जो हमारे शरीर के आंतरिक अंगों तक को चुस्त और सेहतमंद बनाता है। सहज संन्यास मिशन में तो पहला मंत्र ही 'तन की सेवा' है। हमारे लिए यह भी समझना आवश्यक है कि अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कि जैसे हम शारीरिक बीमारियों के लिए ब्लड टैस्ट और चेकअप करवाते हैं, वैसे ही मानसिक व्याधियों से बचने के लिए स्पिरिचुअल हीलिंग से दिल और दिमाग की सफाई भी करवाते रहें। स्पिरिचुअल हीलिंग हमें अच्छी नींद लेने, खुश रहने और रिश्ते मजबूत बनाने में सहायक होती है।

आप का नजरिया

बस रूटों की छंटाई

अंततः मानना पड़ रहा है कि एचआरटीसी के बहुत सारे रूट खामख्वाह हैं या परिवहन की सरकारी सेवाओं ने सियासत को ढो-ढो कर अपनी वित्तीय कमर टेढ़ी कर ली है। घाटे पर घाटा उठा रही सरकारी बसों की संख्या भले ही 3180 है या 31 बस डिपो के मार्फत इनका संचालन हो रहा है, लेकिन उम्मीदों का परिवहन अन्य विकल्प चुन रहा है। ऐसे में घाटे के रूटों में से 275 अगर निजी आपरेटरों को थमाए जा रहे हैं, तो यह तसदीक होता है कि सरकारी उपक्रम एक सीमा तक ही अपना दायित्व ओढ़ सकते हैं। जाहिर है अभी रूट परमिट की कतरब्योंत हो रही है, लेकिन यही प्रक्रिया ढांचे तक अगर छंटाई करे, तो अनावश्यक खर्चों से बचा जा सकता है। परिवहन निगम की बसों, बस डिपो और बस स्टैंड्स की शुमारी में संपत्ति का गुणात्मक पक्ष सुदृढ़ करना होगा। यानी बसों व बस डिपो की मात्रात्मक शक्ति को संपदा के सदुपयोग में लाभकारी बनाना होगा। बेशक लंबे रूटों पर बसों की क्लबिंग से यात्री संख्या पर असर हो सकता है, लेकिन इससे पूर्व कई तरह से ढांचागत छंटाई होनी चाहिए। हिमाचल परिवहन के वर्तमान में संभावनाओं की कमी नहीं, वरना शिमला, मनाली व धर्मशाला से निजी वोल्वो बसों की संख्या निरंतरता के साथ नहीं बढ़ती। यह सेवा क्षेत्र की चुनौती है जिसे निजी क्षेत्र बाखूबी समझता व अनुपालन करता है। मजबूरी में तो कोई भी बस रूट सफल हो सकता है, लेकिन किसी बस को सफलता से चलाने के लिए उसके हालात और संचालन पर गौर करना होगा। देखा यह जा रहा है कि लीज या एचआरटीसी की अपनी बसों की हालत ऐसी नहीं है कि सवारियां लंबे रूट की यात्रा पर इन्हें पसंद करें। इसके मुकाबले निजी वोल्वो बसों ने खुद को प्राथमिक बनाया है तो इसलिए क्योंकि वहां यात्री को यह अनुभव कराया जाता है कि उनकी वजह से उक्त बस सेवा चलाई जा रही है। एचआरटीसी बस और बस परमिट की वजह उस हरी झंडी में दिखाई देती रही, जो किसी विधायक की आरजू में पुष्प गुच्छ दे गई। ऐसे में सर्वप्रथम सरकारी बसों को निजी मुकाबले में खड़ा करना होगा। दूसरे हर सूरत वर्तमान बस डिपो की संख्या या तो आधी कर देनी चाहिए या इनकी क्षमता व प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना होगा। ये नए बस डिपो अपने अस्तित्व की छीनाझपटी में पहले से स्थापित बस डिपो के रूटों पर डाका डाल रहे हैं। एक समय था जब बैजनाथ, मंडी, शिमला, परवाणू, पठानकोट, ऊना, कुल्लू, नाहन व बिलासपुर जैसे बस डिपो के सहारे ही लंबे रूट चलते थे, लेकिन अब हर विधानसभा हलके की यही दरकार है। एचआरटीसी के कुशल संचालन के लिए लंबे रूट की बसों को पर्यटक बसों के नजरिए से चलाना होगा। सीटीयू, हरियाणा रोडवेज तथा राजस्थान परिवहन ने ऐसे अनेक प्रयास किए हैं। हिमाचल का एक नाता सडक़ परिवहन से रहेगा और इस अनिवार्यता में एचआरटीसी की सार्वजनिक भूमिका सिद्ध हुई है, लेकिन अब यात्रा बदलती जीवन शैली की जरूरत है। एचआरटीसी अपने बस अड्डों को अगर आधुनिक मॉल के रूप में विकसित करे, तो पर्यटन और बाजार के कई स्वरूप सामने आएंगे। यह निजी निवेश की संभावनाओं में तय हो तो पूरे प्रदेश में छोटे-बड़े पचास से सौ बस अड्डों को आधुनिक शॉपिंग मॉल एवं मनोरंजन स्थलों में परिवर्तित कर सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। आज आपसे कोई पैसे उधार मांग सकता है पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलेंगे अपने जीवनसाथी के साथ सहीं भाषा में बात करना चाहिए । छोटे भाई के साथ आप के रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी। भगवती को गुलाब का फूल अर्पित करें जिससे दिन भर की दिक़्क़तें और मुश्किल से मुश्किल हालात भी आसानी से सुलझते हुई दिखाई देंगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आपकी शाम कई जज़्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपकी ख़ुशी आपकी निराशाओं के मुक़ाबले आपको ज़्यादा आनंद देगी। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, किसी कन्या को मिठाई खिलाए आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। आप के घर में आज शाम के वक्त स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आप बच्चों के साथ में कहीं घूमने–फिरने जा सकते हैं जिससे जीवन में नयी ऊर्जा का संचार होगा आप के व्यक्तित्व मे ऐसा बदलाव देखकर परिवार मे आप का प्रभाव और भी बढ जाएगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। किसी भी चीज़ को अंतिम रूप देने से पहले अपने परिवार की राय लीजिए। महज़ आपका अपना फ़ैसला कुछ दिक़्क़त खड़ी कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए परिवार में तालमेल पैदा करें। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। जी–वनसाथी के ख़राब व्यवहार का नकारात्मक असर आपके ऊपर पड़ सकता है। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए अपना समय बर्बाद करने से बचे । बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी। बंदरों को केला और चना डालें रुका हुआ पैसा आने लगेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने काम के लिए दूसरों पर दबाव न डालें। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिली ख़बर आपका दिन बना सकती है। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कई लोग आज आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है । लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कर सकते हैं यदि आप उनका सहयोग करें तो।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 17 जनवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी उत्तर रात्रि 05:33 तक
नक्षत्र : मघा दोपहर 12:46 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 12:56 तक
करण : बव दोपहर 04:46 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:02 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:13 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:05 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:55 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:09 , माई चौथ व्रत , गण्डमूल दोपहर 12:46 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कर्मचारियों के हित में लगातार अहम निर्णय ले रही राज्य सरकार : भजनलाल

जयपुर,16 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कर्मचारी हमारे राज्य की महत्वपूर्ण कड़ी है तथा सरकार और कर्मचारी का संबंध प्रगाढ़ होता है। हमारी प्राथमिकता है कि कर्मचारियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि विकसित और खुशहाल राजस्थान के लक्ष्य के लिए कार्मिक समर्पण एवं सेवाभाव के साथ काम करें तथा आगामी बजट 2025–26 में कर्मचारी संगठनों से प्राप्त सुझावों को परीक्षण कर यथासंभव शामिल किया जाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में कर्मचारी संघों के साथ बजट पूर्व संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की 8 करोड़ जनता की आशा और आंकाक्षाओं को पूरा करने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि गत एक वर्ष में राज्य सरकार ने राज्य में बिजली–पानी की प्राथमिकता को समझते हुए अनेक निर्णय लिए हैं। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित विभिन्न परियोजनाओं से जहां राज्य में जल की आपूर्ति बढ़ी हैं, वहीं किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य को लेकर राइजिंग राजस्थान में ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक एमओयू किए गए हैं। राज्य सरकार प्रदेश को उत्कृष्ट और विकसित राजस्थान बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने कर्मचारियों के हित में कई अहम फैसले लिए हैं। कार्मिकों को पदोन्नति के लिए वर्ष 2023–24 में वांछित अनुभव में 2 वर्ष की शिथिलता दी गई है। साथ ही, खेल पदक विजेताओं को नियमानुसार वेतन श्रृंखला एवं वेतन वृद्धि दी गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सिविल सेवा नियमों के तहत अन–ुशासनात्मक कार्यवाहियों में परिनिंदा दंड का प्रभाव पदोन्नति पर नहीं होने संबंधी प्रावधान, जमादार ग्रेड–फर्स्ट एवं मुख्य जमादार का नया पद सृजन, सभी राज–सेवकों को लंबित कार्यमूल्यांकन प्रतिवेदन भरने के लिए 31 जनवरी 2025 तक का समय देने जैसे निर्णय राज्य सरकार ने कर्मचारियों के हित में लिए हैं। उन्होंने कहा कि पेंशनर की मृत्यु हो जाने पर पारिवारिक पेंशनर आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाया गया है। साथ ही, सभी सेवारत कर्मचारी अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से ई–हस्ताक्षर द्वारा पेंशनर के जीवन प्रमाण पत्र जारी कर सकते हैं। इससे राज्य सरकार के 5 लाख से अधिक पेंशनरों को घर बैठे जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को रोजगार देने, भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार करने और कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि ग्रेच्यूटी की सीमा 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए करना, पेंशनर को 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता, 1 अप्रैल, 2024 के बाद कर्मचारी की मृत्यु होने पर 10 वर्ष तक बढ़ी हुई पारिवारिक पेंशन देने जैसे विभिन्न प्रावधान कर्मचारियों के लिए किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आरजीए–चएस के लाभार्थियों को दवाओं की घर पर ही डिलीवरी की सुविधा पायलेट बेसिस पर चालू की गई है। साथ ही, संविदा कार्मिकों के लिए भी राज्य कर्मचारियों की तरह वार्षिक पारिश्रमिक वृद्धि की दो तिथियां 1 जुलाई और 1 जनवरी निर्धारित की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम घोषणा करने में ही नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने में यकीन रखते हैं। हमने हमारे संकल्प पत्र में युवाओं को 4 लाख सरकारी तथा 6 लाख निजी क्षेत्र सहित कुल 10 लाख नौकरियां देने का संकल्प किया था। अब तक हमने 59 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी हैं और 15 हजार नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं। लगभग 81 हजार पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किए हैं।

उन्होंने कहा कि इस साल होने वाली परीक्षाओं का कैलेंडर घोषित, राजस्थान चतुर्थ श्रेणी सेवा भर्ती नियमों में संशोधन, वाहन चालक की शैक्षणिक योग्यता आठवीं के स्थान पर 10वीं करना, 52 हजार से अधिक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों और लगभग 3 हजार वाहन चालकों के पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी करना, पेंडिंग न्यायिक मामलों को भी जल्द सुलझाने सहित विभिन्न कदम राज्य सरकार द्वारा उठाए गए हैं, जिससे युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के मार्ग प्रशस्त हो सकेंगे। बैठक में कर्मचारियों ने एक सुर में मुख्यमंत्री का बड़ी संख्या में सरकारी नौकरी की घोषणाओं, जमीन पर उनका शीघ्र क्रियान्वयन तथा कर्मचारियों के हितों में लिए जा रहे निर्णयों के लिए आभार व्यक्त किया। कर्मचारी संगठनों ने कहा कि कर्मचारियों के लिए मुख्यमंत्री की नीयत और नीति अच्छी है। आज कर्मचारी बहुत खुश है तथा मुख्यमंत्री द्वारा लिए जा रहे निर्णयों से उनमें संतोष का भाव है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी भी मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों की समस्याओं को जानने के लिए आमंत्रित कर निरन्तर संवाद किया है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि मंत्री एवं विभागीय स्तर पर भी कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान, दर्शन एवं पूजन कर अलौकिक अनुभूति का आनन्द लें राजस्थान के श्रद्धालु

जयपुर,16 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर महाकुंभ मेले में राजस्थान से जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तीर्थराज प्रयागराज में राजस्थान मंडप तैयार करवाकर निःशुल्क आवास, भोजन एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कुंभ का विशेष महत्व है। कुंभ को सभी सिद्धियां प्रदान करने वाला बताया गया है। महाकुंभ मेला प्रयागराज में 26 फरवरी तक चलेगा। इस मेले में मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के शाही स्नान सहित मेले में भाग लेने वाले राजस्थान के श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के पुण्यलाभ प्राप्त कर सकें, इसके लिए राज्य सरकार के स्तर पर व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि इन व्यवस्थाओं का लाभ लेते हुए महाकुंभ के त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान, दर्शन एवं पूजन कर अलौकिक अनुभूति का आनन्द प्राप्त करें। राजस्थान मंडप में श्रद्धालुओं के लिए डबल बैड अटैच लेटबाथ युक्त 49 टेन्ट एवं 30 बैड डोरमेट्री में निःशुल्क आवास की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन, चिकित्सा आदि की व्यवस्थाओं के साथ आगन्तुकों की मदद के लिए हेल्पडेस्क, कंट्रोल रूम की स्थापना भी की गई है।

राजस्थान मंडपम से दुनियाभर में राजस्थान की कला संस्कृति और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : राठौड़

जयपुर,16 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों के साथ फिनटेक पार्क, जयपुर में बन रहे यूनिटी मॉल, राजस्थान मंडपम एवं अन्य विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक की।

इस दौरान कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि भारत मण्डपम की तर्ज पर जयपुर में राजस्थान मण्डपम का निर्माण किया जाएगा। मेक इन इंडिया तथा वन नेशन वन प्रोडक्ट के तहत स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए मंडपम में यूनिटी मॉल का भी निर्माण किया जा रहा है। राजस्थान मंडपम राज्य की कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के लिए प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बनेगा। जयपुर में बनने वाले इस मंडपम को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस बनाया जा रहा है तथा इसमें आधुनिक तकनीक और परंपरागत राजस्थानी वास्तुकला का बेहतरीन संयोजन किया जा रहा है।

समीक्षा बैठक को संबोधित कर भजनलाल शर्मा ने कहा

फरवरी से फार्मर रजिस्ट्री प्रदेशभर में होगी शुरू

जयपुर,16 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि एग्रीस्टैक किसान केन्द्रित समाधान उपलब्ध करवाने की दिशा में महत्वाकांक्षी पहल है, इससे कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की शुरूआत होगी। इसके अन्तर्गत किसानों की जानकारी का व्यापक डेटाबेस तैयार करते हुए प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी प्रदान की जाएगी। इससे किसानों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सुगमता एवं पारदर्शिता आएगी।

शर्मा एग्रीस्टैक योजना एवं फार्मर रजिस्ट्री रोल–आउट को लेकर गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में एग्रीस्टैक परियोजना को लेकर मिशन मोड़ पर कार्य किया जाए एवं इससे जुड़ने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर दिसम्बर में सीकर जिले से इस मिशन को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया। आगामी फरवरी माह से इसे प्रदेशभर में शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके तहत चरणबद्ध रूप से ग्राम पंचायत स्तर पर फार्मर रजिस्ट्री के लिए कैम्प लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इन कैम्पों को लेकर तैयारी पूरी करने तथा तथा उपखंड स्तर पर पर्यवेक्षण एवं जिला स्तर पर मॉनिटरिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कैम्पों में आमजन को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। साथ ही, इन कैम्पों में अन्य विभागों की संबंधित सेवाओं को भी शामिल किया जाए।

भाजपा ने फोर्थ क्लास बनने की लाइन में लगाए हाईली क्वालिफाइड हरियाणवी : हुड्डा

चंडीगढ़,16 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा ने हरियाणवी युवाओं को बेरोजगारी, अपराध, नशे और डॉन्की के रास्ते पर धकेल दिया है। बाकी बचे हाईली क्वालिफाईड युवाओं को इस सरकार ने चपरासी व चौकीदार बनने की लाइन में लगा रखा है। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा ने कहा कि सिरसा कोर्ट में चपरासी और चौकीदार के कुल 13 पदों के लिए 5,700 युवाओं ने किया आवेदन है। हैरानी की बात है कि 8वीं पास योग्यता वाली इस भर्ती के लिए बीए, बीटेक, बीकॉम, बी फार्मेसी, बीसीए, एमए, एमबीए, एमएससी, एमकॉम, एमसीए और एमफिल तक की डिग्री वाले युवाओं ने आवेदन किया है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि हरियाणा में बेरोजगारी कितना भयानक रूप ले चुकी है।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा को देश में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला राज्य बनाया था। लेकिन बीजेपी ने इसे बेरोजगारी में नंबर वन राज्य बना दिया है।

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक 23 को

चंडीगढ़,16 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक 23 जनवरी को होंगी , जिसमें प्रदेश के विकास और प्रशासन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में आगामी बजट सत्र की तिथि तय हो सकती है, जो फरवरी 2025 में होने की उम्मीद है।

बजट सत्र तिथि निर्धारण:इस कैबिनेट बैठक में हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र की तिथि तय हो सकती है। पिछले वर्षों में बजट सत्र फरवरी के मध्य में आयोजित होता रहा है और इस बार भी सत्र इसी अवधि में आयोजित होने की संभावना है।हाईकोर्ट ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) की मौजूदा नीति में सामाजिक–आर्थिक मापदंड के अंकों को असंवैधानिक करार दिया है। इसलिए इन अंकों को हटाने और सीईटी उत्तीर्ण करने के मापदंड पर कैबिनेट बैठक में पुनर्विचार किया जा सकता है।एचकेआरए–नएल नीति में अनुभव के अंकों को हटाने पर भी विचार किया जा सकता है, जिससे भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और समानता सुनिश्चित हो सकती है।

स्वास्थ्य विभाग में बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एमपीएचडब्ल्यू) पद के सेवा नियमों में संशोधन की आवश्यकता है ताकि भर्ती प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके। कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर भी फैसला हो सकता है।

सिटिजन चार्टर को गंभीरता से लागू करें अधिकारी : सैनी

चंडीगढ़,16 जनवरी (एजेंसियां) । हरियाणा सरकार द्वारा शुरु की गई 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत' अब गरीब परिवार के बुजुर्गों को सरकारी खर्चे पर प्रयागराज स्थित महाकुंभ तीर्थ के दर्शन करवाए जायेंगे। योजना के तहत सरकार द्वारा प्रत्येक ज़िले से पात्र वरिष्ठ नागरिकों को महाकुम्भ तीर्थ दर्शन के लिए भेजा जायेगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्तमान सरकार के 100 दिन की उपलब्धियों को लेकर आज यहां बुलाई गई प्रशासनिक सचिवों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह घोषणा की। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत' 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के पात्र बुजुर्गों को अयोध्या में रामलला के दर्शन करवाए गए । इस योजना में श्री माता वैष्णो देवी और शिरडी साई तीर्थ को भी शामिल किया गया है। अब योजना का दायरा बढ़ाते हुए बुजुर्गों को अयोध्या, माता वैष्णो देवी तथा शिरड़ी के अतिरिक्त प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ तीर्थ के भी दर्शन भी करवाए जायेंगे।

उन्होंने कहा की कि वर्तमान सरकार के 100 दिन के कार्यकाल में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों के विकास के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने पहले 100 दिनों और अगले पांच वर्षों के जनहित के एजेंडे को बेहतर ढंग से लागू करने के लिए अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने–अपने विभागों में 'सिटिज़न चार्टर' पर विशेष फोकस करते हुए इसे गंभीरता से लागू करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम अनाउंसमेंट पोर्टल को निरंतर अपडेट करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जन संवाद के माध्यम से आये सभी काम या आवेदन को अधिकारी गंभीरता से लेकर उनका समाधान सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी प्रशासनिक सचिव अपने–अपने अधीन विभागों में औचक निरीक्षण करें ताकि जनहित के कार्यों में किसी प्रकार का कोई विलम्ब न हो। उन्होंने कहा कि विभागों में पर्सनल हियरिंग से सम्बंधित सभी लंबित मामलों का जल्द से जल्द निपटान करना सुनिश्चित करें। साथ ही, अधिकारी अपने–अपने विभाग की 5 साल की लघु, मध्यम और दीर्घकालीन योजनाओं का टाइमलाइन तय करते हुए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी ई–ऑफिस कार्यप्रणाली को पूर्ण रूप से अपनाते उसे सीएम डैशबोर्ड के साथ लिंक करना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी सरकारी कार्यालय के रिकॉर्ड का रखरखाव करने के लिए भी उचित प्रबंध करना सुनिश्चित करें। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश सरकार द्वारा आढ़तिया कमीशन 46 रुपये प्रति क्विंटल को बढ़ाकर 55 रुपये प्रति क्विंटल किया गया था जिसके तहत अब तक 309 करोड़ से अधिक की राशि आढ़तियों को जारी की जा चुकी है। इसके अलावा, बैठक में अन्य विभागों की जनकल्याणकारी निर्णयों और योजनाओं की भी जानकारी दी गई।

हरियाणा में शुरू होगी हाई स्पीड नमो भारत ट्रैन

चंडीगढ़,16 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। दिल्ली–एनसीआर की तर्ज पर अब हरियाणा में भी हाई स्पीड नमो भारत ट्रेन चलने जा रही है। इससे न सिर्फ प्रदेश के लोगों को तेज और आरामदायक सफर मिलेगा, बल्कि हरियाणा की कनेक्टिविटी भी कई गुना बेहतर हो जाएगी। इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए हरियाणा सरकार ने कमर कस ली है और इसे जल्द ही धरातल पर उतारने की तैयारी जोरों पर है।

हरियाणा सरकार ने रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) प्रोजेक्ट के तहत नमो भारत ट्रेन के लिए 34,000 करोड़ रुपये की भारी भरकम लागत को मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट का मकसद दिल्ली और हरियाणा के बीच यातायात को आसान और सुगम बनाना है। इसके तहत हाई स्पीड ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिससे यात्रियों को जाम और लंबी यात्राओं से राहत मिलेगी। इस प्रोजेक्ट के तहत हरियाणा में कुल 9 स्टेशन बनाए जाएंगे। ये स्टेशन उन शहरों में होंगे, जहां पर यातायात का दबाव बहुत अधिक है और लोगों को रोजाना यात्रा करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इन स्टेशनों से दिल्ली और हरियाणा के विभिन्न इलाकों में आना–जाना बेहद आसान हो जाएगा।

ाल ही में हरियाणा की सैनी सरकार ने इस परियोजना को हरी झंडी दे दी है। अब विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को शहरी विकास एवं आवास मंत्रालय से मंजूरी मिलनी बाकी है। डीपीआर को मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य में तेजी आ जाएगी। इस ट्रेन के शुरू होने से दिल्ली और हरियाणा के बीच यात्रा पहले से कहीं ज्यादा आसान हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भी लगाई संगम में डुबकी

बोले, महाकुंभ दे रहा दुनिया को एकता का संदेश

महाकुंभ नगर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में 10 देशों के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने संगम क्षेत्र में स्थित विभिन्न अखाड़ों का दौरा किया। इस यात्रा में उन्होंने न केवल महाकुंभ के धार्मिक महत्व को समझा बल्कि भारतीय संस्कृति के अद्भुत पहलुओं को भी अनुभव किया। त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के बाद प्रतिनिधि दल ने समूचे महाकुंभ क्षेत्र का दौरा किया।

जिससे उन्हें इस विशाल धार्मिक आयोजन की व्यापकता साक्षात देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने दुनिया के इस सबसे बड़े आयोजन के भव्य इंतजाम के लिए योगी सरकार की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ दुनिया को एकता का संदेश दे रहा है। भारतीय संस्कृति को देखने और समझने के लिए सभी देशों के लोगों को यहां महाकुंभ नगर जरूर आना चाहिए।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की प्रतिनिधि सैली एल अजाब ने कहा कि वो मध्य पूर्व से भारत आई हैं। यह एक अद्भुत क्षण है। यह दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है।

यहां सब कुछ पूरी तरह से व्यवस्थित है। उन्होंने महाकुंभ की भव्यता की तारीफ करते हुए बताया कि यह आयोजन न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को एकता का संदेश दे रहा है। उन्हें यहां करोड़ों श्रद्धालुओं और उनकी विधिवत सुरक्षा व्यवस्था को देखकर भारतीय संस्कृति की महानता का अहसास हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल ने महाकुंभ के दौरान विभिन्न अखाड़ों का भ्रमण किया। यहां उन्होंने साधु-संतों से मुलाकात की और महाकुंभ के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जाना। साधु-संतों ने महाकुंभ की प्राचीन परंपराओं, अखाड़ों की भूमिका और भारतीय संस्कृति की महिमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि संतों के विचारों से गहरे प्रभावित हुए और उन्होंने भारतीय धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

महाकुंभ का आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भ में भी एकता का प्रतीक है। महाकुंभ के दौरान 10 देशों के 21 प्रतिनिधियों ने इस आयोजन की भव्यता और उसकी वैश्विक पहचान को नजदीक से महसूस किया। महाकुंभ ने दुनिया को यह संदेश दिया कि दुनिया के विभिन्न कोनों से लोग एकत्रित हो सकते हैं, भले ही उनकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अलग-अलग क्यों न हो।

महाकुंभ में फिजी, फिनलैंड, गुयाना, मलेशिया, मॉरीशस, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, त्रिनिदाद और टोबैगो और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि पहुंचे हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल ने महाकुंभ का दौरा करके भारतीय संस्कृति की विविधता और धार्मिक एकता का अनुभव किया। सभी यहां की संस्कृति से अभिभूत नजर आए।उनके लिए यह यात्रा न केवल एक धार्मिक अनुभव है, बल्कि एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा लेने का भी एक शुभ अवसर है।

गाजियाबाद की इनोवेटिव चक्की बनी महाकुंभ की शान

पैरों से चलने वाली आटा चक्की प्रदर्शनी में हिट

महाकुंभ नगर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 में ओडीओपी प्रदर्शनी में गाजियाबाद की इंजीनियरिंग कंपनी का एक अनोखा उत्पाद लोगों का ध्यान खींच रहा है। पैरों से चलने वाली यह आटा चक्की, न केवल ताजा आटा तैयार करती है, बल्कि इसे इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति व्यायाम कर फिट भी रह सकता है। श्रद्धालुओं के लिए यह मशीन मुफ्त में आटे की पिसाई कर रही है। मीडिया सेंटर के पास लगी इस प्रदर्शनी में लोग बड़ी संख्या में इस अनोखी चक्की को देखने और इस्तेमाल करने आ रहे हैं। मशीन केवल 20 मिनट में 1 किलो गेहूं, मक्का, ज्वार या बाजरा का महीन आटा तैयार कर देती है।

इसे घर में एक छोटे जिम की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। मशीन को चलाने के लिए व्यक्ति को पैडल मारने की जरूरत होती है, जिससे शरीर की कसरत भी हो जाती है। गाजियाबाद की कंपनी के एक प्रतिनिधि ने बताया, यह मशीन खास तौर पर उन लोगों के लिए बनाई गई है, जिन्हें जिम या योगा के लिए समय नहीं मिलता। महिलाएं इसे घर पर आसानी से चला सकती हैं और ताजा आटे की रोटियां भी बना सकती हैं।

मशीन को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि जब भी व्यक्ति पैडल मारता है, मशीन में डाला गया कच्चा अनाज पीसकर बाहर आटे के रूप में निकलता है। यह साइकिल जैसी दिखने वाली मशीन बिजली से चलने वाली चक्की का विकल्प है और पर्यावरण के अनुकूल है। ओडीओपी प्रदर्शनी में यह मशीन लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है।

श्रद्धालु इसे देखकर न केवल उत्साहित हैं, बल्कि इसे अपने घर में लगाने की योजना भी बना रहे हैं। मशीन की सरलता और उपयोगिता इसे बाकी प्रदर्शनी के उत्पादों से अलग बना रही है। गाजियाबाद की इस अनोखी आटा चक्की ने महाकुंभ 2025 में नवाचार और परंपरा के समन्वय का एक नया उदाहरण पेश किया है।

संस्कृति संगम में शंकर महादेवन ने जीवंत किया सुर-संगम

महाकुंभनगर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों का एक अद्भुत संगम है।

गंगा पंडाल में संस्कृति विभाग के विशेष कार्यक्रम संस्कृति का संगम में प्रसिद्ध गायक और संगीतकार शंकर महादेवन ने अपने गीतों से गंगा पंडाल को भक्तिमय बना दिया। मशहूर संगीतकार शंकर महादेवन ने महाकुंभ जैसे पवित्र आयोजन का हिस्सा बनने को अपना सौभाग्य बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। उद्घाटन समारोह में उन्होंने चलो कुंभ चले गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से सराबोर कर दिया। इसके बाद उन्होंने गणेश वंदना गाकर पूरे पंडाल को गुंजायमान कर दिया

गंगा पंडाल में 24 फरवरी तक प्रतिदिन भव्य सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन होगा। इसमें देशभर के प्रतिष्ठित गायक, संगीतकार और नृत्य कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। महाकुंभ के इस अलौकिक आयोजन में कैलाश खेर, कविता सेठ, नितिन मुकेश, सुरेश वाडेकर, हरिहरन, कविता कृष्णमूर्ति समेत कई नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। महाकुंभ का अद्भुत रात्रि दृश्य आस्था की रोशनी से जगमगाता है, जहां लाखों श्रद्धालु संगम में स्नान कर अपनी आत्मशुद्धि का अनुभव करते हैं। यह आयोजन न केवल भारतीय संस्कृति की भव्यता को दर्शाता है, बल्कि एकता और सद्भाव का संदेश भी देता है। महाकुंभ भारतीय कला, संस्कृति और अध्यात्म का एक भव्य मंच है, जहां लोक संगीत, शास्त्रीय नृत्य और नाट्य कलाएं श्रद्धालुओं को भक्ति और आस्था की अद्भुत अनुभूति कराएंगी। इस अवसर पर महापौर गणेश शंकर केसरवानी, विधायक पूजा पाल समेत जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

इंग्लैंड के जैकब बने जय किशन सरस्वती

संगम में डुबकी लगा कर सनातनी हुए जैकब

महाकुंभ नगर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज के महाकुंभ में संगम तट पर सनातन संस्कृति की अनुपम छठा बिखरी हुई है। एक ओर साधु, संन्यासी, संत, कथावाचक ज्ञान और वैराग्य की गंगा बहा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर पीढ़ियों से सनातन परंपरा के वाहक करोड़ों श्रद्धालु मोक्ष की कामना से संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। देश के कोने-कोने से आये साधु,संत और श्रद्धालु भारती की सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ सनातन आस्था की आध्यात्मिक ऊर्जा से विश्व भर का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रहे हैं। सनातन संस्कृति की इसी आध्यात्मिक शक्ति से अभिभूत हुए इंग्लैंड के रहने वाले जैकब, अब संन्यास ग्रहण कर जय किशन सरस्वती बन चुके हैं।

महाकुंभ में भारत देश और सनातन संस्कृति से प्रभावित होकर फ्रांस, इंग्लैंड, बेल्जियम, कनाडा, इक्काडोर, ब्राजील जाने किस-किस देश से पर्यटक प्रयागराज में संगम तट की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। उन्हीं में से एक इंग्लैंड के मैनचेस्टर के रहने वाले जैकब, सनातन संस्कृति और उसकी आध्यात्मिक शक्ति से इतने प्रभावित हुए की पूरी तरह से उसके रंग में रंग कर संन्यास तक ग्रहण कर चुके हैं। जैकब ने बताया कि वो लगभग 10 वर्षों से भारत में ही रह रहे हैं। उन्होंने भारत में काशी, हरिद्वार,ऋषिकेश,मथुरा, वृंदावन, उज्जैन समेत पुरी जैसी धार्मिक नगरों की यात्रा की है। प्रयागराज और यहां के महाकुंभ में वो पहली बार आये हैं। जैकब ने बताया कि उन्होंने हरिद्वार के महाकुंभ में जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर उमाकांतानंद से दीक्षा ले कर संन्यास ग्रहण किया था। तब से वो जय किशन सरस्वती बन गये हैं।

जय किशन सरस्वती ने बताया कि उन्होंने इंग्लैंड के मैनचेस्टर से बैचलर ऑफ आर्ट्स की पढ़ाई की है। उसके बाद वो इंगलैंड की क्रिएटिव एजेंसी में काम करते थे। शुरू से ही वो भारत की संस्कृति और यहां की आध्यात्मिकता से प्रभावित थे। उन्होंने भागवत गीता का अध्ययन किया और हिंदी तथा संस्कृत भाषा भी सीखी। 2013 में वो काशी देखने भारत आए थे तब से कुछ साल भारत में ही जगह-जगह भ्रमण करते रहे। एक समय उनका सनातन संस्कृति के प्रति झुकाव इतना बढ़ गया कि उन्होंने स्वामी उमाकांतानंद जी से दीक्षा ग्रहण कर संन्यास अपना लिया। तब से वो स्वामी उमाकांतानंद जी के साथ ही प्रवास और भ्रमण करते हैं। प्रयागराज के महाकुंभ में पहली बार उन्होंने जूना अखाड़े के साथ संगम में अमृत स्नान किया। जय किशन सरस्वती का कहना है कि उन्हें जीवन में इससे पहले कभी ऐसी आध्यात्मिक अनुभूति नहीं हुई।

महाकुंभ मेले में हुआ संविधान गैलरी का उद्घाटन

यूपी के संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने किया उद्घाटन

महाकुंभ नगर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 प्रयागराज के अंतर्गत त्रिवेणी मार्ग पर सजाई गई संविधान गैलरी का गुरुवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने उद्घाटन किया।

मंत्री के साथ उपस्थित अतिथियों ने इस अवसर पर संविधान गैलरी में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। संविधान गैलरी में भारतीय संविधान पर आधारित पुस्तकों और ग्रंथों का एक पुस्तकालय भी सजाया गया है।

उद्घाटन समारोह के मौके पर भारतीय सेना के बैंड ने वंदे मातरम समेत कई देशभक्ति गीतों की धुन पर संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जेजे मुनीर उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने की।

उद्घाटन समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने कहा कि संविधान से सारे देश का संचालन होता है। कोई भी समाज संविधान और विधियों के बिना नहीं चलता है। संविधान गैलरी जैसे प्रयासों से नई पीढ़ी को इसके बारे में अवगत कराने में मदद मिलेगी। मुझे आशा है कि ऐसे प्रयत्न आगे भी चलते रहेंगे।

मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विश्वविख्यात समागम में इस गैलरी को आयोजित कर यह प्रयास किया गया है कि मेले में आने वाले लोगों को संविधान के निर्माण, लागू होने और इसके अनुच्छेद के बारे में जानकारी हो। ऑडियो के माध्यम से आप विषय के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल कर सकते हैं। संविधान ऐसा दस्तावेज है, जिससे हमारी पूरी शासन व्यवस्था संचालित होती है। संविधान में संशोधन की प्रक्रिया दी गई है, जिससे समाज की आवश्यकता के अनुसार इसमें संशोधन किया जा सके। हमारी सरकार ने जन भावनाओं के अनुसार इसमें संशोधन किया। एक पार्टी ने लगातार 55 वर्षों तक निजी हितों के लिए संविधान में संशोधन किए। इन लोगों ने संविधान की मूल भावना को बदल दिया।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने कहा कि आज कल संविधान की प्रतियां मंच पर खूब लहराई जाती है। उनके घर में संविधान की मूल प्रति भी नहीं होगी। उन्होंने संविधान पढ़ा भी नहीं होगा। इसकी पहली प्रति हाथ से लिखी गई थी। एक प्रति हिंदी में लिखी गई थी और एक प्रति अंग्रेजी में लिखी गई थी।

संविधान गैलरी में लगी प्रदर्शनी में चित्रों और प्रतिकृतियों के माध्यम से भारतीय संविधान के निर्माण से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं, दस्तावेजों और व्यक्तित्वों के योगदान के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई है। यहां ऑडियो के माध्यम से संविधान सभा की बहसों को प्रस्तुत किया जा रहा है।

इसरो की सफलता अंतरिक्ष की दिशा में लंबी छलांग: योगी

लखनऊ, 16 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) को स्पेस डॉकिंग हासिल करने पर बधाई दी। सीएम ने कहा कि यह इसरो के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह देश के लिए गौरव का क्षण है। मुख्यमंत्री ने टीम इसरो को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के साथ टीम इसरो स्पेस डॉकिंग हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। यह हमारी अंतरिक्ष क्षमताओं की दिशा में लंबी छलांग है। स्पेस डॉकिंग प्रक्रिया को काफी सतर्कता के साथ लॉन्च किया गया।

सीएम ने कहा कि यह उपलब्धि भारत के लिए मील का पत्थर है। यह इसरो के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों के समर्पण और त्याग से संभव हो पाया है। यह उनकी विशेषज्ञता को भी प्रदर्शित करता है। यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। जय हिंद! सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले दशक में स्पेस टेक्नोलॉजी में अद्वितीय उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत ग्रहों के बीच रिसर्च से लेकर रिकॉर्ड तोड़ने वाले उपग्रहों को लॉन्च करने और आज की ऐतिहासिक स्पेस डॉकिंग सफलता हासिल करने के साथ स्पेस रिसर्च को आकार दे रहा है।

महाकुंभ 2025 : यूपी के हस्तशिल्पियों को मिला संगम का बाजार

महाकुंभनगर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 में उत्तर प्रदेश के हस्तशिल्पियों के लिए एक सुनहरा अवसर साबित हो रहा है। प्रयागराज में संगम पर आयोजित इस महायोगिक उत्सव में 6000 वर्ग मीटर क्षेत्र में एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) की शानदार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। यहां कालीन, जरी-जरदोजी, फिरोजाबाद के कांच के खिलौने, बनारस के लकड़ी के खिलौने और अन्य हस्तशिल्प उत्पाद श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

प्रयागराज मंडल के संयुक्त आयुक्त उद्योग, शरद टंडन ने बताया कि 2019 में महाकुंभ से 4.30 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था, जबकि इस बार 35 करोड़ रुपए तक के कारोबार की संभावना है।

इससे रोजगार और छोटे उद्यमियों को नई दिशा मिलेगी। व्यवसाय और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। महाकुंभ में फ्लिपकार्ट ने भी अपना स्टॉल लगाया है। यहां उद्यमियों को अपने प्लेटफॉर्म पर उत्पाद मुफ्त में बेचने का मौका मिल रहा है। फ्लिपकार्ट के स्टॉल पर खरीदारी करने वालों और देखने वालों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

काशी के शिल्पकारों ने लकड़ी के खिलौने, बनारसी ब्रोकेड, मेटल रिपोज, मेटल कास्टिंग जैसे 75 उत्पाद प्रदर्शनी में पेश किए हैं। जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) विशेषज्ञ डॉ. रजनीकांत ने बताया कि उत्तर प्रदेश के 75 जीआई उत्पादों को ओडीओपी योजना के तहत प्रदर्शित किया जा रहा है। इनमें वाराणसी की लाल मिर्च, बनारसी साड़ी, सुर्खा अमरूद, प्रतापगढ़ का आंवला, मिर्जापुर के पीतल बर्तन और गोरखपुर का टेराकोटा शामिल हैं। कुशीनगर के कालीन और फिरोजाबाद के कांच के खिलौने और बर्तन भी प्रदर्शनी का आकर्षण बने हुए हैं। डॉ. रजनीकांत ने बताया कि 75 जीआई उत्पादों में से 34 काशी क्षेत्र से हैं। उन्होंने इन उत्पादों को पहचान और सुरक्षा देने के लिए जीआई टैग दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही, बनारस की ठंडाई, लाल पेड़ा, बनारसी तबला और भित्ति चित्र जैसी विशिष्ट कृतियों को भी दुनिया के सामने लाने की कोशिश हो रही है।

उत्तर प्रदेश एमएसएमई विभाग और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में ओडीओपी योजना का यह आयोजन राज्य के हस्तशिल्प और कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने का एक अभूतपूर्व प्रयास है। महाकुंभ 2025 न केवल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत कर रहा है, बल्कि उद्यमियों के लिए व्यापार का एक विशाल मंच भी बन गया है। जहां देश-विदेश के लोग आकर हस्तशिल्पियों के उत्पादों पसंद कर रहे हैं और खरीद कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुणगान करते नहीं अघाए अमित शाह

गरीबी में जन्मे मोदी ने कभी नकारात्मकता नहीं पाली

वड़नगर (गुजरात), 16 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब परिवार में जन्म लेने के बावजूद कभी भी नकारात्मकता को अपने जीवन का हिस्सा नहीं बनाया। उन्होंने अपनी गरीबी को जरूरतमंदों के प्रति सहानुभूति में बदला और लोगों की भलाई के लिए कड़ी मेहनत की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यह बात कही।

शाह ने कहा कि मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीब लोगों की जिंदगी को बदलने के लिए मकान, शौचालय, पानी, गैस और बिजली कनेक्शन, सस्ती दवाइयां और मुफ्त राशन जैसी सुविधाएं प्रदान की हैं। गृह मंत्री शाह मेहसाणा में पीएम मोदी के गृहक्षेत्र वड़नगर में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया, जिसमें एक पुनर्विकसित स्कूल भी शामिल है, जहां प्रधानमंत्री ने अपनी प्राथमिक शिक्षा हासिल की थी। यह स्कूल साल 1888 में बनाया गया था।

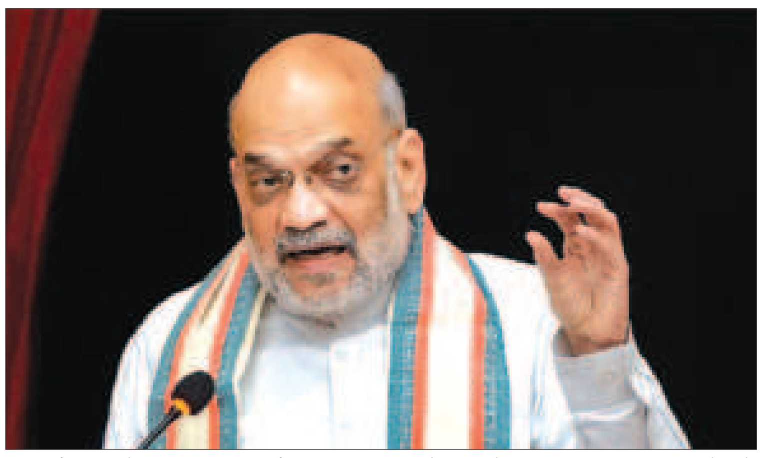

गृह मंत्री ने कहा, मनोविज्ञान में सिखाया जाता है कि जो बच्चा गरीबी और अभाव में अपना बचपन बिताता है,वह नकारात्मकता से प्रेरित होता है। ऐसे बच्चे विनाशकारी सोच और बदले की भावना के साथ बढ़े होते हैं। लेकिन एक गरीब चायवाले के परिवार में जन्म लेने वाले पीएम मोदी ने अपनी गरीबी को जरूरतमंदों के प्रति करुणा में बदल दिया। उन्होंने कहा, जब वह गरीब बच्चा (नरेंद्र मोदी) राज्य का मुख्यमंत्री और फिर देश का प्रधानमंत्री बना, तो उसने कभी भी नकारात्मकता को अपने मन में स्थान नहीं दिया। उसने पूरे देश के गरीबों के लिए काम किया, ताकि कोई और बच्चा उस प्रकार की गरीबी का सामना न करे, जिसका उसने सामना किया था।

उन्होंने कहा, जीवन के शुरुआती वर्षों में मुश्किलों को झेलने के बाद केवल ईश्वर प्रदत्त (गॉड गिफ्टेड) और प्रतिभाशाली बच्चा ही बिना किसी नकारात्मकता के पूरे समाज की भलाई की सोच सकता है।

इस कार्यक्रम के दौरान शाह ने एक पुरातात्विक संग्रहालय और एक खेल परिसर का उद्घाटन भी किया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जब मोदी 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी। उनके प्रयासों के कारण छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर 2014 में घटकर केवल एक फीसदी रह गई, जो उनके मुख्यमंत्री का पद संभालते वक्त 37 फीसदी थी। उन्होंने गुजरात के हर कोने में जाकर लोगों की समस्याओं को समझा और मुख्यमंत्री बनने के बाद उन समस्याओं का समाधान किया।

शाह ने कहा कि मोदी जब अपने सियासी सफर की शुरुआत में भारत के सांस्कृतिक पुनर्निर्माण और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करते थे, तो भाजपा कार्यकर्ताओं को यह समझ नहीं आता था कि यह कैसे वास्तविकता बनेगा। राम लला 500 साल से एक तंबू में थे। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का सपना सच हुआ। इसी तरह जम्मू और कश्मीर में उच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद यह वास्तव में भारत का अभिन्न अंग बन गया।

पंजाब में दो महीनों में 10वां आतंकी हमला

कांग्रेस सांसद के नजदीकी व्यापारी पर ग्रेनेड से हमला

अमृतसर, 16 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में पिछले करीब दो महीनों में ही दसवां आतंकी हमला किया गया है। ताजा मामला अमृतसर जिले के मजीठा स्थित जैंतीपुर में पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री और कांग्रेसी सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा के करीबी शराब ठेकेदार अमनदीप जैंतीपुरिया के घर पर हैंड ग्रेनेड फेंका गया है। हालांकि इसमें कोई जानी नुकसान की फिलहाल कोई सूचना नहीं है लेकिन इस हमले की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल द्वारा ली गई है।

यह पहला मौका है जब बब्बर खालसा इंटरनेशनल द्वारा किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाया गया है जबकि इससे पहले आतंकवादियों ने पुलिस चौकियों व थानों को निशाना बनाते हुए 9 हमले किए थे। शराब ठेकेदार के घर पर हुए इस हमले की सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि रात के समय मोटरसाइकिल पर सवार युवकों में से एक युवक उतरकर अमनदीप के घर की तरफ हैंड ग्रेनेड जैसी कोई चीज फेंक रहा है और बाद में सीसीटीवी में नजर आया कि इस चीज से चिंगारियां निकलीं।

इस हमले के बाद विपक्षी दलों द्वारा पंजाब में लॉ एंड आर्डर की स्थिती पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं जबकि पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया ने ब्यान जारी करते हुए कहा कि सूबे की कानून व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है और जिस परिवार को पहले से ही जबरदस्त थ्रेट हो, उस थ्रेट को गंभीरता से नहीं लिया गया और उस परिवार पर ऐसा हमला हो जाए तो लॉ एंड आर्डर के हालातों का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

इससे पहले आतंकवादियों ने अमृतसर में गुमटाला पुलिस चौकी पर भी ग्रेनेड हमला किया। हालांकि पुलिस ने इसे आतंकी हमला नहीं माना, लेकिन सुरक्षा को मजबूत कर दिया गया है। गुमटाला चौक फ्लाईओवर पर लोहे के बड़े फ्रेम और टिन की चादरों से सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है, साथ ही पुलिस की एक्सयूवी गाड़ी भी तैनात की गई है। आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (इघख) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है, और इसे इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि यह चौकी सेना और वायुसेना के महत्व-पूर्ण क्षेत्र के पास स्थित है।

सीबीएसई ने नामांकन में अनियमितता के लिए 29 स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने गुरुवार को घोषणा की कि उसने नामांकन में अनियमितताओं और शैक्षणिक और अवसंरचनात्मक मानकों को पूरा करने में विफलता से संबंधित कथित उल्लंघनों के लिए दिल्ली और पांच अन्य राज्यों के 29 स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 18 और 19 दिसंबर, 2024 को कई स्थानों पर स्कूलों में औचक निरीक्षण के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। सीबीएसई ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि निरीक्षणों में सीबीएसई के संबद्धता उपनियमों के उल्लंघन, विशेष रूप से छात्र नामांकन प्रथाओं और शैक्षणिक और अवसंरचनात्मक मानकों का पालन न करने का पता चला।

निरीक्षण 18 दिसंबर को दिल्ली में और 19 दिसंबर को बेंगलुरु (कर्नाटक), पटना (बिहार), बिलासपुर (छत्तीसगढ़), वाराणसी (उत्तर प्रदेश) और अहमदाबाद (गुजरात) में हुआ। बयान में कहा गया है, निरीक्षण टीमों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों की सावधानीपूर्वक जांच करने पर, यह पाया गया कि इनमें से अधिकांश स्कूलों ने सीबीएसई संबद्धता उपनियमों का उल्लंघन किया था। पहचाने गए प्रमुख उल्लंघनों में नामांकन अनियमितताएं और शैक्षणिक और अवसंरचनात्मक मानदंडों का पालन न करना शामिल है। कई स्कूलों में छात्रों की वास्तविक उपस्थिति रिकॉर्ड से अधिक छात्रों को नामांकित किया गया था, जिससे गैर-उपस्थित नामांकन का समर्थन किया गया। इसके अतिरिक्त, कई स्कूल शैक्षणिक मानकों और बुनियादी ढांचे के बारे में सीबीएसई दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते पाए गए।

संबंधित स्कूलों को अब सीबीएसई द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जिसमें 30 दिनों के भीतर अपने जवाब देने का निर्देश दिया गया है। बयान में कहा गया है, प्रत्येक स्कूल को संबंधित निरीक्षण रिपोर्ट की एक प्रति प्रदान की गई है और उन्हें 30 दिनों के भीतर अपने जवाब देने का निर्देश दिया गया है।

बोर्ड की ओर से जारी बयान में कहा गया है, सीबीएसई शिक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है और अपने नियमों के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ सख्त कदम उठाना जारी रखेगा। जिन स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उनकी सूची में देश भर के कई संस्थान शामिल हैं। दिल्ली में होप हॉल फाउंडेशन स्कूल, जागृति पब्लिक स्कूल, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, जेएन इंट स्कूल और नव ज्ञान दीप पब्लिक स्कूल जैसे स्कूल उल्लंघन करने वालों में शामिल हैं। अन्य में एसडी मेमोरियल विद्या मंदिर, नवयुग कॉन्वेंट स्कूल और सीआर ओएसिस कॉन्वेंट स्कूल शामिल हैं।

बेंगलुरु में श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल और नारायण ओलंपियाड स्कूल का निरीक्षण किया गया। पटना के सत्यम इंटरनेशनल और एकलव्य एजुकेशनल कॉम्प्लेक्स भी सीबीएसई मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। वाराणसी में राज इंग्लिश स्कूल, हैप्पी मॉडल स्कूल और सेंट केसी मेमोरियल इंग्लिश स्कूल की जांच की गई, जबकि अहमदाबाद में निर्माण हाई स्कूल और द न्यू ट्यूलिप इंटरनेशनल स्कूल में भी इसी तरह की समस्याएं सामने आईं।

अडाणी के खिलाफ झूठा शिगूफा छोड़ने वाली संस्था हिंडनबर्ग बंद

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। अडाणी समूह समेत कई सारी भारतीय संस्थाओं पर झूठे आर-ोप लगाकर सियासी भूचाल लाने वाली अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडबर्ग रिसर्च को बंद किया जा रहा है। इसका ऐलान इसके संस्थापक नैट एंडरसन ने खुद ही किया है। एंडरसन का कहना है कि जिस उद्देश्य से कंपनी को शुरू किया गया था, उसके पूरा होने के बाद अब इसे बंद करने की योजना है।

हिंडनबर्ग ने अपनी बेवसाइट के जरिए इसकी जानकारी दी है। इसके साथ ही एंडरसन ने अपने बयान में कहा कि ये एक दीर्घकालिक योजना का हिस्सा था। कंपनी बंद करने के लिए

किसी प्रकार की धमकी या दबाव नहीं है। गौरतलब है कि हर दिन कई कंपनियां बंद होती है, लेकिन हिंडनबर्ग की चर्चा इसलिए, क्योंकि ये वही खोजी बेवसाइट है, जिसने भारत की राजनीति और व्यापार जगत को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया था। हिंडनबर्ग रिसर्च वही खोजी बेवसाइट है, जिसने अडाणी समूह को 2022 में निशाना बनाया था। इसके बाद देश की सियासत में भूचाल सा आ गया था। हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में अडाणी पर घोटाले का आरोप लगाया था। इसके बाद अडाणी समूह ने इसे झूठ का बंडल करार देते हुए इसे भारत पर हमला करार दिया था।

बाद में ये मामला सुप्रीम कोर्ट में गया। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई और अडाणी समूह को क्लीन चिट दे दिया गया। लेकिन, इस झूठी रिपोर्ट के कारण समूह को अरबों रुपए का नुकसान झेलना पड़ा। बाद में एक बार फिर से बेशर्मी दिखाते हुए 2024 में अडानी पोर्ट को निशाना बनाया, लेकिन फिर एक बार अडाणी समूह को क्लीन चिट मिला। इस घटना को लेकर अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने एक बयान जारी कर कहा था कि पिछले साल जनवरी में वित्तीय बाजार पर हुए हमले के दौरान हमारी लीडरशिप भावना इतनी स्पष्ट नहीं थी। ये विदेश से किया गया शार्ट सेलिंग हमला था, जो को सामान्य वित्तीय हमला नहीं था। ये हमारी वित्तीय स्थिरता को अस्थिर बनाने के लिए किया गया हमला था, जो कि सोची समझी साजिश थी।

छत्तीसगढ़ : दक्षिण बस्तर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए

बस्तर (छत्तीसगढ़) , 16 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर इलाके में गुरुवार को मुठभेड़ के दौरान 12 नक्सली मारे गए, अधिकारियों ने कहा। मुठभेड़ अभी भी जारी है और सुरक्षा बलों द्वारा इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। घटना के बारे में और जानकारी की प्रतीक्षा है। इससे पहले रविवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए थे । बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव के अनुसार, सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए। 2 महिला नक्सलियों और 3 पुरुष नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

इसके अलावा, एसपी ने कहा कि बीजापुर जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जंगलों से कई स्वचालित और अन्य हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं।

अधिकारी ने कहा, 1 एसएलआर राइफल, 12 बोर राइफल, सिंगल शॉट राइफल, बीजीएल लांचर और अन्य हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए एसपी जितेंद्र यादव ने कहा, 11 जनवरी को बीजापुर जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के मद्देड़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत बांदेपारा-कोरेंजेड जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बल की एक टीम माओवाद विरोधी अभियान पर गई थी। एसपी ने कहा, ऑपरेशन के दौरान, रविवार सुबह, बांदेपारा-कोरेंजेड जंगल में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी शुरू हुई, जो दोपहर 3-4 बजे तक जारी रही। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान में मारे गए पांच नक्सलियों के शव बरामद हुए, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल थीं, सभी वर्दीधारी थे। बरामद हथियारों में एक एसएलआर राइफल, एक 12 बोर राइफल, दो सिंगल-शॉट राइफल, एक बीजीएल लांचर और एक स्थानीय रूप से निर्मित भारमार बंदूक के साथ-साथ विस्फोटक, माओवादी साहित्य और अन्य नक्सली सामग्री शामिल हैं।

अनेकान्तवाद का प्राचीन सिद्धांत मौजूदा जटिल विश्व में वैश्विक कूटनीति के लिये एक रूपरेखा: धनखड़

नयी दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारतीय दर्शन परंपरा का अनेकान्तवाद का प्राचीन सिद्धांत मौजूदा जटिल विश्व में वैश्विक कूटनीति के लिये एक रूपरेखा प्रदान करता है।

श्री धनखड़ ने गुरुवार को कर्नाटक के धारवाड़ में सुमेरु पर्वत संरचना का उद्घाटन करते हुये कहा कि भारत एक ऐसी भूमि है जहां शाश्वत ज्ञान प्रकाशित होता है और यहीं मानवता को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि हीरे की तरह सत्य के कई पहलू हैं। अनेकांतवाद, बहु

दृष्टिकोणों का भारत का प्राचीन सिद्धांत, आज की जटिल दुनिया में वैश्विक कूटनीति के लिए एक रूपरेखा देता है। अनेकान्तवाद में अभिव्यक्ति और संवाद की भावना समाहित है। मानवता की अधिकांश समस्यायें इसलिये उत्पन्न होती हैं क्योंकि अभिव्यक्ति से समझौता किया जाता है और संवाद नकारात्मक होता है।

उन्होंने कहा कि तीन रत्न, अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकान्तवाद, केवल शब्द नहीं हैं। ये जीवन के तरीके को परिभाषित करते हैं। ये ग्रह पर अस्तित्व के लिये आधार और आधार हैं। ये तीनों एक साथ वैश्विक चुनौतियों, हिंसा, अत्यधिक उपभोग और वैचारिक ध्रुवीकरण के लिये गहन समाधान प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे मठ और मंदिर केवल पूजा के स्थान नहीं हैं। वे सामाजिक परिवर्तन की जीवंत संस्थाएँ हैं, जो समकालीन चुनौतियों का समाधान करने के लिये प्राचीन ज्ञान को अपनाती हैं।

उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति के अधिकार को तभी सार्थक बना सकते हैं, जब संवाद में विश्वास किया जाये। संवाद दूसरा दृष्टिकोण प्रदान करता है। केवल अपने ही दृष्टिकोण को सही मानने का अहंकार नहीं करना चाहिये। संवाद में शामिल होकर अपने आस-पास के बुद्धिमान लोगों की सलाह पर ध्यान देना चाहिए और यही अनेकान्तवाद में कहा गया है।

सिंगापुर के राष्ट्रपति का राष्ट्रपति भवन में पारंपरिक स्वागत

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)। भारत यात्रा पर आये सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम का गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में पारंपरिक स्वागत किया गया। उनका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत करेंगे।

राष्ट्रपति भवन में स्वागत के बाद सिंगापुर के राष्ट्रपति राजघाट गए जहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , एक करीबी साथी का स्वागत। सिंगापुर के राष्ट्रपति का भारत की पहली राजकीय यात्रा पर औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।पोस्ट में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति थर्मन का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गर्मजोशी से स्वागत किया।

राष्ट्रपति थर्मन कल से दो दिन के लिए ओडिशा के दौरे पर भी जायेंगे।भारत और सिंगापुर के बीच मैत्री, विश्वास और आपसी सम्मान की लंबी परंपरा पर आधारित व्यापक सहयोग संबंध हैं। राष्ट्रपति थर्मन की यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है, जिसे पिछले साल सितंबर में प्रधानमंत्री मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया था। इस यात्रा से भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के समारोह की शुरुआत भी होगी।

ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश के बाद

जम्मू-कश्मीर के डोडा में तापमान में गिरावट

डोडा (जम्मू और कश्मीर), 16 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के डोडा जिले में बर्फबारी का एक नया दौर आया है, डिप्टी कमिश्नर (डीसी) हरविंदर सिंह ने गुरुवार को घोषणा की। अधिकारी के अनुसार, डोडा के ऊपरी इलाकों तक सीमित वर्षा से क्षेत्र के बागवानी और कृषि क्षेत्रों को राहत मिलेगी।

डोडा में भद्रवाह घाटी में दिन के दौरान बर्फबारी का एक नया दौर आया, जैसा कि निकटवर्ती भालेसा क्षेत्र में हुआ, जो कि सफेद बर्फ से ढका हुआ था। इस बीच, जम्मू संभाग के एक अन्य जिले पुंछ में भी ताजा बर्फबारी हुई। यह बर्फबारी का दूसरा दौर है, और आम जनता, किसान और बाग मालिक खुश हैं। बर्फबारी क्षेत्र की फसलों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है, क्योंकि यह आवश्यक नमी और कठोर मौसम की स्थिति से सुरक्षा प्रदान करती है। वास्तव में, बर्फबारी फसलों के स्वास्थ्य और उत्पादकता के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर ठंडे जलवायु वाले क्षेत्रों में, डोडा के डीसी सिंह ने एएनआई को बताया। हालांकि, उन्होंने ताजा बर्फबारी से जुड़े सामान्य जोखिमों को भी ध्यान में रखते हुए कहा कि बर्फबारी अपने साथ दुर्घटनाओं और व्यवधानों का जोखिम लेकर आती है। डीसी सिंह ने सभी विभागों को सतर्क रहने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि वाहन विभाग को विशेष रूप से अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि बर्फबारी के बाद सड़कें फिसलन भरी और बर्फीली हो जाती हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

अधिकारी ने आगे बताया कि डोडा के मैदानी इलाकों में बारिश हुई है, उन्होंने कहा, डोडा के लोग रिपोर्ट कर रहे हैं कि जिले के मैदानी इलाकों में बारिश हुई है, जिससे तापमान में काफी गिरावट आई है।

डीसी ने कहा, परिणामस्वरूप, पूरे जिले में ठंड का मौसम बढ़ गया है... डोडा के मैदानी इलाकों में बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है, जिससे मौसम और ठंडा हो गया है। भद्रवाह-बशोली-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग की बहाली के बाद कश्मीर घाटी में बर्फबारी के दौर से निपटने के लिए, बड़ी संख्या में पर्यटक जम्मू और कश्मीर के भद्रवाह क्षेत्र, विशेष रूप से गुलदांडा घास के मैदान में उमड़ पड़े, क्योंकि जनवरी की शुरुआत में भारी बर्फबारी हुई थी। लगभग 10,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित गुलदांडा देश भर के पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बन गया है। भद्रवाह विकास प्राधिकरण (बीडीए) के प्रचार अधिकारी आमिर रफीक के अनुसार, पिछले वर्ष भद्रवाह के विभिन्न हिस्सों में 5 लाख से अधिक पर्यटकों ने भ्रमण किया।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी के बढ़े भाव

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां)।

एक दिन की मामूली गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये से लेकर 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये से लेकर 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में उछाल आया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 80,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 73,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट्स के नियम बदले, सेबी ने जारी की नई गाइडलाइंस

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट्स में नॉमिनेशन के

नियम कुछ बदल दिए हैं। इन नए नियमों के तहत निवेशक अब अपने डीमैट खाते या म्यूचुअल फंड फोलियो में अधिकतम 10 व्यक्तियों को नॉमिनी बना सकते हैं। यह संशोधित नियम 1 मार्च, 2025 से लागू होगा। सेबी का यह नया बदलाव निवेशकों के संपत्ति वितरण को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने और क्लेम न की जाने वाली संपत्तियों की संख्या को कम करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। अक्सर निवेशकों के निधन या गंभीर बीमारी की स्थिति में परिवार के सदस्य संपत्ति को लेकर विवादों में उलझ जाते हैं या कोई व्यक्ति क्लेम नहीं करता। इस स्थिति से निपटने के लिए सेबी ने यह कदम उठाया है। अब निवेशकों को नॉमिनी का पूरा विवरण देना होगा, जिसमें फोन नंबर, ईमेल, पता, आधार नंबर, पैन नंबर, ड्राइविंग लाइसेंस नंबर जैसी जानकारी शामिल होगी और नॉमिनी के साथ रिश्ते को भी स्पष्ट करना होगा। इसके अलावा, नॉमिनी का निर्धारण केवल निवेशक द्वारा किया जा सकेगा, न कि उनके पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) द्वारा। नई गाइडलाइनों के अनुसार, म्यूचुअल फंड और डीमैट अकाउंट में नामित व्यक्ति को अन्य नॉमिनियों के साथ जॉइंट होल्डर बनने या अलग फोलियो बनाने का विकल्प होगा। इसके साथ ही, रजिस्टर्ड नॉमिनी को एसेट ट्रांसफर करने के लिए मृत निवेशक का डेथ सर्टिफिकेट और नॉमिनी का केवाईसी पूरा होना जरूरी होगा ।

जियो प्लेटफॉर्म्स ने पॉलीगॉन लैब्स के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने भारत में वेब3 प्रौद्योगिकी में अपना पहला कदम रखा। उन्होंने

पॉलीगॉन प्रोटोकॉल्स की डेवलपर शाखा पॉलीगॉन लैब्स के साथ साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के माध्यम से जियो प्लेटफॉर्म्स अपने ग्राहकों के लिए वेब3 क्षमताओं को अपने अनुप्रयोगों और सेवाओं में शामिल करने की योजना बना रहे हैं। जेपीएल के सीईओ ने इस साझेदारी को एक महत्वपूर्ण कदम बताया और डिजिटल उत्कृष्टता की दिशा में जियो की यात्रा में महत्वपूर्ण निर्देशक माना। वेब3 प्रौद्योगिकी ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पर आधारित है जो सुरक्षा और अनुभव को मजबूत बनाती है और उपयोगकर्ताओं को उनके डेटा पर नियंत्रण भी प्रदान करती है। यह साझेदारी भारतीय डिजिटल उद्यमिता को और भी अग्रणी बनाएगी। इस साझेदारी से जियो प्लेटफॉर्म्स अपने ग्राहकों को और अधिक उन्नत और सुरक्षित अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) ने भारत में वेब3 प्रौद्योगिकी में अपनी शुरुआत के लिए पॉलीगॉन प्रोटोकॉल्स की डेवलपर शाखा पॉलीगॉन लैब्स के साथ साझेदारी की है। पॉलीगॉन लैब्स ने यह जानकारी दी। इस साझेदारी के तहत जियो प्लेटफॉर्म्स अपने 45 करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए आरआईएल समूह की कंपनी के स्वामित्व तथा संचालन वाले अपने कुछ मौजूदा अनुप्रयोगों व सेवाओं में वेब3 क्षमताओं को जोड़ने की योजना बना रहा है। जेपीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पॉलीगॉन लैब्स के साथ जुड़ना डिजिटल उत्कृष्टता की दिशा में जियो की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम वेब3 की असीम संभावनाओं का पता लगाने और अपने उपयोगकर्ताओं को अद्वितीय डिजिटल अनुभव प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं।

फिक्की ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.4 फीसदी किया

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। इससे पहले उद्योग मंडल ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सात फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान जताया था।

फिक्की की ओर से जारी आर्थिक परिदृश्य सर्वेक्षण के ताजा अनुमान के अनुसार संशोधित अनुमान व्यापक अपेक्षाओं के अनुरूप है। फिक्की के आर्थिक परिदृश्य सर्वेक्षण के नवीनतम दौर में चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.4 फीसदी की वार्षिक औसत जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वर्तमान सर्वेक्षण में पूर्वानुमान पिछले वर्ष सितंबर के महीने में आयोजित पिछले दौर में 2024-25 के लिए लगाए गए 7.0 फीसदी अनुमान से कम है।

उद्योग मंडल ने कृषि क्षेत्र, संबद्ध गतिविधियों सहित वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जारी अनुमान में 3.6 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई है। दूसरी ओर उद्योग और सेवा क्षेत्रों में वित्त वर्ष 2024-25 में क्रमशः 6.3 फीसदी और 7.3 फीसदी की वृद्धि का अनुमान जताया है। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में सुधार, त्योहारी मांग और मानसून के बाद औद्योगिक गतिविधि के सामान्य होने से चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि एक फरवरी, 2025 को पेश होने वाला 2025-26 का केंद्रीय बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और धीमी होती घरेलू वृद्धि के बीच आ रहा है। इसे देखते हुए आगामी केंद्रीय बजट में सरकार की नीति को आकार दे सकती हैं। दरअसल, फिक्की का ताजा अनुमान वित्त वर्ष 2023-24 में दर्ज वृद्धि दर की तुलना में काफी कम है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी के अपने पहले अग्रिम अनुमान में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई है, जो आरबीआई के 6.6 के अनुमान से कम है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी की वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी।

भारत में थीमैटिक फंड्स ने बीते साल शुद्ध संग्रह में 488 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की

मुंबई,16 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले साल थीमैटिक फंड्स ने शुद्ध संग्रह (नेट कलेक्शन) में 488 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की। सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स ने संग्रह में 1,09,711 करोड़ रुपये हासिल किए, जो कि कुल शुद्ध संग्रह का 34 प्रतिशत रहा। बुधवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।वेंचुरा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में कुल शुद्ध संग्रह में मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी ने कुल मिलाकर 56 प्रतिशत का योगदान दिया, इसके बाद एफएमसीजी ने 9 प्रतिशत, बिजनेस साइकिल ने 6 प्रतिशत और पीएसयू ने 5 प्रतिशत का योगदान दिया।

सेक्टोरल और थीमैटिक स्कीम के तहत, बिजनेस साइकिल फंड का शुद्ध संग्रह 2023 में 103 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 6,841 करोड़ रुपये रहा। एनर्जी सेक्टर ने 2023 में 470 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 में 23,964 करोड़ रुपये एकत्र किए। पिछले साल लार्ज कैप के तहत शुद्ध संग्रह 2023 में -3,768 करोड़ रुपये की तुलना में 17,404 करोड़ रुपये रहा।

चार आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुले

एक मेनबोर्ड आईपीओ स्टेलियान इंडिया का, जबकि तीन एसएमई आईपीओ हैं

मुंबई,16 जनवरी (एजेंसियां)।

इस हफ्ते 4 आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुले हैं, जिनमें अच्छा-खासा ग्रे मार्केट प्रीमियम देखने को मिल रहा है। इनमें से एक मेनबोर्ड आईपीओ स्टेलियान इंडिया का है, जबकि तीन एसएमई आईपीओ हैं। यह 88.32 करोड़ रुपए का एक एसएमई आईपीओ है। यह आईपीओ 15 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और 17 जनवरी को बंद होगा। शेयरों का अलॉटमेंट 20 जनवरी और लिस्टिंग 22 जनवरी को हो सकती है। ग्रे मार्केट में कंपनी का शेयर 86 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 70 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड करता दिखा है। इस तरह यह शेयर 81.40 फीसदी के प्रीमियम के साथ 156 रुपए पर लिस्ट हो सकता है। यह आईपीओ अब तक 8.47 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। यह 40 करोड़ रुपए का एक एसएमई आईपीओ है। यह आईपीओ 15 जनवरी को खुला था और 17 जनवरी को बंद होगा। शेयरों का अलॉटमेंट 20 जनवरी को और लिस्टिंग 22 जनवरी को हो सकती है। इस आईपीओ में एक लॉट 1000 शेयरों का है। यह आईपीओ अब तक 12.52 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। ग्रे मार्केट में कंपनी का शेयर 128 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 90 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड करता दिखा। इस तरह इस शेयर की लिस्टिंग 70.31 फीसदी के प्रीमियम के साथ 218 रुपए पर हो सकती है। यह 199.45 करोड़ रुपए का एक मेनबोर्ड आईपीओ है। यह आईपीओ 16 जनवरी यानी सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन है और 20 जनवरी को बंद होगा। 21 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट होगा और 23 जनवरी को स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयर की लिस्टिंग होगी। इस आईपीओ में एक लॉट 165 शेयरों का है। ग्रे मार्केट में यह शेयर 90 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 48 फीसदी के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। इस तरह यह शेयर 53.33 फीसदी के प्रीमियम के साथ 138 रुपए पर लिस्ट हो सकता है।

व्हाटसऐप के अकाउंड्ट्स बैन

व्हाटसऐप के 76 लाख से ज्यादा अकाउंड्ट्स भारत में बैन

निजी वाहनों के लिए टोल संग्रह के बदले मासिक और वार्षिक पास शुरू होगा

वाणिज्यिक वाहनों से आता है टोल राजस्व का 74 प्रतिशत हिस्सा

नई दिल्ली,16 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर निजी वाहनों के लिए टोल संग्रह के बदले मासिक और वार्षिक पास शुरू करने की योजना बना रही है। एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि टोल संग्रह बूथ गांवों के बाहर बनाए जाएंगे। टोल राजस्व का 74 प्रतिशत हिस्सा वाणिज्यिक वाहनों से आता है। हम निजी वाहनों के लिए मासिक या वार्षिक पास शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुल टोल संग्रह में निजी वाहनों की हिस्सेदारी केवल 26 प्रतिशत है, इसलिए सरकार को कोई नुकसान नहीं होगा। गडकरी ने कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शुरुआत में राष्ट्रीय राजमार्गों पर फास्टैग के साथ एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में बाधा रहित वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली को लागू करने का फैसला किया है। ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली वर्तमान टोल संग्रह प्रणाली से बेहतर होगी। पिछले साल जुलाई में गडकरी ने कहा था कि जीएनएसएस आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के संबंध में कर्नाटक में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-275 के बेंगलुरु-मैसुरु खंड और हरियाणा में एनएच-709 के पानीपत-हिसार खंड पर एक प्रायोगिक अध्ययन किया गया है। इस कदम का उद्देश्य यातायात की भीड़ को कम करना और राजमार्गों पर यात्रा के लिए सटीक दूरी के आधार पर शुल्क लेना है।

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान टोल प्लाजा पर वाहनों के लिए औसत प्रतीक्षा समय आठ मिनट था। वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान फास्टैग की शुरुआत के साथ वाहनों का औसत प्रतीक्षा समय घटकर 47 सेकंड रह गया है। यद्यपि कुछ स्थानों पर, विशेषकर शहरों के निकट घनी आबादी वाले कस्बों में प्रतीक्षा समय में काफी सुधार हुआ है, फिर भी व्यस्त समय के दौरान टोल प्लाजा पर कुछ देरी होती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम मोदी ने...

इसरो ने कहा, भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। डॉकिंग, अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने की प्रक्रिया को कहते हैं। इसके बाद दोनों उपग्रहों के बीच चालक दल के सदस्यों, सामान और उपकरणों की आपूर्ति हो सकती है।

इसरो के लिए तीसरे...

इस लांच पैड को यथासंभव सार्वभौमिक और अनुकूल विन्यास के लिए डिज़ाइन किया गया है जो न केवल एनज-ीएलवी बल्कि सेमीक्रायोजेनिक चरण के साथ एलवीएम3 वाहनों के साथ-साथ एनजीएलवी के बढ़े हुए विन्यास के भी अनुरूप होगा। इसे अधिकतम उद्योग भागीदारी के साथ साकार किया जाएगा। इसमें पहले के लॉन्च पैड स्थापित करने में इसरो के अनुभव का पूरा उपयोग किया जाएगा और मौजूदा लॉन्च कॉम्प्लेक्स सुविधाओं को अधिकतम साझा किया जाएगा।इस लांच पैड को 48 महीने या 4 साल की अवधि में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना पर 3984.86 करोड़ रुपए की लागत आएगी और इसमें लॉन्च पैड तथा संबंधित सुविधाओं की स्थापना शामिल है। यह परियोजना उच्च प्रक्षेपण आवृत्तियों और मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष अन्वेषण मिशनों को शुरू करने की राष्ट्रीय क्षमता को सक्षम करके भारतीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगी।

अगले वर्ष लागू ...

अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसकी सिफारिशें 1 जनवरी 2016 से लागू की गई थीं। इस समय सीमा के आधार पर आठवें वेतन आयोग के 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होने की उम्मीद की जा रही है।आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन और उसकी सिफारिशें स्वीकार होने पर लगभग 49 लाख सरकारी कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों के वेतन पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा और उन्हें इसका लाभ मिलेगा। केंद्रीय वेतन आयोग का गठन समय-समय पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन ढांचे और भत्तों में बदलाव की समीक्षा और सिफारिशों के लिए किया जाता है।

फिल्म अभिनेता...

अब अभिनेता की हालत स्थिर है। वहीं, उनके बाएं हाथ और गर्दन पर भी सर्जरी की गई है। अब अभिनेता की हालत ठीक है और वह खतरे से बाहर हैं। घबराने की कोई बात नहीं है। लीलावती अस्पताल के सीओओ डॉ. नीरज उत्तमानी ने बताया कि अब अभिनेता की हालत बिल्कुल स्थिर है। चिंता की कोई बात नहीं है। उनकी सर्जरी और प्लास्टिक सर्जरी दोनों ही सफल हुई है। फिलहाल, वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं और बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने बताया कि अभिनेता के स्वास्थ्य के मामले में अगले कदम के बारे में शुक्रवार को फैसला किया जाएगा।

दो से ज्यादा...

कहा कि भारत को दक्षिण कोरिया और जापान जैसे अन्य देशों द्वारा की गई गलतियों को नहीं दोहराना चाहिए, जहां जन्मदर में गिरावट आई है।

सड़क निर्माण में ...

सड़क परिवहन सचिव वी उमाशंकर ने इस मौके पर कहा कि सड़क सुरक्षा की पहलों को एक जन आंदोलन में बदलने की जरूरत है और हर दुर्घटना के बिंदु को समझना चाहिए।

नए वर्ष का पहला ...

सहित वैश्विक तकनीकी नेताओं के साथ बातचीत की, जिन्होंने भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में 3 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की। ये चर्चाएं स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने और एक आत्मनिर्भर तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर केंद्रित थीं।5 जनवरी को साहिबाबाद को अशोक नगर से जोड़ने वाले नमो भारत ट्रेन कॉरिडोर के उद्घाटन और ओडिशा, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर में कई रेल बुनियादी ढांचे के विकास के साथ बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं ने गति पकड़ी। ये परियोजनाएं पीएम मोदी के नेतृत्व में परिवहन नेटवर्क के आधुनिकीकरण में भारत की तेजी से प्रगति का प्रतीक हैं।7 जनवरी को पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश में दो ऐतिहासिक परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें आयातित दवा सामग्री पर निर्भरता कम करने के लिए 1,877 करोड़ रुपए की पहल बल्क ड्रग पार्क और ग्रीन हाइड्रोजन हब शामिल है। ग्रीन हाइड्रोजन हब का उद्देश्य प्रतिदिन 1,500 टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। ये प्रयास भारत को अक्षय ऊर्जा और दवा निर्माण में अग्रणी बनाते हैं।9 जनवरी को जीनोम इंडिया परियोजना के उद्घाटन के साथ विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया गया। यह कदम भारतीयों की आनुवंशिक विविधता का मानचित्रण करेगा और आनुवंशिक विकारों के लिए उन्नत स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान करेगा। उसी दिन, प्रधानमंत्री मोदी ने भुवनेश्वर में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन को संबोधित किया, जिसमें भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों और वैश्विक मंच पर उनके योगदान का जश्न मनाया गया।12 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय युवा दिवस और स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर विकसित भारत युवा नेता संवाद में भाग लिया। इस पहल ने युवा नवोन्मेषकों और सफल व्यक्तियों को विचारों का आदान-प्रदान करने और एक विकसित भारत की कल्पना करने के लिए एकजुट किया, जिससे युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।13 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर में सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया, जिससे कनेक्टिविटी में सुधार हुआ और पर्यटन को बढ़ावा मिला, साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा भी बढ़ी। उन्होंने श्रमिकों और इंजीनियरों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उनके प्रयासों के लिए आभार जताया। उस शाम उन्होंने विभिन्न समुदायों के साथ लोहड़ी, पोंगल और मकर संक्रांति मनाई, जिसमें भारत की सांस्कृतिक एकता और विरासत पर जोर दिया गया।15 जनवरी को पीएम मोदी ने नौसेना में नए जहाजों और पनडुब्बियों सहित उन्नत नौसैनिक लड़ाकू जहाजों को शामिल करके एक और मील का पत्थर हासिल किया, जो भारत की बढ़ती समुद्री क्षमताओं को दर्शाता है।

ये कदम हिंद महासागर में एक प्रमुख शक्ति के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।16 जनवरी को, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण इसरो द्वारा उपग्रहों की अंतरिक्ष डॉकिंग के सफल प्रदर्शन के साथ एक और मील का पत्थर साबित हुआ। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।सिर्फ 15 दिनों में, पीएम मोदी के नेतृत्व ने वर्ष 2025 के लिए एक परिवर्तनकारी शुरुआत की है। वैज्ञानिक सफलताओं और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लेकर युवा सशक्तीकरण और सांस्कृतिक उत्सव तक, उनके कार्य एक विकसित भारत के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। जैसा कि पीएम मोदी ने कहा, हम सब मिलकर एक विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं, जहां हर नागरिक एक उज्ज्वल कल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अफजलगंज में संदिग्ध डकैती गिरोह की फायरिंग में एक घायल

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो।

बीदर के एक संदिग्ध डकैती गिरोह का हैदराबाद में पता लगाया गया, जहां वे अपराध करने के बाद छत्तीसगढ़ के रायपुर भागने की कोशिश कर रहे थे। घटना अफजलगंज स्थित रोशन ट्रैवल्स एजेंसी में हुई, जहां दो अज्ञात व्यक्तियों ने अमित कुमार के नाम से रायपुर के लिए टिकट बुक करने की कोशिश की।

टिकट बुकिंग प्रक्रिया के दौरान, ट्रैवल एजेंसी के सहायक जहाँगीर ने नियमित प्रक्रिया के तहत संदिग्धों के सामान की जाँच की। जाँच करने पर, उन्हें बड़ी मात्रा में नकदी मिली, जिससे तुरंत संदेह पैदा हुआ। जब उन्हें एहसास हुआ कि वे पकड़े जाने वाले हैं, तो संदिग्धों में से एक ने बंदूक निकाली और जहाँगीर को गोली मार दी, जिससे वह घायल हो गया। हमले के बाद दोनों संदिग्ध तुरंत घटनास्थल से भाग गए।

रोशन ट्रैवल्स के प्रबंधन ने तुरंत हस्तक्षेप किया और जहांगीर को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका अभी इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जहांगीर की हालत अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। एमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी ने घायल जहांगीर का अस्पताल जाकर हालचाल जाना एवं डॉक्टरों से चिकित्सा के बारे में जानकारी ली।

पुलिस का मानना है कि दोनों संदिग्ध कुख्यात बीदर डकैती गिरोह के सदस्य हैं। पूर्वी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) डॉ. बी. बालास्वामी ने पुष्टि की है कि अपराधियों का पता लगाने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। पुलिस संदिग्धों की तलाश में मदद के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज का भी इस्तेमाल कर रही है।

दिलचस्प बात यह है कि घटना के समय बस स्टेशन पर बीदर के दो कांस्टेबल मौजूद थे। हालांकि, वे संदिग्धों की पहचान करने में विफल रहे, जिससे सवाल उठता है कि क्या वे मामले में शामिल थे या डकैती गिरोह से संबंधित किसी अन्य मामले के लिए यात्रा कर रहे थे।

जांच जारी है क्योंकि पुलिस संदिग्धों और बीदर में डकैती की घटनाओं के बीच संबंध की जांच जारी रखे हुए है।

अधिकारी संदिग्धों का पता लगाने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने के लिए कृतसंकल्प हैं, साथ ही उनका ध्यान सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने पर है कि ऐसी हिंसक घटनाओं का शीघ्रता से समाधान किया जाए।

नुमाइश में मनोरंजन राइड में खराबी से यात्री 25 मिनट फंसे रहे

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में नुमाइश प्रदर्शनी में गुरुवार शाम को एक मनोरंजन सवारी के कारण दर्शकों में हड़कंप मच गया, क्योंकि यह 20 मिनट से ज़्यादा समय तक उल्टी ही फंसी रही। यह घटना ट्रायल रन के दौरान हुई, जिसमें कुछ यात्री सवार थे और बैटरी में समस्या के कारण ऐसा हुआ।यह सवारी, जो चल रहे नुमाइश का हिस्सा थी, बीच हवा में अप्रत्याशित रूप से रुक गई, जिससे यात्री असहज और खतरनाक स्थिति में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सवारी 20 मिनट से अधिक समय तक उलटी लटकी रही, जिससे आस-पास के दर्शकों और आगंतुकों में दहशत फैल गई।प्रदर्शनी सोसायटी के एक अधिकारी के अनुसार, सवारी की खराबी का कारण बैटरी की समस्या थी। मौके पर मौजूद तकनीशियनों ने समस्या को हल करने के लिए तुरंत काम किया, दोषपूर्ण बैटरी को बदल दिया और सवारी की कार्यक्षमता को बहाल कर दिया। सौभाग्य से, घटना के दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।घटना की फुटेज में राइड के अंदर मौजूद यात्री दिखाई दे रहे थे, जिन्हें बाद में राइड के फिर से शुरू होने पर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्रदर्शनी सोसायटी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए गए हैं।

बीआरएस ने 10 दलबदलू विधायकों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए अपने 10 विधायकों की अयोग्यता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में दो अलग-अलग याचिकाएँ दायर की हैं। याचिकाओं में तर्क दिया गया है कि बीआरएस द्वारा नौ महीने पहले शिकायत दर्ज कराने के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष ने अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है।

एक याचिका में, तीन दलबदलू विधायकों - कडियम श्रीहरि, तेलम वेंकटराव और दानम नागेन्द्र के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की गई है।दूसरी याचिका में शेष सात बागी विधायकों - पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी, के. यदैया, डॉ. संजय, अरिकेपुडी गांधी, प्रकाश गौड़, महिपाल रेड्डी और कृष्ण मोहन रेड्डी के खिलाफ रिट याचिका दायर की गई है।बीआरएस पार्टी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हाईकोर्ट के फैसले के छह महीने बाद भी विधानसभा अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की है। पार्टी ने दावा किया कि बागी विधायकों को कोई नोटिस नहीं दिया गया है और अध्यक्ष इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करने में विफल रहे हैं, जिसमें कहा गया था कि अध्यक्ष को ऐसी शिकायतों का तीन महीने के भीतर समाधान करना चाहिए।बीआरएस ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि वह स्पीकर को चार सप्ताह के भीतर इस मामले पर निर्णय लेने का निर्देश दे, तथा कोर्ट से मेघा चंद्रा मामले में निर्धारित दिशा-निर्देशों को लागू करने का आग्रह किया है।

एन. रमेश, ने दमरे के प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक का पदभार संभाला

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एन. रमेश ने दक्षिण मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम) का पदभार संभाला, जो ट्रैक किलोमीटर, परिचालन के पैमाने और आय के मामले में भारत के सबसे बड़े रेलवे क्षेत्रों में से एक है।

उन्होंने 15 जनवरी, 2025 को रेल निलयम, सिकंदराबाद में पदभार ग्रहण किया। वे भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1992 बैच के हैं। उनके पास विज्ञान और कानून (बीएससी, बीए, एलएलबी) में स्नातक की डिग्री है। वर्तमान कार्यभार से पहले, वे दक्षिण पश्चिम रेलवे में मुख्य दावा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। अपने 30 वर्षों के करियर के दौरान, उन्होंने भारतीय रेलवे में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है- जैसे वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी और वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, बैंगलोर डिवीजन; निदेशक/लोक शिकायत और कार्यकारी निदेशक/माननीय रेल मंत्री, नई दिल्ली के समन्वय, दक्षिण पश्चिम रेलवे में मुख्य परिवहन प्रबंधक, मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक और मुख्य दावा अधिकारी। श्री रमेश को भारत सरकार में संयुक्त सचिव के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। रेल मंत्री (2014-2019) के कार्यकारी निदेशक/समन्वय के रूप में काम करते हुए, उन्होंने लागत साझाकरण के आधार पर रेलवे परियोजनाओं को शुरू करने के लिए भारतीय रेलवे के साथ एक समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर करने के लिए सभी राज्य सरकारों के साथ समन्वय किया।

हेल्थी हैदराबाद स्वस्थ योजना की डिजिटल शुरुआत

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जुबली हिल्स अपोलो अस्पताल में गुरुवार को हेल्थी हैदराबाद स्वस्थ योजना की डिजिटल शुरुआत अस्पताल की संयुक्त प्रबंध निदेशक श्रीमती संगीता रेड्डी द्वारा शहर के गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति में की गई।

उन्होंने इस अवसर पर स्वास्थ से संबंधित परीक्षण और निवारण के बारे में जानकारी दी और शहर के विशेषकरर व्यापारी वर्ग जो कि संबल है लेकिन लापरवाही के कारण अपने स्वास्थ्य की अपेक्षा करते हैं उन्हें उचित दरों पर एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह के साथ अपने स्वास्थ्य की संपूर्ण स्थिति से अवगत कराया जाएगा। जिससे वह अपने स्वास्थ में सुधार कर स्वस्थ जीवन जीए।

इस अवसर पर भाजपा व्यापारिक प्रकोष्ठ संयोजक सतीश कुमार जाजू, महेश बैंक चेयरमैन रमेश कुमार बंग, अग्रसेन बैंक अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कानून सलाहकार प्रमोद कुमार केडिया, व्यापारी एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी अमृत कुमार जैन, बसंत बाफना, सुरेश शर्मा, करण बाफना एवं लव फोर काऊ फाउंडेशन के अध्यक्ष जसमत पटेल और अपोलो अस्पताल के विपणन विभाग के शैलेश कुमार मिश्रा उपस्थित थे। सभी ने मानव सेवा ही माधव सेवा के संकल्प को दोहराया इस विशेष योजना की जानकारी उपरोक्त व्यक्तियों से प्राप्त की जा सकती है और सभी ने अपोलो की उक्त योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया।

सांभर चावल में कॉकरोच मिला, शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के बेगमपेट स्थित एक प्रसिद्ध होटल में हुई चौंकाने वाली घटना ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

दो दोस्तों, जीएस राणा और सुरेश ने गुरुवार को दोपहर के भोजन के समय टूरिज्म प्लाजा स्थित लोकप्रिय मिनर्वा होटल में अपने सांभर चावल में एक कॉकरोच पाया।

राणा और सुरेश ने सांभर चावल का ऑर्डर दिया था, तभी उन्हें कथित तौर पर डिश में कॉकरोच मिला। इस घटना से परेशान होकर उन्होंने तुरंत होटल प्रबंधन को इसकी सूचना दी, जिसने इस मामले पर खेद व्यक्त किया। हालांकि, दोनों ने नगर निगम प्रशासन की खाद्य सुरक्षा शाखा में औपचारिक शिकायत दर्ज कराकर मामले को आगे बढ़ाया।

जीएस राणा ने मीडिया से बात करते हुए होटल में स्वच्छता की कमी की आलोचना की, जो अपने लोकप्रिय व्यंजनों और प्रतिष्ठित रखरखाव के लिए जाना जाता है। भोजन में कीड़े मिलना एक गंभीर स्वास्थ्य जोखिम है। इससे खाद्य विषाक्तता और अन्य स्वास्थ्य संबंधी खतरे हो सकते हैं। हमने इस बारे में होटल प्रबंधकों को बताया, और उन्होंने माफ़ी मांगी, लेकिन अभी और काम करने की ज़रूरत है।

राणा और सुरेश अब खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं ताकि होटल के खिलाफ पूरी जांच और उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने अधिकारियों से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त खाद्य सुरक्षा मानकों को लागू करने का आग्रह किया है। इस घटना ने हैदराबाद के रेस्तराँ और होटलों में खाद्य सुरक्षा पर नए सिरे से ध्यान आकर्षित किया है । ग्राहक अब लोकप्रिय भोजनालयों की स्वच्छता प्रथाओं पर सवाल उठा रहे हैं, नियमित निरीक्षण और स्वास्थ्य नियमों के सख्त अनुपालन की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं।फिलहाल, खाद्य सुरक्षा शाखा ने शिकायत के बारे में कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया है। होटल प्रबंधन ने खेद व्यक्त करने के अलावा कोई और टिप्पणी नहीं की है।

शिरडी में भीषण सड़क दुर्घटना, तेलंगाना के एक परिवार के चार श्रद्धालुओं की मौत

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाराष्ट्र के शिरडी में भीषण सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में एक ही परिवार के तेलंगाना के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया।

पुलिस के अनुसार, यादाद्री भुवनागिरी जिले के मोत्कुर नगर पालिका के अंतर्गत आने वाले कोंडागडपा गांव निवासी एक ही परिवार के सदस्य दो दिन पहले साईं बाबा के दर्शन के लिए शिरडी गए थे। साईं बाबा के दर्शन के बाद वे सभी वापस रवाना हो गये। इसी क्रम में, जिस वाहन में वे यात्रा कर रहे थे, वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और सहायता कार्य में जुट गये।

पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना की जांच जारी है। मृतकों की पहचान प्रेमलता (59), वैदिक नंदन (6 महीने), अक्षिता (20) और प्रसन्ना लक्ष्मी (45) के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। कोंडागडपा गांव में दुख का मातम छा गया है।

ऋषि श्रृंग वंशज मनीष अंकित शर्मा द्वारा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी में श्रेष्ठतम सफलता हासिल करने पर सिखवाल प्रगति समाज उपाध्यक्ष एवं समाज बँधुओं द्वारा पुष्पगुच्छ और स्मृतिचिन्ह से उन्हें सम्मानित किया गया ।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर, महिंद्रा हिल्स के अध्यक्ष अरुण डकोतिया को उनके वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई देते हुए राज मित्र मंडल के सुरेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, बृजेश महाराज, अंकित महाराज एवं सभी परोहितगण ।

बेगम बाज़ार निवासी ठाकुर चितरंजन ने 40 साल पहले रात्रि पतंगबाजी की शुरुआत की थी। तत्पश्चात पूरे शहर में रात में भी पतंगबाजी होने लगी। यह अपने आप में एक इतिहास है। उसी सिलसिले को जारी रखते हुए रंजन ठाकुर अपने परिवार के साथ पतंगबाजी कर संक्रांति त्यौहार को मनाया। इस मौके पर उनके साथ में अनीश, ऋषभ, निकिता, अंकिता, आदेश, नंदिनी और उनकी धर्मपत्नी मुकुल उपस्थित थे।

मूसी नदी पर स्थित ऐतिहासिक इमारतों को 2025 के विश्व स्मारकों में शामिल किया गया

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद की सांस्कृतिक विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में मूसी नदी ऐतिहासिक इमारतों को प्रतिष्ठित 2025 विश्व स्मारक निगरानी सूची में शामिल किया गया है। 15 जनवरी को न्यूयॉर्क स्थित विश्व स्मारक कोष (डब्ल्यूएमएफ) द्वारा घोषित यह समावेश बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों और शहरी विस्तार के बीच इन प्रतिष्ठित संरचनाओं को संरक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डालता है।मूसी नदी ऐतिहासिक इमारतें, जिनमें हाई कोर्ट, स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी, उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल, सिटी कॉलेज और पूर्व ब्रिटिश रेजीडेंसी (अब कोटी महिला कॉलेज) जैसी ऐतिहासिक इमारतें शामिल हैं, को उनके सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और वास्तुशिल्प महत्व के लिए मान्यता दी गई है। डब्ल्यूएमएफ ने उल्लेख किया कि ये

इमारतें शहर की नागरिक विरासत को दर्शाती हैं और मूसी रिवरफ्रंट के साथ इसकी पहचान का एक अनिवार्य हिस्सा हैं।यह मान्यता ऐसे महत्वपूर्ण समय पर मिली है जब हैदराबाद तेजी से हो रहे शहरीकरण और पर्यावरण क्षरण से जूझ रहा है। चूंकि शहर इन चुनौतियों का सामना कर रहा है, इसलिए विश्व स्मारक कोष का उद्देश्य इन स्थलों के संरक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना है, ताकि विरासत और पर्यावरण कायाकल्प दोनों का मार्ग प्रशस्त हो सके।2025 विश्व स्मारक निगरानी में 29 देशों के 25 स्थल शामिल हैं जो जलवायु परिवर्तन, पर्यटन और प्राकृतिक आपदाओं जैसे विभिन्न कारकों के कारण खतरे में हैं। हैदराबाद में मूसी नदी ऐतिहासिक इमारतों को इन मुद्दों के प्रति उनकी संवेदनशीलता के लिए सुर्खियों में रखा गया है, जो उनकी दीर्घकालिक स्थिरता को खतरा पहुंचाते हैं।डब्ल्यूएमएफ दस्तावेज के अनुसार, चूंकि हैदराबाद पर्यावरणीय चुनौतियों और तेजी से बदलाव का सामना कर रहा है, विश्व स्मारक कोष पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूलन के साथ-साथ कायाकल्प के मार्ग के रूप में विरासत पर प्रकाश डालता है।हैदराबाद की सांस्कृतिक और प्रशासनिक प्रमुखता के जीवंत प्रतीक, मूसी नदी ऐतिहासिक इमारतें अब कई खतरों का सामना कर रही हैं। तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार, रखरखाव की कमी और पर्यावरणीय गिरावट इन संरचनाओं की अखंडता के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती है।

2025 के विश्व स्मारक निगरानी में इन स्थलों को शामिल करना उनके संरक्षण के लिए कार्रवाई का एक तत्काल आह्वान है।डब्ल्यूएमएफ ने अपने बयान में कहा कि उस्मानिया जनरल अस्पताल जैसी ये ऐतिहासिक इमारतें अगर संरक्षित और फिर से सक्रिय की जाएं तो हैदराबाद के भविष्य के लिए अमूल्य संपत्ति हो सकती हैं। भव्य स्थलों से लेकर रोज़मर्रा की संरचनाओं तक निर्मित विरासत-स्थान के साझा उपयोगों को समझने का एक नज़रिया प्रदान करती है जिसने समय के साथ मूसी नदी को अर्थ और जीवन दिया है।

श्री छत्रपति संभाजी राजे का गुरुवार को 344वां राजाभिषेक दिवस धूमधाम से जुमेरात बाजार में मनाया गया । इस अवसर उपस्थित नंदकुमार तामगोले (भरत), संतोष जामवाले, रमेश,देवा, धोड़ीबा, महेश, शांत कुमारजी, राजेश तोषनीवाल, राम बिरादर एवं अन्य उपस्थित थे।

पूर्णिमा कवि गोष्ठी में कवियों ने मार्मिक कविताओं से समाँ बाँधा

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय और सक्रिय संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में मोज़मज़ाही मार्केट स्थित आरोग्य अस्पताल, कैलाश डायग्नोस्टिक सभागृह परिसर में कवि गोष्ठी का आयोजन गीत चाँदनी के अध्यक्ष गीतकार चंपालाल बैद की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया और संस्था की बहुआयामी गतिविधियों पर प्रकाश डाला और उपस्थितजनों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और कवयित्री रत्नकला मिश्र एवं डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत महाप्राण सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की सरस्वती वंदना से हुआ। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, श्री श्रुतिकांत भारती, कवि अंजनी कुमार गोयल, शायर सोहेल अज़ीम, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर श्री श्रीनिवास राव बतौर विशेष अतिथि मंचासीन थे। इस अवसर पर गीत चाँदनी के सह-कोषाध्यक्ष ठाकुर दिनेश सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में सुप्रसिद्ध उपन्यासकार और मनोवैज्ञानिक

कथाकार जैनेंद्र कुमार के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी गोष्ठियों से साहित्य पढ़ने और लिखने का अवसर प्राप्त होता है, मैं इसके लिए गीत चाँदनी का अत्यंत आभारी हूँ। विशेष अतिथि व कवि अंजनी कुमार गोयल ने कहा कि निरंतर गोष्ठियों का आयोजन कर गीत चाँदनी एक इतिहास रच रही है। निरंतरता का ऐसा उदाहरण अन्यत्र देखने को नहीं मिलता।

विशेष अतिथि शायर सोहेल अज़ीम ने कहा कि गीत चाँदनी की कवि गोष्ठियों में उर्दू के शायरों ने सदा भाग लेकर गंगा-जमुनी संस्कृति का परिचय दिया है। संस्था को उर्दू शायरों का सहयोग उल्लेखनीय है।

विशेष अतिथि श्रुतिकांत भारती ने संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित गीत चाँदनी की कवि गोष्ठी में सच्चे और अच्छे साहित्यकार जैनेंद्र कुमार के बारे में विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्होंने 9 महत्वपूर्ण उपन्यास लिखे हैं। पद्मभूषण और साहित्य अकादमी के पुरस्कार उन्हें प्राप्त हुए हैं। आज की कवि गोष्ठी में 19 कवियों ने अपनी महत्वपूर्ण कविताओं का पाठ कर ख़ूब आनंदित किया है। ग़ज़लकारों और गीतकारों ने अपनी मधुर वाणी से मंत्रमुग्ध कर दिया है। अपने मन की भावनाओं को कविताओं में प्रस्तुत कर श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन भी किया है। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि गीत चाँदनी ने हैदराबाद के सामाजिक क्षेत्र में एक पहचान बनाई है और देश के विभिन्न भागों के अलग-अलग भाषाओं के कवियों को मंच पर लाकर देश की प्रगति में योगदान दिया है। अध्यक्ष पद से बोलते हुए गीतकार चंपालाल बैद ने कहा कि गीत चाँदनी एक ऐसा मंच रहा है, जिसने युवा साहित्यकारों के लिए दिशा-निर्देशन का काम किया। हैदराबाद के कवियों को किसी न किसी रूप में संस्था का सहयोग प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर उर्दू के सुप्रसिद्ध संचालक व कवि असलम फरशौरि के आकस्मिक निधन पर उनक साहित्यिक सेवाओं को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस पूर्णिमा को डॉ प्रेमलता श्रीवास्तव द्वारा वरिष्ठ कवि शिवकुमार तिवारी कोहिरी को 1100/- रुपये और विशेष अतिथि श्रीनिवास राव द्वारा 1000/- भेंट देकर सम्मान किया गया।अंत में सभी साहित्य-प्रेमियों, कवियों और लेखकों को रत्नकला मिश्रा ने धन्यवाद दिया। कवि श्रीपूनम जोधपुरी की ओर से जलपाल की सुंदर व्यवस्था की गयी थी।

IN THE COURT OF HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, BILOLI.
SPECIAL CIVIL SUIT NO. 02/2023
PUBLIC SUMMONS Exh.

Plaintiff : Sailu @ Sayanna S/o. Vithalrao Basare.
Age: 83 yrs. Occu.: Nil
R/o. Shahapur, Tq. Degloor Dist. Nanded.
Defendants : 1. Harishankar S/o. Linguram Beldari.
Age: 63 yrs. Occu.: Agriculturist.
2. Shivaji S/o. Linguram Beldari.
Age: 61 yrs. Occu.: Agriculturist.
3. Nagnath S/o. Linguram Beldari.
Age: 60 yrs. Occu.: Agriculturist.
4. Maroti S/o. Linguram Beldari.
Age: 58 yrs. Occu.: Agriculturist.
5. Shankar S/o. Linguram Beldari.
Age: 63 yrs. Occu.: Agriculturist. And other's

To.
Defendant. No. 5
Shankar S/o. Linguram Beldari. Age: 63 yrs. Occu.: Agriculturist.
R/o. Shahapur Tq. Degloor Dist. Nanded.
Now Residing At Ranjan, Near Satapur, Namdev Wada, Adjacent to the Railway Statiion, Nizamabad. Telangana.

Whereas above named plaintiff Sailu @ Sayanna S/o. Vithalrao Basare has instituted the suit of recovery of possession of landed property bearing Spl.C.S.No. 03/2024 against you and same is pending for adjudication. You are the defendant no. 5 in the said suit. This court has on several times issued suit summons to you to appear in the above suit either personally or through attorney or legal representative to adduce your defense in the above suit. However, all of you have failed either to secure your presence or avoiding the service of suit summons.

Therefore, by this public suit summons, all of you have summoned to appear before this court on or before 14/02/2025 either personally or through attorney or legal representative otherwise in failure this court will decide the suit as exparte against all of you.

Given under my Seal and Signature, On this day 01 January 2025.

Sd/-
Jr. Clerk, Court Of C.J.S.D. Biloli
Asstt. Supdt. Court Of C.J.S.D. Biloli.

कार के पीछे से लॉरी से टकराने से 2 लोगों की मौत, 5 घायल

भोंगिरी, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भोंगिरी के पास बाईपास रोड पर गुरुवार सुबह एक कार दुर्घटना में दो परिवार के सदस्यों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। दुर्घटना में भुक्या अनुषा (28) और उनकी बेटी चैथ्रा (7) की तत्काल मौत हो गई। घायलों में अनुषा का पति संतोष, जो कार चला रहा था, उसकी बहन भवानी, बहनोई रवि और भतीजी मोक्षा शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना तब हुई जब कार ने पीछे से एक लॉरी को टक्कर मार दी। लॉरी चालक ने बिना संकेत दिए अचानक पेट्रोल पंप में गाड़ी मोड़ दी थी। परिवार संक्रांति मनाने के बाद महबूबाबाद जिले के केसमुद्रम मंडल के वेंकटराम तांडा से हैदराबाद जा रहा था। बचाव दल ने घायलों को इलाज के लिए भोंगिर एरिया अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को अशोक कुमार-श्रीमती शशिबाला अग्रवाल की 52वीं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर चंगामल सत्यनारायण भालवाले की ओर से नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Bank of Baroda, Railway line Branch Solapur, intends to accept the under mentioned property standing in the name of Jayashree Damodar Karwa, Anita Rameshchandra Karwa, Lakhan Rameshchandra karwa and Kishor Rameshchandra Karwa, All R/o M.No 3-6-603, Himayath Nagar, Hyerabad -500029 Telangana, as a security for loan/credit facility requested by Shri Vishnulaxmi Polymers Private Limited,
In case anyone has got any right / title / interest / claims over the under-mentioned property, they are advised to approach the Bank within 10 days along with necessary proof to substantiate their claim.
If no response is received within 10 days, it is presumed that the property is free of any charge / claim / encumbrance and bank shall proceed with the mortgage.

Detail of Property
1) All that part and property bearing M. No3-6-603, admeasuring 274 Sq Yard, out of 794 Sq Yard, situated at Himayat Nagar, Hyderabad, T.S. and bounded by Towards North: 30ft wide Road, Towards South: H. No. 3-6-602, Towards East: Portion of H. No 3-6-603, Towards West: Portion of H No 3-6-603
2) All that part and property bearing M. No3-6-603, admeasuring 123 Sq Yard, out of 704 Sq Yard, situated at Himayat Nagar, Hyderabad, T.S. and bounded by Towards North: 30ft wide Road, Towards South: H. No. 3-6-602, Towards East: 20 ft wide Road, Towards West: Portion of H. No. 3-6-603

Branch Details/Contact No
Bank of Baroda, Railway Line Branch, Solapur. Cell No-9923208950

Sd/-
Adv. Raosaheb Karkale
Cell No:- 9421027172

प्रेम में असफलता के कारण 24 वर्षीय युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कीसरा के करीमगुडा में गुरुवार को एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रेम में असफलता के कारण ही उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि अपने परिवार के साथ रहने वाले मल्लारेड्डी (24) ने प्रेम में असफलता से परेशान होकर अपने कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। कीसरा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छात्रावास में इंजीनियरिंग की छात्रा का यौन उत्पीड़न, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि एक निजी छात्रावास में एक महिला इंजीनियरिंग छात्रा का कथित तौर पर इमारत के मालिक द्वारा नियोजित ड्राइवर द्वारा यौन उत्पीड़न किया गया। यह घटना बुधवार रात को हुई जब प्रथम वर्ष की छात्रा अपने कमरे में अकेली थी।

आरोपी ने कथित तौर पर उसके दरवाजे पर दस्तक दी और दावा किया कि उसके पास देने के लिए चादर है। जब महिला ने दरवाजा खोला, तो घुसपैठिया अचानक कमरे में घुस गया और कथित तौर पर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी हॉस्टल बिल्डिंग के मालिक के लिए काम करने वाला ड्राइवर है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला की गुरुवार को प्रैक्टिकल परीक्षा थी। उस समय कुछ अन्य छात्र अलग-अलग कमरों में थे। पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर इब्राहिमपटनम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि उसे मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया और तकनीकी डेटा एकत्र किया गया। आरोपी को पकड़ लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

श्री धरमवीर छत्रपति संभाजी राजे का गुरुवार को राजाभिषेक दिवस मनाते हुए किशन सिंह, प्रवीण यादव, नंदकुमार तामगोले, शिवाजी राव बेलकुणे एवं अन्य।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. 6945918N NK GAJBE ASHWIN KUMAR DEENDAYAL of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad TS that my mother Name is changed from **KIRAN GAJBE** to **KIRAN DINDAYAL GAJBE**.

CHANGE OF NAME
I, No. 15811723H Hav PRAVEEN SINGH of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my father Name is changed from **RAVINDRA SINGH** to **RAVENDAR SINGH**.

CHANGE OF NAME
I, No. 6942915P HAV LINEESH T of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my son Name is changed from **MASTER PRANAV** to **PRANAV LINEESH**.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Mrs Kantabai Devram Navale states my name and DOB is wrong in my son Navale Tejesh Devaram working at HQ14Crops army record before was **KANTA DEVARAM NAVALE** and DOB **10th MARCH 1969** now changed to **KANTABAI DEVRAM NAVALE** DOB **1STJUNE 1967**as per gazzatte no 86/2025.

CHANGE OF NAME
I, MONOHARA is legally dependent Mother of Service No. 15415539F, Rank: HAV/ORA, Name:SRINIVASARAO KARANAM, Unit: COMMAND HOSPITAL (EC), KOLKATA, C/O 99 APO, R/O :Vill &PO : CHERUKUPALLI, Teh: REPALLE, Dist: BAPATLA, State: AP, Pin:522309, I have Changed my name from **MONOHARA** to **KARANAM MANOHARA**, My Date of Birth is 01-07-1956

CHANGE OF NAME
I No. JC 732444K SUB ASISHA RANJAN PARIDA of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from **KANCHAN BADA PARIDA** to **KANCHAN BALA PARIDA.**

CHANGE OF NAME
I, PUNNAIAH, is legally dependent Father of Service No. 15415539F, Rank: HAV/ORA, Name: SRINIVASARAO KARANAM, Unit: COMMAND HOSPITAL (EC), KOLKATA, C/O 99 APO, R/O.Vill & PO : CHERUKUPALLI, Teh: REPALLE, Dist: BAPATLA, State: AP, Pin:522309, I have Changed my name from **PUNNAIAH** to **KARANAM PUNNAIAH**, My Date of Birth is 01-07-1952

पीठ की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज नोर्टजे

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है, जब तेज गेंदबाज एनरिक नोर्टजे पीठ की चोट के कारण बाहर हो गए। पिछले जून में टी20 विश्व कप के बाद से नोर्टजे ने कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज़ के लिए वापसी करनी थी, लेकिन नेट्स में उनके पैर की अंगुली में चोट लग गई। तब से वह अपनी एसए20 फ्रैंचाइज़ी, प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए बिल्कुल भी नहीं खेले हैं और उन्हें दक्षिण अफ्रीका के मार्की टी20 टूर्नामेंट से भी बाहर कर दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका जल्द ही चैंपियंस ट्रॉफी टीम के लिए प्रतिस्थापन की घोषणा करेगा।

गेराल्ड कोएट्ज़ी, जो पिछले नवंबर में श्रीलंका के खिलाफ डरबन टेस्ट में कमर में चोट लगने के बाद जोबर्ग सुपर किंग्स के लिए खेल में वापस आए हैं, सबसे संभावित प्रतिस्थापन हैं।

दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर, जो अपनी टीमों के एकमात्र चयनकर्ता भी हैं, ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के हवाले से बताया कि उनका प्रारंभिक चयन नॉर्टजे और कोएट्ज़ी के बीच सीधा मुकाबला था, और उन्होंने कोएट्ज़ी की तुलना में नॉर्टजे के अनुभव को चुना। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उन्हें नॉर्टजे के फिट घोषित होने का भरोसा है।

उन्होंने कहा, वह एक पेशेवर हैं। वह खुद का ख्याल रखते हैं, अपनी कंडीशनिंग का ख्याल रखते हैं। मेरी तरफ से, मुझे उन पर भरोसा है और उम्मीद है कि वह खेलने के लिए तैयार होंगे।

हालांकि इसके बाद सीएसए की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि नोर्टजे ने सोमवार दोपहर को स्कैन करवाया था और 50 ओवर के टूर्नामेंट के लिए समय पर ठीक होने की उम्मीद नहीं है।

पिछले छह आईसीसी इवेंट में यह तीसरी बार है जब नोर्टजे चोट के कारण बाहर हुए हैं, और ये सभी वनडे टूर्नामेंट हैं। उन्हें 2019 विश्व कप में खेलना था, लेकिन टूर्नामेंट से पहले उनके अंगूठे में चोट लग गई, फिर पीठ के निचले हिस्से में संदिग्ध तनाव फ्रैक्चर के कारण वे 2023 विश्व कप से चूक गए और अब वे 2025 चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हैं। नोर्टजे ने उन सभी तीन टी20 विश्व कप में खेला है, जिनके लिए वे उपलब्ध थे - 2021, 2022 और 2024 - लेकिन उन्होंने अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अनुबंध से बाहर होने का विकल्प चुना है।

न्यूज ब्रीफ

पडीक्कल और स्मरण के शानदार प्रदर्शन से कर्नाटक ने हरियाणा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी

वडोदरा। देवदत्त पडीक्कल के स्मरण रविचंद्रन के बीच हुई शानदार शतकीय साझेदारी से कर्नाटक ने यहां हरियाणा को छह विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया है। इन दोनो ने ही इस मैच में अर्धशतक लगाये। पडीक्कल ने 86 और स्मरण ने 76 रन बनाये। इस मैच में जीत के लिए 238 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कर्नाटक की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसके कप्तान मयंक अग्रवाल पहले ही ओवर में पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद पडीक्कल ने 86 और अश्विन स्मरण ने 76 रनों की पारी खेलकर तीसरे विकेट के लिए 128 रन की अहम साझेदारी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसी के साथ ही कर्नाटक ने जीत के लिए मिला लक्ष्य 47.2 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 238 रन बनाकर हासिल कर लिया। अब कर्नाटक का खिताबी मुकाबला विदर्भ और महाराष्ट्र के बीच होने वाली मैच की विजेता टीम से होगा। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा के खिलाड़ी कर्नाटक के गेंदबाजों के सामने खुलकर नहीं खेल पाये। कर्नाटक के बायें हाथ के तेज गेंदबाज अभिलाश शेट्टी ने 34 रन देकर चार विकेट जबकि लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल ने 36 रन देकर 2 और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए। हिमांशु राणा और कप्तान अंकित कुमार ने 44 और 48 रन बनाये पर इनके आउट होने के बाद कोई भी जोड़ी टिक नहीं पायी।

खिलाड़ियों द्वारा फीस न दिए जाने के विरोध के बाद बीपीएल फ्रेंचाइजी दरबार

नई दिल्ली। बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) फ्रेंचाइजी दरबार राजशाही ने अपने क्रिकेटरों को फीस का भुगतान देरी से करने के लिए माफी मांगी है। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब फ्रैंचाइज़ के क्रिकेटरों ने 15 जनवरी को चटगाँव में अपना प्रशिक्षण सत्र रद्द कर दिया, क्योंकि क्लब के स्थानीय खिलाड़ियों ने बकाया भुगतान न किए जाने के बारे में विरोध किया था। जबकि विदेशी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को 6 जनवरी को टीम के चौथे मैच के बाद उनके कुल वेतन का 25 प्रतिशत भुगतान किया गया है, लेकिन फ्रैंचाइज़ स्थानीय क्रिकेटरों के साथ अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में विफल रही, जिसके कारण उन्हें अभ्यास सत्र का बहिष्कार करना पड़ा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अध्यक्ष फारुक अहमद ने जूम मीटिंग में बोर्ड के निदेशकों से बात की और घटना की जानकारी मिलने के बाद राजशाही के अधिकारियों, कप्तान अनामुल हक और कई अन्य खिलाड़ियों के साथ चर्चा करने के लिए टीम होटल भी गए। फ्रेंचाइजी के संचालन प्रभारी जायेद अहमद ने देरी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी, लेकिन यह भी कहा कि अभ्यास रद्द होना भुगतान के मुद्दे से संबंधित नहीं था। बुधवार को टीम प्रबंधन द्वारा दिए गए बयान में जायेद ने कहा, हम टीम प्रबंधन से लेकर सभी क्रिकेटरों के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हम उन्हें 16 जनवरी तक भुगतान कर देंगे और अभ्यास न करना इससे संबंधित नहीं है।

पाक ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टिकटों की कीमतें घोषित कीं, सबसे सस्ती टिकट है 310 भारतीय रुपये

लाहौर। पाकिस्तान ने अगले माह होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टिकट की कीमतें घोषित कर दी हैं। इसमें सबसे सस्ता टिकट भारतीय मुद्रा के हिसाब से 310 रुपए है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने स्टेडियम में क्रिकेट प्रशंसकों की भागीदार बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया है हालांकि इससे ये भी नजर आता है कि पीसीबी को भरोसा नहीं है कि अधिक तादाद में दर्शक स्टेडियम पहुंचेंगे। इसमें सेमीफाइनल के लिए पाकिस्तान के शीर्ष स्तरीयता प्राप्त वीवीआईपी टिकटों की सबसे अधिक कीमत 25,000 पाक रुपये है। टिकट श्रेणियों में सामान्य, प्रथम श्रेणी, प्रीमियम, वीआईपी और वीवीआईपी श्रेणियां शामिल हैं। सेमीफाइनल मैचों के लिए कीमत 2,500 पाकिस्तानी रुपए से शुरू होती है। वहीं कराची के मैदान पर पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के मैच की न्यूनतम कीमत 1,000 पाक रुपये है। जबकि वीवीआईपी टिकटों की कीमत 12,000 पाक रुपये है। लाहौर में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मैच होगा। इसमें सबसे कम कीमत 1,000 पाक रुपये है जबकि गैलरी सीटों के लिए 18,000 पाक रुपये की टिकटें हैं।

मुम्बई सिटी के खिलाफ लीग डबल पूरा करना चाहेगी पंजाब एफसी

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

पंजाब एफसी गुरुवार शाम यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मुम्बई सिटी एफसी की मेजबानी करेगी, तो उसका लक्ष्य इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में घर में हार की हैट्रिक से बचना होगा और आइलैंडर्स पर अपना पहला लीग डबल पूरा करना होगा। वहीं, मुम्बई सिटी एफसी अपने अवे मैचों में अपराजित रहने के सिलसिले को आगे बढ़ाना चाहेगी।

हालांकि, आइलैंडर्स ने अपने पिछले तीन मैचों में से प्रत्येक में एक से ज्यादा गोल खाए हैं, इस दौरान आठ गोल खाए हैं।

वर्तमान में फॉर्म से जूझ रही पंजाब एफसी लीग में अपने पिछले दो घरेलू मैच हार चुकी है। अगर मेजबान टीम गोल नहीं कर पाई, तो वो पहली बार लगातार घरेलू मैचों में गोल से दूर रहेगी। वहीं, मुम्बई सिटी एफसी अपने पिछले पांच अवे मैचों (3 जीत, 2 ड्रा) में अपराजित है।

पंजाब एफसी 14 मैचों में छह जीत, एक ड्रा और सात हार से 19 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। मुम्बई सिटी एफसी 15 मैचों में छह जीत, पांच ड्रा और चार हार से 23 अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर है।

आइलैंडर्स अपने पिछले पांच मैचों में दो बार हारने के बाद अपनी फॉर्म तलाशेंगे। लालियानजुआला छांगटे निलंबन के कारण आगामी मैच नहीं खेलेंगे। पंजाब एफसी के निखिल प्रभु और खैमिंथांग लुंगडिम भी निलंबन के कारण बाहर रहेंगे।

पंजाब एफसी के सुरेश मीतेई ने अपने हवाई मुकाबलों में से 73.1प्रतिशत जीते हैं। उन्होंने अपने पिछले गेम में हाईलैंडर्स के खिलाफ सभी पांच हवाई द्वंद्व जीते। उन्होंने 11 टैकल जीते हैं, 24 इंटरसेप्शन किए हैं, और 71प्रतिशत सटीकता के साथ प्रति मैच औसतन 34 पास दिए हैं।

आइलैंडर्स के 22प्रतिशत गोल कॉर्नर से आए हैं, जो लीग में तीसरा सबसे ज्यादा है। लिहाजा, पंजाब के डिफेंस को संभल कर खेलना होगा।

नवंबर में पंजाब एफसी के खिलाफ 3-0 से हारने वाले आइलैंडर्स अपने पिछले तीन मैचों में से प्रत्येक में 2+ गोल खाए हैं। वहीं, पंजाब एफसी ने अपने पिछले तीन मैचों में केवल दो बार गोल किया है।

आइलैंडर्स ने आईएसएल 2024-25 में 21.6 का अपेक्षित गोल मूल्य दर्ज किया है, लेकिन वे केवल 18 गोल कर पाए हैं, जिससे उनका अंतर -3.64 दूसरा सबसे कम है।

पंजाब एफसी के सहायक कोच शंकरलाल चक्रवर्ती ने स्वीकार किया कि मैच के कुछ चरणों के दौरान रक्षात्मक कमजोरी उनकी टीम की कमी साबित हुई है।

उन्होंने कहा, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ मैच के दौरान हमने कुछ चरणों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और इसलिए हम गोल खा रहे थे। हमने हाईलैंडर्स के खिलाफ दूसरे हाफ की शुरुआत बहुत अच्छी की और हम मैच का विश्लेषण करेंगे।

आइलैंडर्स के चेक हेड कोच पीटर क्रेटकी पंजाब एफसी के जवाबी हमलों से सतर्क रहेंगे।

उन्होंने कहा, पंजाब एफसी अच्छे मौके बनाती है और वो अपने हालिया खराब परिणामों से वापसी करना चाहेगी। वो जानती है कि उसे क्या करना है, क्योंकि उसने रिवर्स फिक्स्चर में हमारे खिलाफ बहुत अच्छे जवाबी हमले किए थे। बता दें कि आईएसएल में इन दोनों टीमों के बीच तीन मुकाबले हुए हैं। पंजाब एफसी और मुम्बई सिटी एफसी ने क्रमशः एक और दो बार जीत हासिल की है।

कोपा डेल रे : एफसी बार्सिलोना, एटलेटिको मैड्रिड क्वार्टर फाइनल में

मैड्रिड, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

एफसी बार्सिलोना ने बुधवार को रियल बेटिस को घरेलू मैदान पर 5-1 से हराकर कोपा डेल रे के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। बार्सा ने रविवार को स्पेनिश सुपरकप में रियल मैड्रिड पर 5-2 की जीत के बाद एक और प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने मैच में लगभग शुरुआत से लेकर आखिर तक नियंत्रण बनाए रखा।

गेवी ने तीसरे मिनट में ही पेड्री और डैनी ओल्मो के मूव के बाद बार्सा के लिए पहला गोल करके दिखाया कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ गए हैं, और जूल्स कोंडे ने 27वें मिनट में लैमिन यामल की शानदार सहायता के बाद एक टाइट एंगल से एक शक्तिशाली शॉट के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया।

दूसरे हाफ के शुरू में यामल का एक गोल ऑफसाइड घोषित कर दिया गया, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि इसके तुरंत बाद राफिन्हा और फेरान टोरेस ने बार्सा के लिए तीसरा और चौथा गोल कर दिया।

यमल ने बार्सा के लिए 5-0 की बढ़त बनाई, लेकिन उसके कुछ क्षण पहले पाब्लो टोरे ने गोल कर बेटिस का खाता खोला और स्कोर 5-1 हो गया, जो कि निर्णायक साबित हुआ।

एक अन्य मैच में एटलेटिको मैड्रिड ने दूसरे डिवीजन के एल्चे को 4-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं, लेगानेस ने 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दूसरे डिवीजन के लीडर अल्मेरिया को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पोंटेवेद्रा का कप में साहसिक अभियान घरेलू मैदान पर गेटाफे से 1-0 की हार के साथ समाप्त हो गया, जिसमें अल्वारो रोड्रिगेज ने चौथे स्तर की टीम के खिलाफ दूसरे मिनट में एकमात्र गोल किया।

एफआईएसयू विंटर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलती हुई आर्सिनल और टोटेनहम की टीमें

लीजेंड 90 लीग से मैदान पर वापसी के लिए तैयार शिखर धवन, दिल्ली रॉयल्स का करेंगे प्रतिनिधित्व

रायपुर, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट के पूर्व स्टार शिखर धवन फरवरी 2025 में होने वाली लीजेंड 90 लीग में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। धवन, जो इस लीग में दिल्ली रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, ने टीम के मनोबल को बढ़ाते हुए आगामी सीजन के लिए अपनी तैयारियों पर भरोसा जताया।

धवन ने कहा, लीजेंड 90 लीग के इस सीजन में मैं दिल्ली रॉयल्स के लिए खेलूंगा। मैदान पर अपने फॉर्म को दिखाने और हर पल को यादगार बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। इतने समय बाद प्रशंसकों से मिल रहे प्यार के लिए मैं दिल से आभारी हूं।

दिल्ली रॉयल्स की नई ताकत

हाल ही में खत्म हुए खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में दिल्ली रॉयल्स ने कई दिग्गज और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया। इन खिलाड़ियों में वेस्ट इंडीज के जेरोम टेलर और दिनेश रामदीन, श्रीलंका के दनुष्का गुनाथिलका, और भारत से सुमित नरवाल, परविंदर अवाना, शरद

लुंबा, लखविंदर सिंह, तथा राजविंदर सिंह शामिल हैं।

दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर के साथ इन खिलाड़ियों के आने से टीम का संतुलन और भी मजबूत हुआ है। टीम के मालिक और उत्तर भारत के अग्रणी हॉस्पिटैलिटी ब्रांड मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंदर कादयान ने कहा, इन नए खिलाड़ियों के शामिल होने से हमारी टीम की गहराई और ताकत में जबरदस्त इजाफा हुआ है। दिग्गज अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ियों का यह मेल हर चुनौती के लिए तैयार है।

नई जर्सी का अनावरण

टीम के मैनेजमेंट ने इस मौके पर नई जर्सी का अनावरण भी किया। मन्नत ग्रुप के प्रतिनिधि मनदीप मलिक ने कहा, हमारी टीम दिल्ली के गौरव और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। धवन और टेलर जैसे खिलाड़ियों के साथ नए खिलाड़ियों का यह समावेश निश्चित रूप से टीम को नई ऊर्जा देगा। हमें पूरा विश्वास है कि दिल्ली रॉयल्स लीग में शानदार प्रदर्शन करेगी।

लीग का रोमांचक प्रारूप

लीजेंड 90 लीग, 90 गेंदों का एक तेज़-तर्रार फॉर्मेट है, जिसमें कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एक साथ खेलते नजर आएंगे। यह लीग उनके लिए एक उत्सव है, जो उन्हें अपने सुनहरे दिनों को दोबारा जीने का मौका देती है। पिछले महीने टीम ने अपने लोगो का अनावरण किया था, जो एक ढाल और कवच के प्रतीक के साथ उनकी ताकत, एकजुटता और वीरता को दर्शाता है।

जोकोविच सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम मैच खेलने वाले खिलाड़ी बने

स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर का रिकार्ड तोड़ा

मेलबर्न, 16 जनवरी (एजेंसियां)।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर के मैच में कोर्ट पर उतरते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब जोकोविच स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर का रिकार्ड तोड़कर सबसे अधिक ग्रैंडस्लैम मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। जोकोविच ने अब चारों ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों में 430 मैच खेल लिए हैं ये एक नया रिकॉर्ड है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में उतरते ही रोजर फेडरर के 429

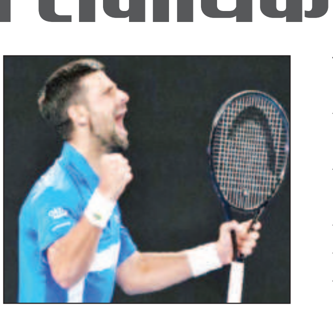

मुकाबलों की बराबरी की थी। जोकोविच ने दूसरे दौर के मुकाबले में पुर्तगाल के क्वालीफायर जेमी फरिया को 6-1, 6-7 (4), 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच ने अब अब ग्रैंडस्लैम मुकाबलों में 379 मैच जीते हैं जबकि 51 मैचों में उन्हें हार झेलनी पड़ी। जोकोविच ने कहा, 'ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में रिकार्ड बनाने से वह उत्साहित हैं और अपने को भाग्यशाली मानते हैं। वहीं पुरुष वर्ग में ही तीसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए योशिहितो निशिओका को 6-0, 6-1, 6-4 से हराया। दूसरी ओर बच्चे के जन्म के बाद वापसी करने वाली जापान की नाओमी ओसाका महिला एकल में तीसरे दौर में पहुंची हैं। ओसाका साल 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचीं हैं। उन्होंने करोलिना मुचोवा के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 1-6, 6-1, 6-3 से मुकाबला जीता। एक अन्य मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 97वें नंबर की खिलाड़ी लौरा सीगमंड ने झेंग किनवेन को सीधे सेटों में 7-6 (3), 6-3 से हराया।

रोहित को संन्यास लेना चाहिये : मार्क वॉ

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मार्क वॉ ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को संन्यास की सलाह दी है। मार्क ने साथ ही कहा कि अगर वह चयनकर्ता होते तो रोहित को संन्यास लेने को कह देते। रोहित टी20 विश्व कप के बाद से ही फार्म में नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये थे। इससे वह आलोचकों के साथ ही पूर्व क्रिकेटरों के भी निशाने पर हैं। मार्क के इस बयान का कुछ लोगों ने समर्थन किया है। वहीं कुछ ने कहा कि उन्हें पहले अपनी टीक के मिचेल मार्श का रिकार्ड देखना चाहिये। मार्श भी इस सीरीज में विफल रहे हैं। वॉ ने कहा, अगर मैं अभी चयनकर्ता होता तो कहता कि मेलबर्न में जब रनों की जरुरत थी तो वह दूसरी पारी में केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में सिडनी में आपको नहीं लिया जा सकता। मैं कहता, रोहित आपकी सेवा के हम आभारी हैं। आप एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं पर हम अब जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाने जा रहे हैं और यह आपके करियर का अंत होगा। रोहित के लिएए यह सीरीज किसी खराब सपने से कम नहीं रही है। उन्होंने 5 पारियों में 31 रन बनाए हैं, जबकि कप्तान के तौर पर भी वह बहुत सफल नहीं रहे हैं। वहीं भारत ने पहला टेस्ट बुमराह की कप्तानी में शानदार तरीके से जीता था। रोहित ने एडिलेड टेस्ट में कप्तानी संभाली थी जिसमें टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था।

केटीआर फॉर्मूला ई-रेस मामले में ईडी के सामने हुए पेश

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व नगरपालिका प्रशासन मंत्री के टी रामा राव (केटीआर) गुरुवार को फॉर्मूला ई रेस मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए।

केटीआर को मूल रूप से सात जनवरी को एजेंसी के सामने पेश होना था लेकिन देरी के अनुरोध के बाद, ईडी अधिकारियों ने 16 जनवरी को उनकी उपस्थिति के लिए एक नया नोटिस जारी किया जबकि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मामले की जांच कर रही है ।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मामले की जांच कर रहा है, वहीं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के बेटे केटीआर और मामले में अन्य के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है। तेलंगाना एसीबी द्वारा फॉर्मूला ई फंडिंग मामले में केटीआर और अन्य के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने के बाद ईडी ने ईसीआईआर दायर की। 7 जनवरी को, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने फॉर्मूला ई-रेस के संचालन में धन के कथित दुरुपयोग को लेकर एसीबी द्वारा उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को खारिज करने की केटीआर की याचिका को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कथित फॉर्मूला ई-रेस मामले में उनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की केटीआर की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। बीआरएस नेता ने पहले दावा किया था कि पारदर्शी बैंक-टू-बैंक लेनदेन के माध्यम से फॉर्मूला ई ऑपरेशंस लिमिटेड (एफईओ) को 46 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार और एचएमडीए के पूर्व मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी हाल ही में इसी मामले में ईडी के समक्ष पेश हुए थे और इस मामले में ईडी द्वारा उनके बयान दर्ज किए गए थे। पुलिस ने ईडी कार्यालय के पास व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की, जहां केटीआर से पूछताछ की जा रही है। बड़ी संख्या में बीआरएस नेता और कार्यकर्ता जांच एजेंसी के कार्यालय में एकत्र हुए, लेकिन बाद में पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया। ईडी के समक्ष पेश होने से पहले, राव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक भी रुपये की हेराफेरी नहीं की गई, और हर रुपये का हिसाब है। कथित भ्रष्टाचार, हेराफेरी या मनी लॉन्ड्रिंग कहां है? उन्होंने आरोपों को निराधार बताते हुए सवाल किया। उन्होंने दोहराया कि कोई गलत काम नहीं हुआ है, लेकिन द्वेष और राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित होकर, कांग्रेस सरकार अदालतों और जांच एजेंसियों के माध्यम से अच्छी तरह से प्रलेखित घटनाओं को खींचने पर आमादा है।

मैं पूरा सहयोग करूंगा, लेकिन मामला कहां है? : केटीआर

हैदराबाद , 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को फॉर्मूला ई के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा घंटों पूछताछ किए जाने के ठीक बाद, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने उनके खिलाफ मामला चलाने की वैधता पर सवाल उठाया और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बहस के लिए चुनौती भी दी। केटीआर ने आज ईडी

कार्यालय से बाहर निकलने के बाद कहा, मैंने आज प्रवर्तन एजेंसियों से बस इतना ही कहा है कि मैं पूरा सहयोग करूंगा, मैं पूरे दिल से सहयोग करूंगा, चाहे वे मुझे जितनी भी बार बुलाएं, मैं आऊंगा। वे मुझसे जो भी जानकारी चाहते हैं, मैं उन्हें देने के लिए खुश हूं।उन्होंने कहा कि भले ही वे अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं, लेकिन पैसे का पहले से ही हिसाब है, इसलिए लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार का कोई सवाल ही नहीं है।

उन्होंने कहा, लेकिन मैंने यही सवाल एसीपी और ईडी से भी पूछा है...यहां मामला कहां है? अगर कुछ पैसे किसी जगह ट्रांसफर किए गए तो वह खाता वहां है, तो धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार कहां है? अगर सारा पैसा सुरक्षित है तो लॉन्ड्रिंग कहां हुई?

उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बहस करने और साथ बैठकर झूठ पकड़ने वाली जांच करवाने की चुनौती दी। केटीआर ने संवाददाताओं से कहा, तेलंगाना के

मुख्यमंत्री के पास चाहे जितनी भी प्रतिशोध की भावना हो, मुझे कोई समस्या नहीं है, लेकिन मेरे पास उन्हें देने के लिए एक प्रस्ताव है... जब भी आप तैयार हों, आप तारीख, स्थान और समय तय करें, आपके खिलाफ भी ईडी का मामला है, आइए हम दोनों साथ बैठें और मैं झूठ पकड़ने वाली जांच के लिए तैयार हूं... पूरे तेलंगाना को देखने दें कि कौन झूठ बोल रहा है। इससे पहले आज, बीआरएस नेता रावुला श्रीधर रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस की राज्य सरकार केटीआर को मामले में गलत तरीके से फंसा रही है। जैसा कि हम पहले दिन से ही बता रहे हैं, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार केटी रामा राव को मामले में गलत तरीके से फंसा रही है। ऐसे मामले में जहां कोई भ्रष्टाचार नहीं है, जहां धन का कोई दुरुपयोग नहीं हुआ है, वे इसे भ्रष्टाचार का मामला साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने तेलंगाना के लोगों के सामने सभी तथ्य स्पष्ट किए हैं और रखे हैं । रेड्डी ने बताया, लोगों को पूरा विश्वास है कि कोई भ्रष्टाचार नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मामले में केटीआर और अन्य के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) भी दर्ज की है। ईडी ने तेलंगाना एसीबी द्वारा फॉर्मूला-ई फंडिंग मामले में केटीआर और अन्य के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने के बाद ईसीआईआर दायर की।

जयपाल रेड्डी ने पृथक तेलंगाना के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पृथक तेलंगाना राज्य के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री एस जयपाल रेड्डी की सराहना की।

जयपाल रेड्डी की जयंती के अवसर पर दिल्ली में उनके चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद रेड्डी ने कहा कि जयपाल रेड्डी ने नैतिक मूल्यों का सख्ती से पालन करते हुए गांव से दिल्ली तक अपने राजनीतिक जीवन की सीढ़ी चढ़ी।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के सर्वश्रेष्ठ सांसद जयपाल रेड्डी ने तत्कालीन एकीकृत आंध्र प्रदेश की विधानसभा और भारतीय संसद के दोनों सदनों में विधायक के रूप में अपने उल्लेखनीय भाषणों के माध्यम से अपनी पहचान बनाई।

राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, जहीराबाद के सांसद सुरेश शेतकर, बेल्लमपल्ली और परिगी के विधायक गद्दाम विनोद और राममोहन रेड्डी, राज्य सरकार के सलाहकार शब्बीर अली और अन्य लोग मौजूद थे।

राचकोंडा एसओटी ने देशी पिस्तौल बेचने वाले व्यक्ति को पकड़ा

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भोंगीर जोन के राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशन टीम ने जवाहर नगर पुलिस के साथ मिलकर एक व्यक्ति को दो देसी पिस्तौल, एक तपांचा और दस जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हरे कृष्ण यादव (26) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, 2019 में वह अपने भाई मुरली के साथ हैदराबाद आया और बीबीनगर की एक कंपनी में काम किया। तीन साल बाद, 2022 में उसने नौकरी छोड़ दी और अपने पैतृक गांव वापस चला गया और छोटी-छोटी जगहों पर खेती करके अपना गुजारा करने लगा। डीसीपी मलकाजगिरी पद्मजा ने कहा, उसका अवैध आग्नेयास्त्र निर्माताओं के साथ संपर्क है और अवैध रूप से आसानी से पैसा कमाने के लिए उसने कम कीमत पर देसी हथियार खरीदने की योजना बनाई और उन्हें हैदराबाद में जरूरतमंद लोगों को ऊंचे दामों पर बेचने की योजना बनाई। अपनी योजना के अनुसार, कृष्ण यादव ने बिहार के भोजपुर जिले के संपत यादव से तीन अलग-अलग प्रकार के हथियार खरीदे। वह हैदराबाद में अपने जानकारों के जरिए लोगों को बेचने के लिए इन्हें अपने पास रखता था। बुधवार को जब कृष्ण यादव अंबेडकर नगर बस स्टॉप पर फूल बाग इलाके के पास घूम रहा था, तो एसओटी टीम ने जवाहरनगर पुलिस के साथ मिलकर उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से दो देसी पिस्तौल, एक टेपंचा और दस जिंदा कारतूस बरामद किए।

पतंग उड़ाने के दौरान हुई दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत

हैदराबाद, 16 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले दो दिनों में तेलंगाना में पतंगबाजी के दौरान हुए हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। ये घटनाएं मंगलवार और बुधवार को महबूबनगर, निर्मल, रंगारेड्डी और यादाद्री भुवनगिरी जिलों में हुईं। पतंग उड़ाते समय अपने घर की छत से गिरने से 11 वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। यह घटना निर्मल कस्बे में बुधवार को हुई।

मोहम्मद हुजफ तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में छठी कक्षा में पढ़ता था। अपने दोस्तों के साथ पतंग उड़ाते समय लड़का अपना संतुलन खो बैठा और छत से गिर गया। उसे गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

एक अन्य घटना में पतंग उड़ाते समय एक व्यक्ति की इमारत से गिरने से मौत हो गई। यह घटना रंगारेड्डी जिले के मीरपेट निगम क्षेत्र में हुई। 39 वर्षीय के महेश यादव पतंग उड़ाते समय छत से गिर गए। महबूबनगर जिले में पतंग उड़ाते समय बिजली का करंट लगने से एक स्कूली छात्र की मौत हो गई। मनोज कुमार नाम के लड़के को बिजली के तारों में उलझी पतंग को निकालने की कोशिश करते समय करंट लग गया।

यह घटना तब हुई जब लड़के ने अपने घर की छत पर बिजली के तारों से पतंग को निकालने के लिए लोहे की छड़ का इस्तेमाल किया। यादाद्री भुवनगिरी जिले में पतंग उड़ाते समय ढाबे की छत से गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना मुताकोंदुरु मंडल के अम्मानबोलू गांव में हुई। 48 वर्षीय जुपल्ली नरेंद्र छत से गिर गए, जिस पर कथित तौर पर कोई दीवार नहीं थी। उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.